हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, गुरुवार 5 फरवरी 2026

इन देशों में ऐसी पाबंदी

फ्रांस
- 3 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए स्क्रीन लगभग प्रतिबंधित
- स्कूलों में मोबाइल फोन पूरी तरह प्रतिबंधित
- सरकार मानती है, स्क्रीन बचपन की सामाजिकता खा रही है

चीन
- बच्चों के लिए गेमिंग समय सीमित
- सप्ताह में केवल 3 घंटे ऑनलाइन गेम
- रात 10 बजे से सुबह 8 बजे तक नो गेमिंग
- नाबालिगों के लिए डिजिटल कर्फ्यू

स्वीडन
- स्कूलों में डिजिटल डिटॉक्स नीति
- किताब, कागज और संवाद पर जोर
- स्क्रीन से सीखने के नकारात्मक असर को सरकारी रिपोर्ट में स्वीकार किया गया

नॉर्वे
- सरकार ने स्क्रीन टाइम गाइडलाइंस जारी की
- बच्चों को आउटडोर एक्टिविटी और सामाजिक खेल के लिए प्रेरणा
- स्कूलों में मोबाइल का सीमित उपयोग

यूनाइटेड किंगडम
- स्कूलों में मोबाइल प्रतिबंध बढ़ रहा
- सरकार ने माना :अत्यधिक स्क्रीन टाइम बच्चों के व्यवहार और ध्यान क्षमता को नुकसान पहुंचा रहा है

मोबाइल गेम्स की ऐसी लत कि तीन बहनों ने छत से कूदकर दी जान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ गाजियाबाद/रायपुर

मोबाइल गेम की लत इंसान के दिमाग पर किस कदर हावी हो सकती है, इनका दिल दहला देने वाली उदाहरण गाजियाबाद से सामने आया है। तीन मासूम बच्चियों ने ऑनलाइन गेमिंग की लत के चलते अपनी जान दे दी है। फ्रांस, चीन, स्वीडन, नार्वे जैसे कई देशों ने ऑनलाइन तय की हैं, जिससे अनहोनी टल सके। चीन ने तो नाबालिगों के लिए डिजिटल कर्फ्यू घोषित कर दिया है। इधर, भारत में ऐसी कोई पाबंदी नहीं। अभिभावकों को खुद की अलर्ट रहना होगा,

एक्सपर्ट कहते हैं...

रियल कुछ भी नहीं बच्चों को समझाना जरूरी

स्वास्थ्य विभाग के मनोस्वास्थ्य विशेषज्ञ डा. डीएस परिहार के मुताबिक बच्चे दोस्तों के बीच सम्मान पाने मोबाइल और उसके गेम से जुड़ जाते हैं जो धीरे-धीरे उनकी लत बन जाती है। बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि मोबाइल का गेम रील है, इसमें रियल कुछ भी नहीं है। माता-पिता को बच्चों को मोबाइल से दूर रखने स्क्रीन टाइम फिक्स करने की आवश्यकता है।

पैरेंट्स को रखनी होगी नजर

आंबेडकर अस्पताल की मनोचिकित्सक डा. सुरभि दुबे ने कहा कि माता-पिता को इस बात की जानकारी रखनी चाहिए कि बच्चा मोबाइल के किस एप का ज्यादा उपयोग करता है। बच्चों में मोबाइल के बजाए स्पोर्टस अथवा खेलकूद में दिलचस्पी पैदा करने की कोशिश की जानी चाहिए। मोबाइल के गेम्स सीधे दिमाग में उत्तेजना पैदा करने वाले होते हैं। इसकी लत बहुत जल्दी पड़ जाती है। मोबाइल के लिए समय तय करने की जरूरत है।

ताकि बच्चों के मन में मोबाइल को लेकर कोई मानसिक दबाव न हो।

गाजियाबाद में मंगलवार देर रात नौवीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट की बालकनी से कथित तौर पर कूदने के बाद तीन नाबालिग बहनों की मौत हो गई। पुलिस एक ऑनलाइन कोरियन गेम की लत संबंधी पहलू की भी जांच कर रही है। सहायक पुलिस आयुक्त (शालीमार गार्डन) अतुल कुमार सिंह ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि ये बहनें एक ऑनलाइन कोरियन गेम 'लव गेम' की आदी थीं जो 'टास्क बेस्ड' है और बच्चियों के माता-पिता ▸▸शेष पेज 5 पर

खबर संक्षेप

साइबर अपराधियों से बचाए 8,189 करोड़

नई दिल्ली। गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने बुधवार को राज्यसभा को बताया कि पिछले चार वर्ष में दर्ज 23.61 लाख से अधिक मामलों में 8,189 करोड़ रुपये साइबर चोरी होने से बचा लिए गए। मंत्रालय द्वारा शुरू की गई नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी रिपोर्टिंग और प्रबंधन प्रणाली पर 2021 से 2025 तक 23.61 लाख से अधिक शिकायतें प्राप्त हुईं।

डूबने से शख्स और उसके दो बेटों की मौत

जयपुर। राजस्थान में हनुमानगढ़ के एक खेत में बनी हौदी में डूबने से एक शख्स और उसके दो बेटों की मौत हो गई। हादसा संगरिया थाना क्षेत्र के रासूवाला गांव में मंगलवार शाम को हुआ। मृतकों की पहचान रासूवाला निवासी गुरदीप सिंह (40), लखविंदर सिंह (22) और राजविंदर सिंह (16) के रूप में हुई। थाना प्रभारी ने बताया कि तीनों खेत में फसलों पर स्प्रे कर रहे थे। छोटा बेटा राजविंदर स्प्रे के लिए पानी लेने पड़ोसी जसवीर सिंह के खेत में बनी हौदी पर गया और वहां पानी भरने के दौरान संतुलन बिगड़ने से वह हौदी में गिर गया।

बस पलटने से बच्चे की मौत, एक दर्जन घायल

फिरोजाबाद। जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बुधवार तड़के दिल्ली से गोरखपुर जा रही एक डबल डेकर बस के अनियंत्रित होकर पलटने से तीन साल के बच्चे की मौत हो गयी, जबकि 12 यात्री घायल हो गए। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण चालक को नींद आना बताया जा रहा है। बस में लगभग 45 यात्री सवार थे। दुर्घटना में लगभग 10-12 यात्रियों को मामूली चोटें आईं।

'गबन' मामले में पूर्व विधायक गिरफ्तार

जयपुर। प्रवर्तन निदेशालय ने राजस्थान के एक पूर्व विधायक को विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास निधि में गबन के आरोप में गिरफ्तार किया है। ईडी ने बहरोड़ के पूर्व निर्दलीय विधायक बलजीत यादव को मंगलवार देर रात शाहजहांपुर से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी 2021-22 के दौरान 3.72 करोड़ रुपए के कथित गबन से जुड़ी जांच के सिलसिले में हुई है। उन्हें जानबूझकर फंसाया जा रहा है। यहां ईडी कार्यालय से बाहर निकलते समय पूर्व विधायक ने कहा, सत्यमेव जयते। षडयंत्र का शिकार हुआ हूं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक

10 जिलों में एंटी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स, गंभीर हालात को संभालने स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप भी

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर समेत दस जिलों में एंटी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स बनाई जाएगी। इसके साथ ही राज्य में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में बुधवार को हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में यह फैसला किया गया है।

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

मादक पदार्थों की रोकथाम की दिशा में बड़ा निर्णय लेते हुए मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रदेश के 10 जिलों में जिला स्तरीय एन्टी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स के गठन के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के मुख्य बजट में प्रावधानित 100 नवीन पदों की स्वीकृति प्रदान की गई। इसमें रायपुर, महासमुंद, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर, सरगुजा, कबीरधाम, जशपुर, राजनांदगांव एवं कोरबा जिला शामिल हैं।

एसओजी के लिए 44 नए पदों को मंजूरी: मंत्रिपरिषद की बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के मुख्य बजट में पुलिस मुख्यालय की विशेष शाखा अंतर्गत एसओजी (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) के गठन के लिए प्रावधानित 44 नवीन पदों की स्वीकृति प्रदान की गई है। एसओजी का काम किसी भी बड़ी या अचानक हुई घटना में तुरंत मौके पर पहुंचकर हालात को संभालना और आतंकी हमला ▸▸शेष पेज 5 पर

छत्तीसगढ़ में अब पायलट प्रशिक्षण

मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य के विभिन्न एयरपोर्ट एवं हवाई पट्टियों में उड़ान प्रशिक्षण संगठन (एफटीओ) की स्थापना का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया तथा इसके संचालन के दिशा-निर्देशों का अनुमोदन किया गया। इसके तहत छत्तीसगढ़ में पायलट प्रशिक्षण की सुविधा के लिए राज्य में उड़ान प्रशिक्षण संगठन की स्थापना की जाएगी। विमानन क्षेत्र में बढ़ती मांग को देखते हुए और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए यह संस्थान उपयोगी होगा। इससे एयरक्राफ्ट रीसाइकिलिंग, हेलीकॉप्टर बंकिंग तथा एयरो स्पोर्ट्स जैसी सुविधाएं विकसित होंगी।

छत्तीसगढ़ में शुरू होगी पायलट ट्रेनिंग

जमीन आवंटन का अधिकार जिला कलेक्टर को

सिरपुर एवं अरपा क्षेत्र में सुनियोजित विकास और विकास कार्यों को गति देने के लिए संबंधित क्षेत्र में शासकीय भूमि के आबंटन का अधिकार संबंधित जिले के कलेक्टर को प्रदान किया गया है। गौरतलब है कि सिरपुर विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण एवं अरपा विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण का उद्देश्य संबंधित नदी तटीय क्षेत्रों का योजनाबद्ध और समग्र विकास करना है। इसके लिए मास्टर प्लान के क्रियान्वयन, भूमि नियोजन एवं नगर विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जाना आवश्यक है। विकास कार्यों को गति देने के लिए शासकीय भूमि का आबंटन जरूरी था।

छत्तीसगढ़ बनेगा प्रमुख नवाचार केंद्र

मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ नवाचार एवं स्टार्टअप प्रोत्साहन नीति 2025-26 का अनुमोदन किया है। इस नीति से स्टार्टअप ईको सिस्टम के साथ-साथ इन्क्यूबेटर्स एवं अन्य हितधारकों का विकास होगा। छत्तीसगढ़ को देश में एक प्रमुख नवाचार केन्द्र के रूप में विकसित किया जा सकेगा। भारत सरकार के उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा जारी स्टेट्स स्टार्टअप रैंकिंग में सुधार होने से राज्य में निवेश का आकर्षण बढ़ेगा।

क्लाउड फर्स्ट नीति को स्वीकृति

मंत्रिपरिषद ने "छत्तीसगढ़ क्लाउड फर्स्ट नीति" को प्रदेश में लागू किए जाने की स्वीकृति प्रदान की है। छत्तीसगढ़ क्लाउड फर्स्ट नीति का प्रस्ताव छत्तीसगढ़ शासन के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रस्तुत किया गया। छत्तीसगढ़ क्लाउड फर्स्ट नीति के अनुसार राज्य शासन के सभी विभाग, उपक्रम एवं स्वायत्त संस्थाएं केवल भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा अनुमोदित क्लाउड सेवा प्रदाताओं या भारत में स्थित सुरक्षित डेटा सेंटर एवं डिजास्टर रिकवरी सेंटर से ही क्लाउड सेवाएं लेंगी। किसी विशेष या असाधारण आवश्यकता के लिए राज्य क्लाउड परिषद से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। नीति के तहत कम प्राथमिकता वाले एप्लिकेशन एवं आर्काइव डेटा का क्लाउड माइग्रेशन वर्ष 2027-28 तक तथा उच्च प्राथमिकता सेवाओं का माइग्रेशन 2029-30 तक किया जाएगा।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई

घूस लेते पकड़े गए नायब तहसीलदार और पटवारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जांजगीर-चांपा

एंटी करप्शन ब्यूरो ने पामगढ़ तहसील कार्यालय में दबिश देकर नायब तहसीलदार और पटवारी को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा है। दोनों ने चोरभट्टी धान खरीदी केंद्र प्रभारी से रिश्वत मांगी थी। नायब तहसीलदार और पटवारी 35 हजार रुपए की रकम लेते एसीबी के हत्थे चढ़ गए।

- धान खरीदी केंद्र प्रभारी से मांगी थी 35 हजार की रिश्वत

आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो द्वारा भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में बुधवार 4 फरवरी को एसीबी इकाई बिलासपुर द्वारा पामगढ़ तहसील कार्यालय में दबिश देकर नायब तहसीलदार पामगढ़ श्रीमती करुणा आहेर और उच्चभट्टी पटवारी आयुष कुमार ध्रुव को 35 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। दोनों ने धान उपार्जन केंद्र चोरभट्टी के प्रभारी धीरेन्द्र कुमार ▸▸शेष पेज 5 पर

योजना बनाकर पकड़ा

योजना के तहत 4 फरवरी को धीरेन्द्र कौशिक केमिकल लगे नोट लेकर तहसील कार्यालय पहुंचा। नायब तहसीलदार ने रिश्वत की रकम पटवारी को देने कहा। धीरेन्द्र कौशिक द्वारा पटवारी आयुष कुमार ध्रुव को रिश्वत की रकम 35 हजार रुपए देते ही आसपास तैनात एसीबी टीम ने पटवारी और नायब तहसीलदार को पकड़ लिया। रिश्वत में ली गई रकम बरामद कर एसीबी द्वारा दोनों आरोपियों के विरुद्ध धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत कार्यवाही की जा रही है।

कोलकाता में तुर्की एयरलाइंस के विमान की आपात लैंडिंग

बीच हवा में विमान के इंजन में आग, 236 की जान पर मंडराया खतरा!

एजेंसी ▸▸ कोलकाता

तुर्की एयरलाइंस के एक विमान के इंजन में खराबी आने के बाद विमान ने कोलकाता हवाई अड्डे पर आपात परिस्थितियों में उतरा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, पायलट ने विमान के दाहिने इंजन में आग लगने की सूचना दी थी। यह उड़ान काठमांडू से तुर्किये के इस्तांबुल जा रही थी। बयान के मुताबिक उड़ान संख्या टीएचटीके-727 वाला एयरबस ए330-300 विमान अपराह्न करीब 1.15 बजे काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से चालक दल के 11 सदस्यों सहित 236 यात्रियों को लेकर रवाना हुआ। एक अधिकारी ने बताया कि पायलट ने उड़ान भरने के दौरान विमान के दो इंजनों में से एक में खराबी की सूचना दी थी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'विमान ने दाहिने इंजन में आग लगने के कारण अंतरराष्ट्रीय रेडियो संकट संकेत (पैन पैन) जारी किया और अपराह्न 1:38 बजे एक इंजन की ▸▸शेष पेज 5 पर

क्या हुआ था आसमान में?

- दोपहर 1:38 बजे: जब विमान भारतीय हवाई क्षेत्र के पास था, पायलटों ने तकनीकी खराबी और दाएं इंजन में आग की सूचना दी। उन्होंने तुरंत 'पैन-पैन' कॉल दी।
- दोपहर 1:51 बजे: एयरलाइन के सूत्रों के अनुसार, दोपहर 1:51 बजे तक चालक दल ने विमान के फायर सप्रेसर सिस्टम का उपयोग कर आग पर काबू पा लिया था।
- दोपहर 2:49 बजे: एयरलाइन सभी 236 यात्रियों के साथ सुरक्षित तरीके से कोलकाता एयरपोर्ट पर लैंड हो गई। लैंडिंग के वक्त कोलकाता एयरपोर्ट पर फुल इमरजेंसी घोषित थी और अग्निशमन दल की कई गाड़ियां मौके पर मौजूद थीं, ताकि जरूरत के हिसाब से मदद दी जा सके।

क्या है पैन-पैन का मतलब?

यह 'मेडे' से कम गंभीर, लेकिन एक महत्वपूर्ण इमरजेंसी कॉल है, जिसका उपयोग तब किया जाता है जब विमान को तत्काल सहायता की आवश्यकता हो लेकिन जान-माल का तत्काल खतरा न हो। पैन-पैन एक अर्जेंट लेकिन नॉन-डिस्ट्रेस रेडियो कॉल है। इसका मतलब है- स्थिति गंभीर है, मदद चाहिए, लेकिन जान का तुरंत खतरा नहीं है। यह कॉल पायलट की तरफ से एयर ट्रैफिक कंट्रोल और आसपास के विमानों को सतर्क करने के लिए की जाती है कि फ्लाइट में कोई तकनीकी, मेडिकल या ऑपरेशनल समस्या है, जिस पर प्राथमिकता से ध्यान चाहिए।

गिरावट के बाद लगातार दूसरे दिन तेजी

चांदी तीन लाख के करीब सोना 1.65 लाख रुपए

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

कीमती धातुओं ने बुधवार को लगातार दूसरे दिन राष्ट्रीय राजधानी में अपनी तेजी को बरकरार रखा। इस दौरान चांदी की कीमतें बढ़कर 2.98 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई और सोना 1.65 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम रहा। कारोबारियों ने कहा कि मजबूत वैश्विक रुख, कमजोर डॉलर ने इस उछाल में योगदान दिया। पिछले सप्ताह की भारी बिकवाली के बाद डॉलर के कमजोर होने से निवेशकों में बहुमूल्य धातुओं के प्रति रुचि फिर से जगी थी अखिल भारतीय सर्राफा संघ के ▸▸शेष पेज 5 पर

सोने के दाम में तीन फीसदी बढ़ोतरी

लेमन मार्केट्स डेस्क के शोध विश्लेषक, गौरव गर्ग ने कहा, सोने और चांदी ने बुधवार को अपनी तेजी जारी रखी, सोने की कीमतें तीन प्रतिशत से अधिक बढ़ीं। लगभग 1.6 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गईं, जबकि चांदी में भारी अस्थिरता और सुधार की अवधि के बाद दिन के कारोबार के दौरान छह प्रतिशत तक का उछाल आया।

पेड़ से टकराई स्कार्पियो, 3 पर्यटकों की गई जान, 6 गंभीर रूप से घायल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जगदलपुर

गरियाबंद से जगन्नाथ पुरी होते हुए बस्तर पहुंचे पर्यटकों के वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने से सवार तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं हादसे में छह लोगों को गंभीर चोटें आई हैं जिनका डिमरापाल मेडिकल कॉलेज में उपचार जारी है।

जानकारी के मुताबिक गरियाबंद जिले के ग्राम देवपरसूली थाना पिपरछेड़ी निवासी एक मासूम बच्चे समेत 13 पर्यटक 28 जनवरी को स्कार्पियो वाहन क्रमांक सीजी 23 पी 1719 में सवार होकर विशाखापटनम से जगन्नाथपुरी होते हुए 2 फरवरी को दंतेवाड़ा पहुंचे थे। यहां दर्शन उपरांत 3 फरवरी को बारसूर घुमने के बाद चित्रकोट के लिए आ रहे थे। इसी दौरान रात लगभग 9 बजे तेज रफ्तार वाहन मारडूम थाना क्षेत्र के ग्राम मेण्ड्री के करीब कहुआ के पेड़ से टकराकर बीच सड़क पर पलट गई। हादसे की सूचना मिलते ही मारडूम पुलिस मौके पर पहुंचकर घायलों को उपचार के लिए एम्बुलेंस से लोहण्डीगुड़ा अस्पताल भेजा। जहां डाक्टरों ने जांच के बाद तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। वहीं वाहन में सवार 6 अन्य भी घायल हो गए थे, जिनमें तीन की स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

बदल दिए गए क्रिकेट के 70 से ज्यादा नियम, अक्टूबर से होगा लागू

अब अंतिम ओवर पूरा करना होगा अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

खास खबर

मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने क्रिकेट के नियमों में कई बदलाव की घोषणा की है। मंगलवार (3 फरवरी 2026) को एमसीसी ने कुल 73 नियमों में बदलाव की घोषणा की है जिसमें टेस्ट मैच में अगर अंतिम ओवर के दौरान विकेट गिरता है तो पूरा ओवर खेलना अनिवार्य करना भी शामिल है। वहीं बाउंड्री पर लेने वाले कैच, विकेटकीपर की पोजीशन आदि कई नियमों में बदलाव सामने आए हैं। यह सभी नए नियम एक अक्टूबर 2026 से लागू होंगे।

विकेटकीपर से जुड़े नियमों में भी बदलाव

विकेटकीपर से जुड़े नियम में भी बदलाव किया गया है। अब गेंद फेंके जाने से पहले अगर विकेटकीपर स्टंप्स के बराबर या आगे खड़ा होता है, तो इसे नो बॉल नहीं माना जाएगा। एमसीसी ने कहा, विकेटकीपर अब भी गेंद को पकड़ने के लिए तब तक स्टंप्स के आगे नहीं आ सकता, जब तक गेंद बल्लेबाज के विकेट को पार न कर जाए या बल्ले अथवा शरीर से संपर्क न कर ले, लेकिन अब नियम यह है कि गेंद छोड़े जाने के बाद ही विकेटकीपर को पूरी तरह स्टंप्स के पीछे होना होगा।

बॉल और बैट के लिए तय हुए मानक

एमसीसी ने मौजूदा और पूर्व महिला खिलाड़ियों के साथ मिलकर जूनियर और महिला क्रिकेट में इस्तेमाल होने वाली गेंदों के लिए नए मानक और नाम भी तय किए हैं। एमसीसी के अनुसार अब गेंदों को साइज-1, साइज-2 और साइज-3 के रूप में बांटा गया है। साइज-1 (पारंपरिक पुरुषों की गेंद) में कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन अब तीनों श्रेणियों के लिए मानक एक समान कर दिए गए हैं।

बाउंड्री लाइन के कैच का नियम बदला

वहीं बाउंड्री लाइन के पास लिए जाने वाले कैच को लेकर 'बनी हॉप कैच' को हटाया गया है। अब कोई भी फील्डर बाउंड्री के बाहर रहते हुए हवा में गेंद को केवल एक बार छू सकता है और उसके बाद पूरी तरह बाउंड्री के अंदर जमीन पर होना जरूरी होगा।

शहर को पानी पिलाने के नाम पर 600 करोड़ खर्च, फिर भी कम नहीं हुआ टैंकर का बोझ

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

निगम ने 5 साल में 5 करोड़ किराए के टैंकर पर फूंके, नहीं सुधर पाया जल आपूर्ति का सिस्टम

रायपुर नगर निगम ने पांच साल में शहर की 15 लाख आबादी को साफ पानी पिलाने के नाम पर अमृत मिशन सहित छोटी-बड़ी योजनाओं में 600 करोड़ खर्च कर दिए, फिर भी जल आपूर्ति का सिस्टम सुधर नहीं पाया। हालत ये है कि टैंकर का बोझ कम नहीं हो रहा। पिछले 5 साल में 5 करोड़ रुपए टैंकर किराए के रूप में भुगतान किया गया है। इस समय शहर की 45 पानी टंकियों से रोजाना 300 एमएलडी शुद्ध पानी की सप्लाई की जा रही है। इसके बाद भी कई इलाकों में लो प्रेशर की समस्या बनी हुई है। कुछ इलाके ऐसे भी हैं, जहां पुरानी पाइप लाइन में लीकेज से लोगों के घरों में गंदा पानी आने की समस्या बनी हुई है, जिसे नगर निगम का जल विभाग अभी तक दूर नहीं कर पाया। भनपुरी, कचना, लभांडी, फुंडहर, दलदल सिवनी सहित कुछ इलाके शहर में ऐसे भी हैं, जहां लोगों की प्यास बुझाने बारह महीने पानी टैंकर भेजने की नौबत बनती है। पानी की सबसे ज्यादा दिक्कत बीएसयूपी कालोनियों और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित बहुमंजिला आवासीय परिसर में है, जहां पानी का एकमात्र साधन बोरवेल है, जो तेज गर्मी में अकसर सूख जाता है।

दरअसल, नगर निगम रायपुर का क्षेत्रफल करीब 200 वर्ग किलोमीटर है, जिसमें 70 वार्ड शामिल हैं। शहर के पास 310 एमएलडी क्षमता का जल शुद्धिकरण संयंत्र है, जो 45 नई व पुरानी पानी टंकियों से राजधानी की 15 लाख आबादी को जल आपूर्ति करता है। इसके बाद भी जीआईएस सर्वे बताता है कि 2 लाख 60 हजार भवनों में से 1 लाख 95 हजार आवासीय व व्यावसवायिक प्रतिष्ठानों में नल कनेक्शन हैं, यानी आज भी बड़ी आबादी या तो टैंकर या फिर वैकल्पिक स्त्रोतों पर निर्भर है।

नगर निगम के जल विभाग के अधिकारियों के मुताबिक शहर के 70 वार्डो में प्रतिदिन पानी की डिमांड 270 एमएलडी है, लेकिन फिल्टर प्लांट से रोजाना औसतन 300 एमएलडी शुद्ध पेयजल की आपूर्ति शहर को की जाती है। 30 एमएलडी अतिरिक्त पानी कहां खप रहा है इसका हिसाब अब तक अफसर नहीं लगा पाए। पर्याप्त जल आपूर्ति के बाद भी शहर के कुछ इलाकों में पानी का प्रेशर कम होने, टंकियां पूरी तरह नहीं भरने और टेल एंड तक पर्याप्त फोर्स से पानी नही पहुंचने की शिकायत आम बात है। इसके चलते नगर निगम प्रशासन के उपर हर साल पानी टैंकरों का बोझ बढ़ता जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक साल 2023 में 29 किराये के पानी टैंकर पर जल विभाग ने 58 लाख रुपए खर्च किए। साल 2024 के गर्मी सीजन में जलसंकट प्रभावित इलाकों में जल आपूर्ति के लिए 48 पानी टैंकर किराये के लिए गए इसके एवज में अनुबंधित ठेकेदारों को 1 करोड़ 68 लाख रुपए का भुगतान करने की नौबत आई। वर्ष 2025 के गर्मी सीजन में किराये के पानी टैंकरों की संख्या बढ़कर 53 तक जा पहुंची, इस पर 2.04 करोड़ का खर्च आया। यानी हर साल किराये के पानी टैंकरों की संख्या घटने के बजाय बढ़ती जा रही है। गत वर्ष शहर के 54 वार्ड गंदे पानी की समस्या से परेशान रहे। इसकी एक बड़ी वजह पुरानी पाइप लाइन के पानी की सप्लाई को बताया गया। ये पाइप लाइन या तो खराब रही या इसके अधिकांश हिस्से में कोई न कोई दिक्कत रही। शहर के आउटर और ऐसे इलाके जहां दो तीन साल से नई कालोनियां बसी वहां इस तरह की समस्या देखने को मिली। एक अरसे बाद अब नगर निगम ने पूरे शहर के पाइप लाइन का सर्वे कराया है। जोनवार सर्वे में कौन सी जगह किस पाइप लाइन को बदलनी है इसकी प्लानिंग हो रही है। गंदा पानी आने की समस्या शहर के रामनगर, पेंशनबाड़ा, बैरनबाजार, गायत्री नगर कुशालपुर, सड्डू ,लभांडी, बोरियाकला और भाठागांव इलाके में सामने आई है। नगर निगम जल विभाग के अधिकारियों का कहना है पिछले साल गर्मी में शहर के 21 वार्ड ऐसे रहे जहां पेयजल की समस्या आंशिक रूप से रही। इसके अलावा 25 वार्ड जल संकट के दृष्टि से संवेदनशील रहे जहां जलसंकट प्रभावित इलाके में लोगों की प्यास बुझाने पानी टैंकर की व्यवस्था करनी पड़ी। इसमें निगम के विभागीय टैंकर के अलावा किराये के पानी टैंकर भी चलाए गए। इस बार इन इलाकों में 56 किलोमीटर नई पाइप लाइन बिछाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिसकी लागत करीबन 11.68 करोड़ है।

15 फरवरी के बाद से सरकारी खरीदी पर रोक, वित्त ने जारी किया आदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार के अधीन विभागों में 15 फरवरी से सरकारी खरीदी पर रोक लगेगी। सरकार के वित्त विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर कहा है कि 15 फरवरी, 2026 तक जारी किये गये समस्त क्रय आदेशों का भुगतान 15 मार्च, 2026 तक पूर्ण कर दिया जाना चाहिए। वित्त विभाग ने इस संबंध में शासन के सभी विभाग, राजस्व मंडल, सभी संभागीय आयुक्त, सभी विभागाध्यक्ष और राज्य के सभी कलेक्टरों के लिए आदेश जारी कर दिया है। वित्त विभाग का कहना है कि राज्य की वित्तीय स्थिति को संतुलित बनाए रखने के लिए स्थायी निर्देश प्रसारित किए गए हैं। इसके बाद भी यह देखा गया है कि वित्तीय वर्ष के अंतिम महीनों में अनेक विभागों द्वारा जल्दबाजी में केवल बजट उपयोग करने की दृष्टि से आवश्यकता न होने पर भी सामग्री क्रय की जाती है, जिससे शासन की राशि अनावश्यक रूप से अवरुद्ध हो जाती है। यह प्रकिया शासन के हित में नहीं है। इसीलिए शासकीय क्रय के संबंध में ये निर्देश प्रसारित किए गए हैं।यहां ये प्रतिबंध नहीं होंगे लागूवित्त विभाग ने ये भी साफ किया है कि खरीदी का यह प्रतिबंध कहां लागू नहीं होगा। इसमें शामिल है, केन्द्रीय क्षेत्रीय योजना, केन्द्र प्रवर्तित योजना (केन्द्रांश प्राप्त होने पर आनुपातिक राज्यांश सहित कुल राशि में से तथा एसएनए स्पर्श , विदेशी सहायता प्राप्त परियोजना, केन्द्रीय वित्त आयोग की अनुशंसा पर प्राप्त अनुदान, नाबार्ड पोषित योजना, सिडबी, राष्ट्रीय आवास बैंक तथा विशेष केन्द्रीय सहायता पोषित परियोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु क्रय की जाने वाली सामग्री प्रतिबंध से मुक्त होगी।

कार्य विभागों के लिए ये होगा

निर्माण विभागों (लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा) एवं वन विभाग से संबंधित चालू परियोजनाओं में भंडार की स्थिति का आंकलन करने के बाद आगामी एक माह में उपयोग आने वाली सामग्री, जेलों, शासकीय एवं राज्य कर्मचारी बीमा योजनान्तर्गत चल रहे अस्पतालों तथा विभिन्न विभागों द्वारा संचालित छात्रावासों व आश्रमों में भोजन, कपड़ा, दवाईयों का क्रय तथा अन्य प्रासंगिक व्यय। पोषण आहार हेतु आंगनबाड़ी केन्द्रों में प्रदाय किए जा रहे खाद्यान का क्रय तथा परिवहन। आसवनियों से खरीदी गई देशी मदिरा का क्रय, पेट्रोल, डीजल, वाहन मरम्मत एवं प्रतिस्थापन मद से वाहनों के क्रय से संबंधित व्यय, लेखन सामग्री से संबंधित क्रय रूपये 5 हजार तक के रूपये 5 हजार तक अन्य आकस्मिक क्रय के देयक, प्रथम अनुपूरक अनुमान में किये गये वाले प्रावधानों के विरूद्ध क्रय इसमें शामिल होगा।

पूर्व मंत्री कवासी आए जेल से बाहर, समर्थक झूमे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शराब घोटाला के आरोप में जेल में बंद पूर्व आबकारी मंत्री, विधायक कवासी लखमा की बुधवार को रायपुर सेंट्रल जेल से रिहाई हुई। सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने के बाद कवासी लखमा की जेल से रिहाई हुई है। श्री लखमा एक साल 14 दिन तक जेल में बंद रहे। ईडी और ईओडब्लू ने कवासी लखमा की शराब घोटाला के आरोप में अलग-अलग गिरफ्तारी की थी।

रिहाई की जानकारी मिलने पर सैकड़ों की संख्या में कवासी लखमा के समर्थक जेल परिसर पहुंचे। कवासी लखमा को लेने के लिए विशेष तौर पर उनकी पत्नी बुधनी लखमा जेल परिसर पहुंची हुई थीं। समर्थकों के अनुसार कवासी लखमा की रिहाई की जानकारी बुधनी को जैसे ही दी गई, उनकी आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था कि उनके पति की बुधवार को जेल से रिहाई होगी।

पति की रिहाई की जानकारी मिलने पर बुधनी मंगलवार को ही रायपुर आने की जिद करने लगी थीं। कवासी लखमा की रिहाई के समय बस्तर से नृत्य दल पहुंचे। जेल परिसर के बाहर नृत्य दल बाजे-गाजे के साथ गोंडी नृत्य करते देखे गए। कोंटा से भी बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और समर्थक कवासी लखमा का स्वागत करने जेल परिसर पहुंचे हुए थे। कवासी की रिहाई के समय जेल रोड के मार्ग को कुछ समय के लिए वन-वे कर मार्ग डायवर्ट कर दिया गया था। कवासी लखमा को सुप्रीम कोर्ट से सशर्त जमानत मिली है। कोर्ट ने कहा है, मामले की सुनवाई होते तक कवासी लखमा को राज्य की सीमा से बाहर रहना होगा। इसके साथ ही उन्हें संबंधित कोर्ट में अपना पासपोर्ट जमा कराना होगा। वे जहां भी रहेंगे, इसकी जानकारी संबंधित कोर्ट को देनी होगी।

सत्र में शामिल होने अध्यक्ष को देना होगा आवेदन

शराब घोटाला में आरोपी बनाए गए कवासी लखमा कोंटा के विधायक हैं। एक जनप्रतिनिधि होने के नाते विधानसभा के बजट सत्र में शामिल होने कवासी लखमा को विधानसभा अध्यक्ष को आवेदन देना होगा।

कवासी पर यह है आरोप

ईडी के आरोपों के मुताबिक कवासी लखमा शराब घोटाला सिंडेकेट की अहम कड़ी थे। लखमा के निर्देश पर ही सिंडिकेट काम करता था। इनसे शराब सिंडिकेट को मदद मिलती थी। ईडी के आरोपों के मुताबिक शराब नीति बदलने में कवासी लखमा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बलात्कार के आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

बिलासपुर। बलात्कार के आरोप में जेल में बंद आरोपी की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस एनके व्यास की सिंगल बेंच ने तल्ख टिप्पणी की है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा, बलात्कार नारीत्व का अपमान है। एक महिला के खिलाफ सबसे गंभीर और जघन्य अपरोध में से एक है। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए याचिका को खारिज कर दिया है। सेशन कोर्ट ने आईपीसी की धारा 506 (आपराधिक धमकी), 323 (जानबूझकर चोट पहुंचाने की सज़ा), 342 (गलत तरीके से कैद करना) और 376 (बलात्कार) के तहत दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई थी।

याचिकाकर्ता महावीर चैक ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट में अपील पेश की थी। याचिका में कहा है, उसके और महिला के बीच अवैध संबंध पहले से थे। आपसी सहमति से महिला ने शारीरिक संबंध स्थापित की थी। पति के सामने आ जाने के बाद झूठी शिकायत दर्ज करा दी गई। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने कहा कि बलात्कार का अपराध नारीत्व का अपमान है। यह संविधान के अनुच्छेद 21 के कई पहलुओं गरिमा, शारीरिक निजता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का खुला उल्लंघन है। यह उसकी गरिमा, शालीनता और सम्मान की जड़ पर चोट करता है। यह अपराध गहरा और स्थायी आघात पहुंचाता है, जिससे उसकी आत्म-सम्मान, स्वायत्तता और आत्मविश्वास टूट जाता है।

डाक्टरों के अभाव से जूझ रहे दो सरकारी सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल, तीसरे का संचालन पीपीपी मोड में

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

गंभीर बीमारी के इलाज के लिए प्रदेश में संचालित तीन सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल में से दो डाक्टरों की समस्या से जूझ रहे हैं और तीसरे का संचालन पीपीपी मोड पर किया जा रहा है। रायपुर का डीकेएस और बिलासपुर का दिलीप सिंह जूदेव हास्पिटल 40 डाक्टरों के भरोसे संचालित हो रहा है, जबकि यहां 135 पद स्वीकृत हैं। सुपर स्पेशलिटी डाक्टरों के अलग कैडर और नियमित भर्ती इसकी बड़ा कारण है।

प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों को अपनी गंभीर बीमारी के इलाज के लिए राजधानी तक का सफर नहीं करना पड़े, इसके लिए बिलासपुर और जगदलपुर में सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल की शुरुआत की गई है। इसमें जगदलपुर के अस्पताल का संचालन करने तेलगांना के हेल्थ ग्रुप से समझौता किया गया है। उनके द्वारा अस्पताल में उपकरणों के साथ मानव संसाधन की व्यवस्था भी की गई है। बिलासपुर और रायपुर के अस्पताल का संचालन स्वास्थ्य विभाग द्वारा किया जा रहा है। यहां मरीजों को जरूरी इलाज की सुविधा तो मिल रही है मगर आवश्यकताओं के हिसाब से वह काफी कम है। दोनों हास्पिटलों में सबसे बड़ी कमी चिकित्सकों की है। वैसे तो सेटअप के हिसाब से दोनों अस्पतालों में डाक्टरों के कुल 135 पद स्वीकृत है। मगर यहां काम करने वालों की संख्या आधे से भी कम है। दोनों अस्पताल कुल 40 डाक्टर काम कर रहे हैं और 95 पद रिक्त पड़े हैं। सूत्रों के मुताबिक इसकी प्रमुख वजह डाक्टरों की सीधी भर्ती का अभाव है। पड़ोसी राज्य यानी मध्यप्रदेश में रिक्त पदों पर सीधी और नियमित भर्ती का अधिकार मेडिकल कालेज के डीन और डीएमई स्तर पर पूरी कर ली जाती है जबकि छत्तीसगढ़ में इसके लिए शासकीय स्तर पर पूरी प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती है। राज्य में अब तक सुपर स्पेशलिटी डाक्टरों का कैडर नहीं बना है इसकी वजह से उन्हें इस हिसाब से सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही है। दोनों हास्पिटल में नियमित डाक्टर के रूप में कुल तीन डाक्टर कार्यरत है और संविदा चिकित्सकों की संख्या 37 है। डीके अस्पताल में तो अक्सर डाक्टरों के नौकरी छोड़ने की समस्या सामने आती है। इसकी वजह डाक्टरों के नियमित नहीं किया जाना है। सूत्रों का कहना है कि नियमितिकरण के अभाव में अगर संलग्नीकरण की प्रक्रिया पूरी की जाती है तो भी पलायन करने वाले डाक्टरों का रोका जा सकता है।

सर्विस टैक्स की कोई देनदारी नहीं बनती है तो रकम टैक्सपेयर को वापस करनी होगी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सर्विस टैक्स रिफंड के बारे में एक फैसले में साफ़ किया है कि अगर किसी मामले में सर्विस टैक्स की कोई देनदारी नहीं बनती है, तो जांच के दौरान जमा की गई रकम टैक्सपेयर को वापस करनी होगी। हाईकोर्ट ने इसके साथ ही सर्विस टैक्स रिफंड का आदेश दिया। यह फैसला टैक्सपेयर दीपक पांडे की याचिका पर दिया गया। हाई कोर्ट ने सर्विस टैक्स अपील को मंजूरी देते हुए, डिपार्टमेंट और कस्टम्स, एक्साइज़ और सर्विस टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल के ऑर्डर को रद्द कर दिया। डिपार्टमेंट और ट्रिब्यूनल ने फाइनेंस एक्ट, 1994 के सेक्शन 102(3) के तहत टाइम लिमिट खत्म होने का हवाला देते हुए रिफंड क्लेम को खारिज कर दिया था। इस मामले की सुनवाई जस्टिस रजनी दुबे और अमितेंद्र किशोर प्रसाद की डिवीजन बेंच ने की।

यह पिटीशन उस ऑर्डर के खिलाफ फाइल की गई थी जिसमें सर्विस टैक्स जांच के दौरान जमा किए गए 14.89 लाख रुपए रिफंड करने से मना कर दिया गया था। टैक्सपेयर ने कोर्ट को बताया कि वह एक रजिस्टर्ड सर्विस टैक्स पेयर है। डिपार्टमेंट ने उसे एक मल्टी-लेवल पार्किंग प्रोजेक्ट से जुड़ी सर्विस टैक्स लायबिलिटी का आरोप लगाते हुए समन जारी किया था। जांच के दौरान, टैक्सपेयर ने 14.89 लाख रुपए जमा किए। रायपुर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने बाद में साफ़ किया कि पार्किंग की सुविधा पब्लिक के फ़ायदे के लिए थी और इसका इस्तेमाल किसी कमर्शियल काम के लिए नहीं किया जा रहा था।

टैक्सपेयर को रिफंड देना सही था

इस साफ़ होने के बाद, डिपार्टमेंट ने जांच बंद कर दी और यह नतीजा निकाला कि इस मामले में कोई सर्विस टैक्स की देनदारी नहीं बनती। हाईकोर्ट ने कहा कि जब डिपार्टमेंट ने खुद ही मान लिया था कि कोई सर्विस टैक्स नहीं देना है, तो जांच के दौरान जमा की गई रकम को रोकने का कोई मतलब नहीं था। इसलिए, टैक्सपेयर को रिफंड देना सही था।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन व स्टेट बार में महिला आरक्षण पर पूर्व एजी ने लिखा पत्र

33% महिला आरक्षण की व्यवस्था की मांग की

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के पूर्व महाधिवक्ता व सीनियर एडवोकेट सतीश चंद्र वर्मा ने हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को पत्र लिखकर हाई कोर्ट बार एसोसिएशन और छत्तीसगढ़ स्टेट बार कौंसिल में 33% महिला आरक्षण की व्यवस्था की मांग की है। पूर्व एजी ने अपने पत्र में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला भी दिया है।

पत्र में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि बार एसोसिएशन की कार्यकारी समितियों में 33% (एक तिहाई) सीटें महिला अधिवक्ताओं के लिए आरक्षित हों। कम से कम एक पदाधिकारी पद (जैसे सचिव या कोषाध्यक्ष) विशेष रूप से महिलाओं के लिए आरक्षित होना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी वाले पदों पर आसीन हों। इसके साथ ही कार्यकारी समिति कुल ईसी सीटों में से न्यूनतम 30% से 33% सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होनी चाहिए। आरक्षित विशिष्ट पदाधिकारी पद प्रत्येक चुनाव चक्र में बदलना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि महिलाओं को सभी नेतृत्व भूमिकाओं में अनुभव प्राप्त हो। पत्र में यह भी लिखा है, यदि आगामी 2026 के चुनाव में कोषाध्यक्ष का पद महिलाओं के लिए आरक्षित किया जाता है, तो सचिव या उपाध्यक्ष का पद अगले कार्यकाल के लिए आरक्षित किया जाना चाहिए, जिससे नेतृत्व का एक प्रगतिशील चक्र सुनिश्चित हो सके।

विदेश विवि में दाखिले के लिए नहीं देनी होगी अतिरिक्त परीक्षाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी में गिनी जाने वाली कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी ने सीबीएसई के छात्रों को बड़ा मौका देने का फैसला लिया है। अब सीबीएसई के कक्षा 12वीं के अंकों के आधार पर कुछ अंडरग्रेज्यूएट कोर्स में एडमिशन के लिए आवेदन किया जा सकेगा। इससे उन छात्रों को राहत मिलेगी, जो भारत में पढ़ाई करने के बाद सीधे विदेश की टॉप यूनिवर्सिटी में दाखिला लेना चाहते हैं। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी ने साफ किया है कि अब सीबीएसई से पढ़ाई करने छात्र भी कुछ स्नातक कोर्स में आवेदन कर सकेंगे। पहले कई विदेशी यूनिवर्सिटी में भारतीय बोर्ड के छात्रों को अतिरिक्त परीक्षाएं देनी पड़ती थीं या अलग योग्यता प्रमाण दिखाना पड़ता था, लेकिन अब यह प्रक्रिया पहले से आसान हो सकती है। यूनिवर्सिटी के मुताबिक, कैम्ब्रिज भारतीय छात्रों के टैलेंट को पहचानता है और उन्हें बेहतर मौके देना चाहता है। हालांकि एडमिशन सिर्फ 12वीं के अंकों के आधार पर नहीं मिलेगा, बल्कि छात्रों को यूनिवर्सिटी की अन्य जरूरी शर्तें भी पूरी करनी होंगी।

बढ़ेगा शैक्षणिक सहयोग

कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी ने भारत के साथ अपने शैक्षणिक रिश्ते को मजबूत करने के लिए कैम्ब्रिज-इंडिया सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज शुरू करने का फैसला लिया है। यह नया सेंटर रिसर्च, टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और नई शिक्षा पद्धतियों पर काम करेगा। इस सेंटर का मकसद भारत की तेजी से बढ़ती नॉलेज इकॉनमी को वैश्विक शिक्षा प्रणाली से जोड़ना है। इसके जरिए भारतीय छात्रों, रिसर्च स्कॉलर्स और शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सीखने और काम करने का मौका मिलेगा।

रिसर्च-इनोवेशन को मिलेगा बढ़ावा

यह सेंटर भारत और ब्रिटेन के बीच शिक्षा और रिसर्च सहयोग को नई दिशा देगा। इस सेंटर के माध्यम से दोनों देशों के वैज्ञानिक, शोधकर्ता और छात्र मिलकर नई खोज और तकनीकी विकास पर काम कर सकेंगे। इस पहल से भारतीय शिक्षा व्यवस्था को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी और छात्रों को आधुनिक रिसर्च सुविधाएं भी मिलेंगी। आने वाले समय में यह सेंटर टेक्नोलॉजी, साइंस और सोशल साइंस जैसे कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकता है।

जिस विषय की परीक्षा, उसके शिक्षक नहीं बन सकेंगे पर्यवेक्षक

20 फरवरी से प्रारंभ होगी माशिम की बोर्ड परीक्षाएं, केंद्राध्यक्षों को दिए गए दिशा-निर्देश

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

10वीं-12वीं की जिस विषय की परीक्षा होगी, उस विषय के शिक्षक उस दिन परीक्षा केंद्र में अपनी सेवाएं नहीं देंगे। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा इसे लेकर दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। माध्यमिक शिक्षा मंडल की बारहवीं की परीक्षाएं 20 फरवरी से तथा दसवीं की परीक्षाएं 21 फरवरी से प्रारंभ हो रही हैं। मंडल ने परीक्षाओं का संचालन सुचारू रूप से करने राज्य के 33 जिलों के समन्वय केन्द्र के केन्द्राध्यक्षों तथा नवीन निर्धारित परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्षों एवं मूल्यांकन केन्द्राधिकारियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण सह-कार्यशाला आयोजित की। माशिम के सभा कक्ष में इसका आयोजन हुआ। इन्हें मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया गया। अब वे अपने स्कूलों के शिक्षकों को इस संदर्भ में प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। प्रथम चरण में समन्वय संस्था के एवं नवीन निर्धारित परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्ष शामिल हुए एवं द्वितीय चरण में समस्त मूल्यांकन केन्द्रों के नियुक्त केन्द्राध्यक्ष मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित हुए।

पर्यवेक्षण कार्य में नहीं ले सकेंगे लिपिक की सेवाएं

मंडल अध्यक्ष रेणु पिल्ले ने कहा, दिव्यांगजन परीक्षार्थियों के लिए भुतल पर बैठक व्यवस्था की जाए। दिव्यांगजनों को दी जाने वाली सुविधाएं जैसे- लेखक व्यवस्था आदि नियमानुसार किए जाएं। परीक्षा दिवस में आयोजित विषय से संबंधित शिक्षकों को पर्यवेक्षक के रूप में सेवाएं नहीं लिए जाने सहित केन्द्र के बाहर गेट में ताला न लगाए जाने निर्देशित किया गया। मंडल सचिव पुष्पा साहू ने निर्देश पुस्तिका का गंभीरता के साथ अवलोकन करते हुए कड़ाई से पालन करने निर्देशित किया। प्रशिक्षण के दौरान परीक्षार्थियों की बैठक व्यवस्था पर विशेष ध्यान देते हुए दो पंक्तियों के मध्य पर्याप्त अंतर रखने की बात कही। परीक्षा कक्ष में पर्याप्त रोशनी, परीक्षा पूर्व तैयारी व परीक्षा समाप्ति पश्चात की कार्यवाही के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए प्रशिक्षित किया गया। सहायक केन्द्राध्यक्ष, पर्यवेक्षक, लिपिक, भृत्य की नियुक्ति नियमानुसार करने कहा गया। पर्यवेक्षण कार्य में लिपिक की सेवाएं नहीं लेने, छात्राओं वाले कक्ष में एक महिला पर्यवेक्षक अनिवार्य रूप से नियुक्त करने कहा गया।

नंदनवन का संचालन रायपुर वनमंडल के हवाले

नंदनवन में अव्यवस्था को लेकर हरिभूमि ने प्रमुखता के साथ खबर प्रकाशित की थी

हरिभूमि न्यूजःरायपुर

नंदनवन पक्षी विहार का संचालन रायपुर वनमंडल को दे दिया गया है। इसके पूर्व नंदनवन का संचालन जंगल सफारी प्रबंधन करता था। नंदनवन में जारी अव्यवस्था को लेकर हरिभूमि ने प्रमुखता के साथ खबर प्रकाशित की थी। इसके बाद वनमंत्री केदार कश्यप तथा क्षेत्रीय विधायक राजेश मूणत नंदनवन पक्षी विहार का जायजा लेने के लिए पहुंचे। इस दौरान वनमंत्री ने नंदनवन का संचालन रायपुर वनमंडल के सुपुर्द करने निर्देश दिए थे।

जारी आदेश के मुताबिक 31 जनवरी 2026 को नंदनवन पक्षी विहार को रायपुर वनमंडल के सुपुर्द करने निर्णय लिया गया है। निर्णय के अनुसार नंदनवन पक्षी विहार के बाड़े में पक्षियों की सुरक्षा, रख-रखाव की जिम्मेदारी रायपुर वनमंडल करेगा। मंत्री ने नंदनवन को नए सिरे से संवारने के निर्देश दिए हैं। प्रारंभिक खर्च के लिए 30 लाख रुपए आबंटित किया गया है।

ग्रामीणों ने किया था विरोध

नंदनवन में चूहों ने सैकड़ों की संख्या में अपने लिए बिल बना लिए हैं। चूहा पक्षियों के दाना चुगने बिल से निकलते हैं। दाना चूगने के दौरान चूहों के कुतरे जाने से कई विदेशी पक्षियों की मौत हो गई थी। चूहों के कुतरने से पक्षियों की मौत होने के बाद सफारी प्रबंधन नंदनवन से विदेशी पक्षियों को शिफ्ट करने की फिराक में था। इस दौरान सफारी प्रबंधन कुछ विदेशी पक्षियों को जंगल सफारी शिफ्ट कर दिया। इस बात की जानकारी मिलने पर ग्रामीण नंदनवन पहुंच जमकर विरोध प्रदर्शन करते हुए पक्षियों को ले जाने से रोका। इसी तरह ग्रामीणों के विरोध के चलते सफारी प्रबंधन नंदनवन से चीतल जंगल सफारी शिफ्ट नहीं कर पाए। नंदनवन के रायपुर वनमंडल में शामिल होने के बाद अब वहां से चीतल जंगल सफारी शिफ्ट कर दिया जाएगा।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

इन किसानों का धान लिया जाएगा

धान खरीदी के अंतिम दिन तक जिन किसानों को टोकन जारी किया गया था, उनमें 12530 को टोकन कैंसल कर दिया गया था।इन किसानों को दो दिन होने वाली खरीदी में शामिल किया जाएगा। साथ ही 10 जनवरी के बाद टोकन के लिए 29, 591 किसानों के धान का भौतिक सत्यापन सही पाए जाने के बाद भी समितियों ने टोकन जारी नहीं किया था। वहीं 7966 ऐसे किसान थे जिन्होंने धान बेचने टोकन के लिए आवेदन लगाया, लेकिन उनके धान का भौतिक सत्यापन नहीं किया गया।अब दो दिन होने वाली खरीदी में उन किसानों का धान खरीदी किया जाएगा।

नारायणपुर में सबसे कम किसान वंचित, तीन श्रेणियों के किसानों को मोका मिलेगा

50 हजार किसान ऐसे, जिनके टोकन कट चुके, पर धान नहीं बिका इनमें महासमुंद में सबसे ज्यादा, आज और कल इनके लिए मौका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

धान खरीदी की अवधि समाप्त होने के बाद राज्य के तकरीबन 50 हजार किसान टोकन कटाने या आवेदन के बाद भी धान नहीं बेच पाए। इनके लिए अब 5 और 6 तारीख को मौका है। गौरतलब है, समर्थन मूल्य पर चल रही धान खरीदी में ऐसे किसान जिनके टोकन कटे थे, उनसे धान खरीदी 5 और 6 फरवरी को करने का निर्णय लिया गया है। तीन प्रकार के किसान इस अतिरिक्त अवधि में धान विक्रय कर सकेंगे। ऐसे किसान, जिनके द्वारा 10 जनवरी के बाद टोकन के लिए आवेदन किया गया, किंतु सत्यापन नहीं हो पाया है, ऐसे किसान, जिनके द्वारा 10 जनवरी के बाद आवेदन किया गया तथा सत्यापन के बाद उनके पास धान पाया ▶▶|शेष पेज 5 पर

महासमुंद में सबसे अधिक, दंतेवाड़ा में सबसे कम

धान खरीदी के लिए सबसे अधिक वंचित किसानों की संख्या महासमुंद जिले के हैं, जहां के किसानों के 5724 टोकन से धान खरीदा जाएगा। दूसरे नंबर में बेमेतरा जिला है जहां पर किसानों के 3860 टोकन से धान खरीदा जाएगा। कवर्धा में 3114 टोकन से खरीदी होगी। दुर्ग जिले में 2692, बलौदाबाजार में 2250, कांकेर में 1776, सूरजपुर में 1490, बिलासपुर में 1147, बलरामपुर में 1107 और रायपुर में 1102 टोकन धारी किसानों को धान बेचने का मौका मिलेगा। वहीं दंतेवाड़ा जिले में सबसे कम 149 और नारायणपुर जिले में 165 टोकन धारी किसानों का धान बेचने का मौका दो दिन मिलेगा।

2.42 लाख टन धान की और खरीदी होगी

राजय सरकार द्वारा लिए निर्णय के बाद 50 हजार से अधिक किसानों से लगभग 2 लाख 42 हजार 569 मीट्रिक टन धान खरीदी हो सकती है। टोकन धारी किसानों के अलावा ऐसे भी किसान हैं जिन्हें धान बेचने टोकन ही नहीं मिला और न ही कोई आवेदन समितियों में दे पाए हैं, ऐसे किसानों को इसका लाभ नहीं मिलेगा।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

शाह के कश्मीर दौरे से पहले श्रीनगर में तलाशी

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के श्रीनगर के आबी गुजर इलाके में सुरक्षा बलों ने बुधवार को अचानक घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया। यह अभियान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के घाटी के निर्धारित दौरे से ठीक तीन दिन पहले हुआ है। सुरक्षा बलों ने आबी गुजर इलाके की ओर जाने वाले सभी प्रवेश और निकास बिंदुओं को सील कर दिया।

कार के नहर में गिरने से दो की मौत

जालौन। यूपी में जालौन जिले में कोट्रा-ऐट मार्ग पर बुधवार को एक मोटरसाइकिल को टक्कर मारने के बाद भागने की कोशिश में कार नहर में गिर गई, जिससे दो लोगों की मौत हो गई। यह घटना सुबह करीब 11:30 बजे करथारा मोड़ के पास हुई। पच्छीपुरा गांव के रहने वाले जितेंद्र (50) और इंद्रपाल (55) किसी काम से कोटरा आए थे और वापस लौट रहे थे, तभी उनकी कार की एक मोटरसाइकिल से टक्कर हो गई।

दुरुपयोग रोकने ढाई करोड़ आधार नंबर निष्क्रिय

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा को बताया कि

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने दुरुपयोग को रोकने के लिए 2.5 करोड़ से अधिक मृत व्यक्तियों के आधार नंबर निष्क्रिय कर दिए हैं।

से कोपनहेगन के लिए सेवा 17 से स्थगित

नई दिल्ली। इंडिगो ने विदेशी परिचालन संबंधी बाधाओं के कारण अपने लंबी दूरी के उड़ान कार्यक्रम में बदलाव करने की घोषणा की। इसके तहत 17 फरवरी से कोपनहेगन के लिए उड़ानों का संचालन स्थगित कर दिया जाएगा। इसके अलावा, एयरलाइन दिल्ली-लंदन हीथ्रो और दिल्ली-मैनचेस्टर मार्गों पर भी उड़ानों की संख्या में कटौती करेगी। उसके बड़े आकार के विमानों को परिचालन से संबंधित बाहरी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

मलकानगिरी 'नक्सल मुक्त' जिला घोषित

मलकानगिरी। ओडिशा का मलकानगिरी जनपद जो कभी नक्सलियों का गढ़ माना जाता था, 21 लाख रुपए के इनामी मओवादी सुखराम मरकाम के पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण के बाद नक्सल-मुक्त जिला घोषित किया गया। मलकानगिरी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) बिनोद पाटिल एच. ने बताया कि प्रतिबंधित भाकपा की क्षेत्र समिति के सदस्य मरकाम ने एक एसएलआर राइफल, गोला-बारूद और अन्य सामान भी पुलिस को सौंपा।

पूर्व सेना प्रमुख की किताब सदन में रखना चाहते थे राहुल, नहीं मिली इजाजत

विपक्ष की महिला सांसदों ने पीएम की कुर्सी को घेरा, जमकर हंगामा, नहीं बोल पाए मोदी

खास बातें

- संसद से सड़क तक हंगामा : लोकसभा में दिनभर चला विरोध
- भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने पं. नेहरू, इंदिरा पर साधा निशाना

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के जवाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रस्तावित संबोधन हंगामे के कारण टाल दिया गया। दिनभर चले विरोध, नारेबाजी और बार-बार स्थगन के बाद शाम को जब कार्यवाही फिर से शुरू हुई, तब हालात और बिगड़ गए। इसके बाद कार्यवाही स्थगित कर दी गई। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, पीएम मोदी डर गए, वहीं भाजपा सांसद ने पलटवार करते हुए कहा कि जनता कांग्रेस को हरा रही है इसलिए वे हमारे संसद को बोलने से रोकना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि देश कांग्रेस से जवाब मांगेगा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

विपक्षी सदस्यों के लगातार हंगामे के कारण बुधवार को लोकसभा की कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद शाम पांच बजे दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण से जुड़े मुद्दे उठाने की अनुमति नहीं मिलने और आठ विपक्षी सदस्यों के निलंबन के मुद्दे पर गतिरोध की स्थिति बनी हुई है। लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब गुरुवार शाम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए जाने की संभावना से जुड़ी खबरों के बीच, पांच बजे सदन की बैठक दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा ▶▶|शेष पेज 5 पर

भाजपा का आरोप, विपक्ष पर गंभीर सवाल

पीएम मोदी का संबोधन टालने पर भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने आरोप लगाया कि यह विरोध पहले से तय योजना के तहत किया गया था। उनका दावा है कि महिला सांसद प्रधानमंत्री की सीट के आसपास घेराव जैसी स्थिति बना रही थीं। उन्होंने कहा कि स्थिति डराने वाली थी और संसदीय कार्य मंत्री कंवल जीत सिंह ढिल्लों की तत्परता से हालात काबू में आए। वहीं, विपक्ष ने इसे लोकतांत्रिक विरोध बताया।

क्या हुआ सदन में, कैसे बढ़ा हंगामा?

सदन में विवाद की शुरुआत उस मुद्दे से हुई जब विपक्ष ने आरोप लगाया कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पूर्व सेना प्रमुख की अप्रकाशित किताब का हवाला देने से रोका गया। इसी मुद्दे पर विपक्षी दल लगातार विरोध कर रहे थे।

पीठासीन सभापति ने कार्यवाही की स्थगित

स्पीकर की जगह पीठासीन सभापति संध्या राय सदन चला रही थीं। उन्होंने व्यवस्था बनाए रखने की अपील की, लेकिन हंगामा जारी रहा। ट्रेजरी बेंच के पास विरोध जारी रहने पर कार्यवाही स्थगित कर दी गई। बाद में कई केंद्रीय मंत्रियों के समझाने पर महिला सांसद वहां से हटीं। लेकिन तब तक प्रधानमंत्री का संबोधन नहीं हो सका और दिन की कार्यवाही खत्म कर दी गई।

राहुल ने क्या कहा?

प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन न होने पर भी नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो साझा कर कहा कि जैसा उन्होंने पहले कहा था, पीएम सदन में नहीं आएंगे क्योंकि वे सच्चाई का सामना नहीं करना चाहते। वीडियो में राहुल गांधी दोपहर के समय यह कहते दिखे कि यदि प्रधानमंत्री आते तो वे उन्हें एक किताब देते और उस पर चर्चा की मांग करते।

इधर, बिट्टू को गद्दार कहकर फंसे राहुल

लोकसभा में लगातार हंगामे के बीच बुधवार को कुछ ऐसा हुआ, जिस पर एक बार फिर से सियासी संग्राम छिड़ गया है। बीजेपी नेता राहुल गांधी पर सिखों के अपमान का आरोप लगाकर उनका इस्तीफा मांग रहे हैं। दरअसल संसद परिसर में राहुल गांधी और केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। संसद भवन के मकर द्वार पर निलंबित सांसदों के साथ प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी बीजेपी सांसद रवनीत सिंह बिट्टू को गद्दार कहकर बुरे फंसे गए हैं। राहुल के रवनीत को गद्दार कहने पर सियासी संग्राम छिड़ गया है. बीजेपी नेता इसे सिखों के अपमान से जोड़ रहे हैं।

संसद में बोली सरकार मार्च 2026 तक खत्म हो जाएगा नक्सलवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि देश में नक्सलवाद मार्च 2026 तक पूरी तरह समाप्त कर दिया जाएगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की 'कतई बर्दाश्त नहीं नीति' के चलते नक्सली हिंसा में तेज गिरावट आई है। प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए राय ने कहा कि भारत में नक्सलवाद की समस्या 1968 से चली आ रही है और दशकों तक इस पर कोई ठोस राष्ट्रीय नीति न होने के कारण यह बनी रही। उन्होंने कहा, भारत मार्च 2026 तक नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा। पहले यह इसलिए समाप्त नहीं हो सका क्योंकि पिछली सरकारें इसे राज्यों की समस्या मानती थीं। 1968 से यह समस्या मौजूद थी और पशुपति से तिरुपति तक एक 'लाल गलियारा' था, जो आंतरिक ▶▶|शेष पेज 5 पर

5 साल में मारे गए 1149

राय के अनुसार, 2019 से अब तक 1,149 नक्सली मारे गए, 7,409 को गिरफ्तार किया गया और 5,880 ने आत्मसमर्पण किया। उन्होंने कहा, इन परिणामों से स्पष्ट है कि नक्सलवाद अब समाप्ति की ओर है।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल पर कही यह बात

इस दौरान कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने पूरक प्रश्न पूछते हुए कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी सरकार से लेकर मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संप्रग सरकारों तक सभी ने नक्सलवाद समाप्त करने की दिशा में काम किया। उन्होंने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली पिछली कांग्रेस सरकार ने भी वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ केंद्र सरकार ▶▶|शेष पेज 5 पर

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक हुई शुरू

रेपो दर को यथावत रखने की संभावना

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने बुधवार को द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा पर विचार-विमर्श शुरू कर दिया। यह बैठक अर्थव्यवस्था में वृद्धि पर केंद्रित आम बजट और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा की पृष्ठभूमि में हो रही है, जिससे बाजार की धारणा मजबूत हुई है। मौद्रिक नीति समिति का फैसला शुक्रवार सुबह गवर्नर मल्होत्रा द्वारा घोषित किया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना कि भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले फरवरी से अब तक प्रमुख नीतिगत दर रेपो में 1.25 प्रतिशत अंक की कटौती कर दी है और चूंकि फिलहाल न तो वृद्धि और न ही मुद्रास्फीति के मोर्चे पर कोई बड़ी चिंता है, इसलिए इस बार दरों में यथास्थिति बनाए रखी जा सकती है। रिपोर्ट में कहा गया, ''हमारा यह भी मानना है कि आरबीआई ने अब ब्याज दरों में कटौती करना बंद कर दिया है, लेकिन वह अपने तरलता प्रावधानों का सावधानीपूर्वक प्रबंधन करना जारी रखेगा।

उधारी लागत कम करने एक और कटौती संभव

हालांकि, कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि उधारी लागत को और कम करने के लिए केंद्रीय बैंक एक और दर कटौती कर सकता है। बीओएफए ग्लोबल रिसर्च की एक रिपोर्ट में कहा गया कि आरबीआई का दर कटौती चक्र फिलहाल समाप्त होता दिख रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि व्यापार समझौते से विकास को लेकर निश्चितता बढ़ेगी और उच्च आवृत्ति संकेतकों में दिख रहा मौजूदा सकारात्मक रुझान आगे भी बना रह सकता है।

सन फार्मा ने तीन साल के लिए आरसीबी से की साझेदारी

सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज ने बुधवार को कहा कि उसने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ वर्ष 2026 सत्र से शुरू होने वाले तीन साल की अवधि के लिए प्रमुख प्रायोजक और स्वास्थ्य साझेदार के रूप में साझेदारी की है। कंपनी ने बयान में कहा कि यह साझेदारी मुंबई स्थित दवा कंपनी का क्रिकेट प्रायोजन में पहला कदम है, जो उसकी कॉरपोरेट ब्रांड यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। सन फार्मा के प्रबंध निदेशक, कीर्ति गनोरकर ने कहा, ''आरसीबी और सन फार्मा दोनों अपने-अपने क्षेत्रों में अगुवा हैं, और यह सहयोग निरंतरता, जुनून और नवाचार के हमारे साझा मूल्यों को दर्शाता है।'' उन्होंने कहा कि इस साझेदारी के जरिये सन फार्मा का लक्ष्य पूरे भारत में लोगों के साथ अपने कॉरपोरेट ब्रांड संपर्क को मजबूत करना है, उन्हें उस

एक साल बाद मणिपुर में राष्ट्रपति शासन खत्म, खेमचंद नए सीएम

एजेंसी ▶▶| इंफाल

- लोकभवन में नए सीएम, डिप्टी सीएम ने ली शपथ

भाजपा नेता वाई खेमचंद सिंह ने बुधवार को मणिपुर के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने 62 वर्षीय सिंह को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। कुकी समुदाय से ताल्लुक रखने वालीं भाजपा विधायक नेमचा किपगेन और नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के विधायक एल. डिखो ने मणिपुर के उप मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। किपगेन ने नयी दिल्ली स्थित मणिपुर भवन से ऑनलाइन माध्यम से शपथ ली।

मेइती और कुकी में टकराव

पिछले साल नौ फरवरी को मेइती और कुकी समुदायों के बीच महीनों तक जारी रही जातीय हिंसा के बाद बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने इस्तीफे दे दिया था, जिसके बाद मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाया गया था।

ताइक्वांडो में ब्लैक बैल्ट धारक

मणिपुर के मुख्यमंत्री के तौर पर बुधवार को शपथ लेने वाले युमनाम खेमचंद सिंह (62) दो बार से भाजपा विधायक हैं। लंबे समय तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी रहे हैं। वह संगठन पर ध्यान केंद्रित करने वाले नेता माने जाते हैं और उन्होंने राज्य में महत्वपूर्ण संवैधानिक और मंत्री पदों पर काम किया है। राजनीति के अलावा ताइक्वांडो से उनका लंबा जुड़ाव रहा है।

दो महीने का परीक्षण के बाद शुभारंभ

देश का पहली सहकारी टैक्सी सेवा ऐप आज पेश करेंगे शाह

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह गुरुवार को 'भारत टैक्सी', देश के पहले सहकारिता आधारित कैब सेवा मंच का दो महीने के सफल प्रायोगिक परीक्षण के बाद शुभारंभ करेंगे। इस सेवा का लक्ष्य दो साल के भीतर सभी राज्यों और शहरों में विस्तार करना है। मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसायटीज़ एक्ट, 2002 के तहत पंजीकृत और छह जून, 2025 को स्थापित किया गया है।

एक मंच पर तीन लाख से ज़्यादा ड्राइवर

तीन लाख से ज़्यादा ड्राइवर इस मंच से जुड़े हैं, एक लाख से ज़्यादा लोगों ने पंजीकरण कराया है। दिल्ली-एनसीआर और गुजरात में रोज़ाना 10,000 से ज़्यादा राइड पूरी हो रही हैं। अब तक ड्राइवरों को सीधे लगभग 10 करोड़ रुपए बांटे जा चुके हैं। यह मंच ड्राइवरों - जिन्हें 'सारथी' कहा जाता है - के लिए स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना बीमा, सेवानिवृत्ति बचत को प्राथमिकता देता है।

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में की गयी थी रेमो की पहली तैनाती

खेल-खेल में बारूद की पहचान करना सीखते हैं आईटीबीपी के कुत्ते

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

वह सिर्फ तीन महीने का था जब उसे पहली बार 'वर्दी' वाले इंसानों के बीच लाया गया। न उसे सरहदों का पता था, न बारूद की गंध का, लेकिन आज वही 'रेमो' (कुत्ते का परिवर्तित नाम) भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) का वह जांबाज योद्धा है, जिसके लिए बारूद का पता लगा लेना महज एक खेल है। रेमो की कहानी सेना के उन सैकड़ों 'कॉम्बैट डॉग्स' की एक झलक है, जिन्हें खेल-खेल में मौत को मात देने का हुनर सिखाया जाता है। रेमो के हैंडलर ने बताया कि रेमो की पहली तैनाती छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में की गयी थी।

संवेदनशील बम मिलने पर बैंठ जाते हैं कुत्ते

अगर कुत्ता विस्फोटक देखकर भौंकने लगे, तो आवाज की तरंगों से कुछ संवेदनशील बम फट सकते हैं। इसलिए कुत्तों को सिखाया जाता है कि गंध मिलते ही वह चुपचाप वहां बैठ जाएं। उन्हें यह सिखाया जाता है कि वे बम से निर्धारित दूरी पर बैठें। उनके बैठने से हैंडलर को संकेत मिल जाता है कि वहां बम हो सकता है।/'' जवान ने कहा, /''कुत्ता इस दुनिया का सबसे वफादार प्राणी है।

कुत्ते का 'बिहेवियर टेस्ट'

बेसिक ट्रेनिंग के बाद कुत्ते का 'बिहेवियर टेस्ट' और क्षमता परीक्षण किया जाता है। इसी के आधार पर तय किया जाता है कि किस कुत्ते को विस्फोटक की पहचान, नशीले पदार्थों की पहचान, ट्रैकिंग (अपराधियों का पता लगाना) या गार्ड ड्यूटी के लिए तैयार किया जाएगा। एक कुत्ते को केवल एक ही तरह का विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है।

बेल्जियम मेलिनोइस नस्ल

आईटीबीपी में विस्फोटक की पहचान के लिए बेल्जियम मेलिनोइस नस्ल के कुत्तों को प्राथमिकता दी जाती है। जवान ने बताया, यह नस्ल बेहद फुर्तीली होती है और जल्दी थकती नहीं है, इसलिए कठिन परिस्थितियों और लंबे ऑपरेशन के लिए इन्हें उपयुक्त माना जाता है। पहले लैब्राडोर नस्ल के कुत्तों का भी इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन फील्ड ड्यूटी में बेल्जियम मेलिनोइस ज्यादा प्रभावी साबित हुए हैं। हालांकि, अब देशी नस्ल के कुत्तों को भी सेना में शामिल किया जा रहा है। जवान ने यह भी बताया कि अगर कोई कुत्ता उम्र या स्वास्थ्य संबंधी कारणों से ड्यूटी करने में असमर्थ नजर आता है तो चिकित्सीय परीक्षण के बाद उसे सेवानिवृत्त कर, कुत्तों के लिए समर्पित स्थान पर रखा जाता है जहां आईटीबीपी द्वारा इनकी देखभाल की जाती है।

चिंतन

बच्चों की मोबाइल गतिविधियों पर अभिभावक रखें पैनी नज़र

आज के डिजिटल युग ने बच्चों की दुनिया को जितना आसान बना दिया है, उतना ही जटिल भी कर दिया है। मोबाइल फोन, टैबलेट और इंटरनेट आज बच्चों की पढ़ाई, मनोरंजन और संवाद का अहम हिस्सा बन चुके हैं, लेकिन यही तकनीक जब नियंत्रण से बाहर हो जाती है, तो बच्चों के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास के लिए गंभीर खतरा बन जाती है। ऐसे में माता-पिता की भूमिका केवल मोबाइल दिलाने तक सीमित नहीं रह जाती, बल्कि बच्चों की डिजिटल गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखना उनकी जिम्मेदारी बन जाती है। आजकल साफ तौर पर देखा जा रहा है कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम बच्चों में चिड़चिड़ापन, एकाग्रता में कमी, नींद की समस्या और सामाजिक अलगाव को जन्म दे रहा है। लंबे समय तक मोबाइल पर गेम खेलने या सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वाले बच्चे परिवार और दोस्तों से कटने लगते हैं। वे वास्तविक दुनिया की गतिविधियों से दूरी बना लेते हैं, जिससे उनका भावनात्मक और सामाजिक विकास प्रभावित होता है। यही वजह है कि विशेषज्ञ लगातार सलाह दे रहे हैं कि बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम की स्पष्ट और सख्त सीमा तय की जाए। हाल ही में गाजियाबाद में तीन सगी बहनों की आत्महत्या की घटना ने पूरे समाज को झकझोर दिया। 12, 14 और 16 साल की इन बच्चियों को कोरियाई लवर गेम की लत थी। बताया गया कि वे स्कूल तक छोड़ चुकी थीं और हर गतिविधि एक साथ करती थीं। सुसाइड नोट में लिखा गया "सॉरी मम्मी-पापा, गेम नहीं छोड़ पाएंगे।" यह घटना एक कड़वी सच्चाई को उजागर करती है कि डिजिटल लत किस हद तक बच्चों को अपनी गिरफ्त में ले सकती है। ऐसे में माता-पिता के लिए सबसे पहला कदम है समय सीमा निर्धारित करना। बच्चों के मोबाइल उपयोग के लिए प्रतिदिन का समय फिक्स होना चाहिए। इसके साथ-साथ गूगल फैमिली लिंक जैसे पेरेंटल कंट्रोल ऐप्स का इस्तेमाल कर स्क्रीन टाइम को सीमित किया जा सकता है और यह जाना जा सकता है कि बच्चे मोबाइल पर क्या देख रहे हैं। निगरानी के साथ-साथ संवाद भी उतना ही जरूरी है। बच्चों को केवल डांटना या मोबाइल छीन लेना समाधान नहीं है। खुलकर बातचीत करने से बच्चे अपनी समस्याएं साझा करते हैं और गलत डिजिटल कंटेंट से दूर रहने के लिए खुद को तैयार करते हैं। बच्चों को मोबाइल से दूर रखने का सबसे कारगर तरीका है उन्हें बेहतर विकल्प देना। आउटडोर खेल, किताबें, संगीत, चित्रकला और अन्य रचनात्मक गतिविधियां बच्चों के लिए न केवल मनोरंजन का साधन हैं, बल्कि उनके व्यक्तित्व विकास में भी सहायक हैं। जब बच्चों को सकारात्मक और रोचक विकल्प मिलते हैं, तो वे खुद-ब-खुद मोबाइल से दूरी बनाने लगते हैं। आज सबसे बड़ा खतरा मोबाइल पर खेले जाने वाले कुछ ऑनलाइन गेम्स से जुड़ा है। ब्लू व्हेल चैलेंज, मोमो चैलेंज, कोरियाई लवर गेम, पबजी और ब्लैकआउट चैलेंज जैसे टास्क-बेस्ड गेम्स बच्चों को मानसिक रूप से इतना प्रभावित कर देते हैं कि वे जानलेवा कदम उठाने तक के लिए प्रेरित हो जाते हैं। मोमो चैलेंज डर और धमकी के जरिए बच्चों को जानलेवा काम करने को मजबूर करता है। चोकिंग गेम और ब्लैकआउट चैलेंज जैसी चुनौतियां भी सोशल मीडिया के जरिए फैल रही हैं। अगर समय रहते हम सतर्क हो गए, तो कई मासूम जिंदगियों को बचाया जा सकता है।

भारत-अमेरिका डील
महेन्द्र तिवारी

वैश्विक राजनीति को मिली नई दिशा

भारत और अमेरिका के बीच हाल में हुए व्यापारिक समझौते ने केवल दो देशों की नीतियों को ही नहीं बदला, बल्कि वैश्विक राजनीति के समीकरणों को भी नई दिशा दी है। जिस अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने कार्यकाल के दौरान आयात शुल्क को हथियार बनाकर पूरी दुनिया को चेतावनी दी थी, वही ट्रंप अचानक भारत के मामले में नरम पड़ते दिखाई दिए। जिन शुल्कों को उन्होंने पहले पचास प्रतिशत तक पहुंचा दिया था, उन्हें घटाकर अठारह प्रतिशत पर लाना कोई सामान्य फैसला नहीं था। आने वाले वर्षों में भारत और अमेरिका के बीच सहयोग और गहरा हो सकता है। उभरती तकनीकों, रक्षा उत्पादन और निवेश के क्षेत्रों में नए रास्ते खुलेंगे।

भारत और अमेरिका के बीच हाल में हुए व्यापारिक समझौते ने केवल दो देशों की नीतियों को ही नहीं बदला, बल्कि वैश्विक राजनीति के समीकरणों को भी नई दिशा दी है। जिस अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्डट्रंप ने अपने कार्यकाल के दौरान आयात शुल्क को हथियार बनाकर पूरी दुनिया को चेतावनी दी थी, वही ट्रंप अचानक भारत के मामले में नरम पड़ते दिखाई दिए। जिन शुल्कों को उन्होंने पहले पचास प्रतिशत तक पहुंचा दिया था, उन्हें घटाकर अठारह प्रतिशत पर लाना कोई सामान्य फैसला नहीं था। यह बदलाव न तो अचानक हुआ और न ही एकतरफा दबाव का परिणाम था। इसके पीछे भारत की एक सधी हुई, दूरदर्शी और संतुलित कूटनीति काम कर रही थी, जिसने अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश को भी बातचीत की मेज पर सम्मान के साथ बैठने को मजबूर कर दिया। ट्रंप की राजनीति हमेशा आक्रामक रही है। उनका मानना रहा कि आर्थिक दबाव के जरिए ही किसी देश को झुकाया जा सकता है। सत्ता में आते ही उन्होंने चीन के साथ व्यापार युद्ध छेड़ दिया और उसी क्रम में भारत को भी निशाने पर लिया। भारत पर यह आरोप लगाया गया कि वह विदेशी वस्तुओं पर बहुत अधिक कर लगाता है और अमेरिकी कंपनियों को उचित अवसर नहीं देता। इसी सोच के तहत भारत को विशेष व्यापारिक सुविधा की सूची से बाहर कर दिया गया, जिससे भारतीय निर्यातकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इस फैसले से दवाइयों, कपड़ों, रत्नों और कृषि उत्पादों पर अतिरिक्त बोझ पड़ा और भारत के लिए अमेरिकी बाजार कठिन हो गया। भारत ने इस दबाव को चुपचाप स्वीकार नहीं किया। उसने जवाबी कदम उठाए और अमेरिका से आने वाले कई उत्पादों पर कर बढ़ा दिए। इससे अमेरिका के किसान और उद्योगपति प्रभावित हुए। बादाम, सेब और अन्य कृषि उत्पादों के निर्यात पर असर पड़ा। यह संकेत साफ था कि भारत केवल सुनने वाला देश नहीं है, बल्कि अपने हितों की रक्षा करना जानता है। इसके बावजूद भारत ने टकराव की भाषा नहीं अपनाई। उसने संवाद के दरवाजे खुले रखे और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत साबित हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति का मूल आधार संतुलन रहा है। न तो किसी के आगे झुकना और न ही अनावश्यक टकराव। इसी नीति के तहत भारत ने अमेरिका के साथ रणनीतिक सहयोग बढ़ाया। सुरक्षा, रक्षा उत्पादन, तकनीक और निवेश के क्षेत्र में साझेदारी को मजबूत किया गया। भारत ने यह संदेश स्पष्ट रूप से दिया कि वह केवल एक बाजार नहीं, बल्कि भरोसेमंद साझेदार है। अमेरिका की बड़ी कंपनियों को भारत में निवेश के अवसर दिए गए, उत्पादन को बढ़ावा देने वाली योजनाओं के माध्यम से उद्योगों को आकर्षित किया गया और नौकरशाही अड़चनों को कम करने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए। इन सभी प्रयासों का असर तब दिखा जब ट्रंप ने खुद स्वीकार किया कि प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत के बाद उन्होंने अपने रुख पर पुनर्विचार किया। यह कोई साधारण फोन वार्ता नहीं थी, बल्कि वर्षों की रणनीति और विश्वास का परिणाम थी। ट्रंप जैसे नेता, जो आमतौर पर सार्वजनिक रूप से किसी की प्रशंसा नहीं करते, उन्होंने मोदी को प्रभावशाली और सम्मानित नेता बताया। यह बदलाव केवल शब्दों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि नीतियों में भी दिखाई दिया। नए व्यापारिक

समझौते के तहत भारत और अमेरिका दोनों ने एक दूसरे को राहत दी। भारत ने कुछ कृषि उत्पादों पर शुल्क कम करने का संकेत दिया, जबकि अमेरिका ने भारतीय इस्पात, कपड़ा और दवा उद्योग को बड़ी राहत दी। इससे भारत के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और लाखों लोगों के रोजगार सुरक्षित होंगे। दवा उद्योग के लिए यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारतीय दवाइयाँ सस्ती और प्रभावी मानी जाती हैं और अमेरिका में उनकी मांग लगातार बढ़ रही है। इस पूरे घटनाक्रम में एक बड़ा सवाल यह भी उठा कि क्या अमेरिका से बढ़ती नजदीकी का असर भारत के रूस के साथ संबंधों पर पड़ेगा। यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यूक्रेन युद्ध के बाद रूस से सस्ता तेल खरीदने के कारण भारत पश्चिमी देशों की आलोचना के केंद्र में रहा है। भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देते हुए रूस से तेल खरीद जारी रखी, जिससे उसे अरबों रुपये की बचत हुई और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हुई। अमेरिका ने इस पर असंतोष जरूर जताया, लेकिन कोई ठोस प्रतिबंध नहीं लगाया। रूस की ओर से भी यह स्पष्ट किया गया कि भारत के साथ उसके संबंधों में कोई बदलाव नहीं आया है। रूसी नेतृत्व ने कहा कि भारत एक भरोसेमंद रणनीतिक साझेदार है और दोनों देशों का सहयोग आगे भी जारी रहेगा। रक्षा क्षेत्र में चल रही परियोजनाएं, मिसाइल प्रणालियों की आपूर्ति और सैन्य सहयोग पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यह प्रतिक्रिया इस बात का प्रमाण है कि भारत ने अपनी कूटनीति में संतुलन बनाए रखा है और किसी एक खेमे में खुद को सीमित नहीं किया है। आज़ादी के बाद से ही भारत ने गुटनिरपेक्षता और रणनीतिक स्वायत्तता का रास्ता चुना है। भारत अपने फैसले स्वयं करता है, दबाव में नहीं। अमेरिका के साथ व्यापारिक समझौता भी इसी सोच का परिणाम है। इसमें न तो आत्मसमर्पण है और न ही टकराव, बल्कि आपसी लाभ का रास्ता है।

इस समझौते का असर केवल भारत और अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था में भी इसके सकारात्मक संकेत दिखाई देंगे। जब दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं सहयोग का रास्ता चुनती हैं, तो बाजारों में स्थिरता आती है। निवेशकों का भरोसा बढ़ता है और विकास को गति मिलती है। भारत के लिए यह अवसर है कि वह खुद को विश्व उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित करे और वैश्विक आपूर्ति शृंखला में अपनी भूमिका मजबूत करे। हालांकि चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। डिजिटल कर, बौद्धिक संपदा अधिकार और आंकड़ों की सुरक्षा जैसे मुद्दों पर मतभेद बने हुए हैं। भारत को सावधानी से आगे बढ़ना होगा ताकि घरेलू हितों की अनदेखी न हो। विदेशी कंपनियों को अवसर देते समय यह सुनिश्चित करना होगा कि देश के कानूनों और संप्रभुता से कोई समझौता न हो। राजनीतिक दृष्टि से भी यह समझौता महत्वपूर्ण है। इससे यह संदेश जाता है कि भारत अब केवल प्रतिक्रिया देने वाला देश नहीं, बल्कि वैश्विक नीतियों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की यह एक बड़ी परीक्षा थी, जिसमें वे सफल दिखाई देते हैं। ट्रंप का नरम रुख इस बात का संकेत है कि भारत की बात अब सुनी जाती है। आने वाले वर्षों में भारत और अमेरिका के बीच सहयोग और गहरा हो सकता है। उभरती तकनीकों, रक्षा उत्पादन और निवेश के क्षेत्रों में नए रास्ते खुलेंगे। साथ ही रूस के साथ ऊर्जा और रक्षा सहयोग भी जारी रहेगा। भारत दोनों शक्तियों के साथ अपने हितों के अनुसार संबंध बनाए रखेगा। अंततः यह कहानी बदलती दुनिया में समझदारी भरी कूटनीति की है। यह दिखाती है कि शोर मचाने से नहीं, बल्कि संवाद और संतुलन से बड़े फैसले लिए जाते हैं। भारत ने यही रास्ता चुना है और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत बनकर उभर रहा है।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

विचार
राजीव श्रीवास्तव

चित्रोत्पला फिल्म सिटी : सपना बड़ा है, शुरुआत संवेदनशील होनी चाहिए

छत्तीसगढ़ में चित्रोत्पला फिल्म सिटी का निर्माण राज्य के सांस्कृतिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। यह परियोजना न केवल फिल्म निर्माण से जुड़ी है, बल्कि इससे छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और रचनात्मक पहचान को राष्ट्रीय मंच मिलने की संभावना भी जुड़ी हुई है। ऐसे में इस परियोजना की हर शुरुआत, हर प्रतीक और हर निर्णय का सांस्कृतिक अर्थ भी होता है। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान सामने आया विवाद इसी संवेदनशीलता की ओर संकेत करता है, जिसे केवल औपचारिक प्रतिक्रिया देकर टालना उचित नहीं होगा।

जब अपनी ही जमीन पर कलाकार हाशिये पर हों

यदि छत्तीसगढ़ के नाम पर बन रही फिल्म सिटी के पहले सार्वजनिक आयोजन में स्थानीय कलाकार, रंगकर्मी और छत्तीसगढ़ी सिनेमा से जुड़े लोग स्वयं को उपेक्षित महसूस करें, तो यह केवल एक आयोजन की त्रुटि नहीं, बल्कि सोच में आई दूरी का संकेत है। बॉलीवुड कलाकारों के कट-आउट और प्रतीकों के बीच छत्तीसगढ़ की अपनी सांस्कृतिक उपस्थिति का कमजोर दिखना यह प्रश्न खड़ा करता है कि— क्या हम विकास की दौड़ में अपनी जड़ों को पीछे छोड़ते जा रहे हैं?

संस्कृति आयोजन नहीं, सहभागिता मांगती है

अपने प्रशासनिक अनुभव के आधार पर मैं यह स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूँ कि संस्कृति विभाग का कार्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं होता, बल्कि कलाकारों के आत्मसम्मान और भागीदारी को सुनिश्चित करना होता है। कलाकार मंच नहीं मांगते, वे यह महसूस करना चाहते हैं कि— वे इस परियोजना का हिस्सा हैं,

केवल दर्शक नहीं। यदि चित्रोत्पला फिल्म सिटी वास्तव में छत्तीसगढ़ की है, तो उसकी पहली तस्वीर में छत्तीसगढ़ी कलाकारों की केंद्रीय भूमिका स्वाभाविक होनी चाहिए थी।

सरकार की मंशा और ज़मीनी अपेक्षाएं

सरकार और आयोजन से जुड़े पक्षों ने यह कहा है कि सभी को साथ लेकर चलने की मंशा है और किसी को जानबूझकर नज़रअंदाज़ नहीं किया गया। इस आश्वासन का स्वागत किया जाना चाहिए।

लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि आने वाले समय में—स्थानीय कलाकारों की निर्णायक भागीदारी

छत्तीसगढ़ी फिल्मों और रंगमंच के लिए ठोस नीति प्रशिक्षण, प्रोत्साहन और मंच के स्थायी प्रावधान

स्पष्ट रूप से दिखाई दें। क्योंकि सांस्कृतिक विश्वास शब्दों से नहीं, कार्यवाही से बनता है।

चित्रोत्पला : नाम के साथ जिम्मेदारी

चित्रोत्पला केवल एक आधुनिक फिल्म सिटी का नाम नहीं है। यह छत्तीसगढ़ की उस सांस्कृतिक स्मृति का प्रतीक है, जहाँ लोककला, शिल्प और रचनात्मकता पीढ़ियों से जीवित रही है। इस नाम के साथ यह जिम्मेदारी भी जुड़ी है कि फिल्म सिटी की आत्मा स्थानीय हो और दृष्टि वैश्विक।

अंततोगत्वा मैं यह कहना चाहता हूं कि....

चित्रोत्पला फिल्म सिटी छत्तीसगढ़ के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। लेकिन यदि इसकी नींव में संवेदनशीलता और संवाद की कमी रही, तो भव्य संरचनाएं भी सांस्कृतिक रूप से अधूरी रह जाएंगी। आलोचना को विरोध नहीं, समय रहते मिला संकेत समझना चाहिए। क्योंकि संस्कृति में संकेतों की अनदेखी, सबसे महंगी भूल होती है।

(पूर्व आयुक्त, संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन)

ईश्वर की प्राप्ति ही तो जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य है

संकलित
दर्शन

गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने ईश्वर प्राप्ति के तीन -ज्ञान, कर्म तथा भक्ति मार्ग बताए हैं। ज्ञान मार्ग में सांख्य की सहायता से मनुष्य तर्क-वितर्क द्वारा तत्व ज्ञान प्राप्त करने की कोशिश करता है, परंतु अक्सर तर्क-वितर्क में वह अपने मार्ग से भटक जाता है। कर्म मार्ग में भी मनुष्य को निष्काम भाव से कर्म करना होता है। अपने कर्म को ईश्वर को समर्पित करना पड़ता है। इसलिए इसमें भी भटकने की पूरी संभावना होती है। वहीं भक्ति मार्ग में वह अपने आप को पूर्णतया ईश्वर भक्ति में समर्पित कर देता है। वह स्वयं को विचलित नहीं करता है। इसलिए भक्ति मार्ग में ईश्वर प्राप्ति की पूरी संभावना होती है। इन तीनों मार्गों पर चलकर सफल होने के लिए मनुष्य को अष्टांग योग के पहले दो चरणों को जीवन में अपनाना जरूरी है। यह हैं यम और नियम। यम में सत्य, अहिंसा, ब्रह्माचर्य, अस्तेय और अपरिग्रह आते हैं। सत्य शब्द से तात्पर्य है सत्यता का जीवन में हर समय पालन करना। अहिंसा केवल जीव हिंसा से ही संबंधित नहीं है, इसमें दूसरों की भावनाओं को आहत नहीं करना भी आता है। अस्तेय का अर्थ है चोरी न करना और अपरिग्रह से तात्पर्य है कि आवश्यकता से ज्यादा किसी वस्तु या धन का संग्रह न करना। वहीं नियम में शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर-प्राणिधान आते हैं। शौच से मतलब मन की सफाई होता है। इसके लिए मनुष्य को स्वाध्याय को अपनाना चाहिए। यम और नियम को जीवन में अपनाने के लिए सर्वप्रथम ज्ञानेंद्रियों पर नियंत्रण करना जरूरी है।

आखिर कर्म ही महान है

संकलित
प्रेरणा

एक बार बुद्ध एक गांव में अपने किसान भक्त के यहां गए। शाम को किसान ने उनके प्रवचन का आयोजन किया। बुद्ध का प्रवचन सुनने के लिए गांव के सभी लोग उपस्थित थे, लेकिन वह भक्त ही कहीं दिखाई नहीं दे रहा था। गांव के लोगों में कानाफूसी होने लगी कि कैसा भक्त है कि प्रवचन का आयोजन करके स्वयं गायब हो गया। प्रवचन खत्म होने के बाद सब लोग घर चले गए। रात में किसान घर लौटा। बुद्ध ने पूछाः कहां चले गए थे? गांव के सभी लोग तुम्हें पूछ रहे थे। किसान ने कहा, दरअसल प्रवचन की सारी व्यवस्था हो गई थी, पर तभी अचानक मेरा बैल बीमार हो गया। पहले तो मैंने घरेलू उपचार करके उसे ठीक करने की कोशिश की, लेकिन जब उसकी तबीयत ज्यादा खराब होने लगी तो मुझे उसे लेकर पशु चिकित्सक के पास जाना पड़ा। अगर नहीं ले जाता तो वह नहीं बचता। आपका प्रवचन तो मैं बाद में भी सुन लूंगा। अगले दिन सुबह जब गांव वाले पुनः बुद्ध के पास आए तो उन्होंने किसान की शिकायत करते हुए कहा, यह तो आपका भक्त होने का दिखावा करता है। प्रवचन का आयोजन कर स्वयं ही गायब हो जाता है। बुद्ध ने उन्हें पूरी घटना सुनाई और फिर समझाया, उसने प्रवचन सुनने की जगह कर्म को महत्व देकर यह सिद्ध कर दिया कि मेरी शिक्षा को उसने बिल्कुल ठीक ढंग से समझा है। उसे अब मेरे प्रवचन की आवश्यकता नहीं है। मैं यही तो समझाता हूं कि अपने विवेक और बुद्धि से सोचो कि कौन सा काम पहले किया जाना जरूरी है।

तोतों का जोड़ा

मोरीगांव के पोबितोरा वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी में बुधवार को टूरिस्ट हाथी की सवारी करते हुए।

आज की पाती

उचित खानपान व जीवनशैली की जरूरत

कैंसर से बचने और इसके बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पिछले कुछ वर्षों से दुनियाभर में विश्व कैंसर दिवस, 4 फरवरी को मनाया जाता आ रहा है। दुनिया में ही नहीं, बल्कि हमारे देश में भी इसके मरीजों की संख्या बढ़ी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार हमारे देश में कैंसर के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। कुछ समय पहले हमारे देश में 11 लाख से ज्यादा कैंसर के नए मामले सामने आए, जबकि 7 लाख 84 हजार 800 लोगों की मौत कैंसर से हुई। हमारे देश में कैंसर के बढ़ते आंकड़े चिंताजनक है। अगर इसके लिए जल्दी से जल्दी चिंतन नहीं किया गया और गंभीरता नहीं दिखाई गई तो यह हमारे देश के लिए और भी मुसीबत बन सकता है। उचित खानपान व जीवनशैली की जरूरत है।

- राकेश गुप्ता, रायगढ़

ट्रेंड

ऐतिहासिक व्यापार समझौता

भारत और अमेरिका के बीच हुआ ऐतिहासिक व्यापार समझौता देश और विशेषकर हमारे राजस्थान के लिए प्रगति के नए द्वार खोलने वाला है। इस कदम से ज्वेलरी, हैंडीक्राफ्ट, गारमेंट और स्टोन इंडस्ट्री के लिए वैश्विक बाजार के द्वार खुलेंगे, जिससे निर्यात में वृद्धि होगी।

- **भजनलाल, सीएम, राजस्थान**

सवालों का जवाब दे केंद्र

केंद्रीय भाजपा सरकार विपक्ष नेता राहुल गांधी द्वारा उठाए गए सवालों से क्यों डर रही है? सरकार को सदन के सदस्यों के सवालों का जवाब देने और राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक हितों से जुड़े मामलों पर स्पष्टता प्रदान करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

- **एम.के. स्टालिन, सीएम, तमिलनाडु**

दिल्ली असुरक्षित क्यों

दिल्ली में सिर्फ 15 दिन में 807 लोग गायब हो गए, ये हालात सामान्य नहीं, बेहद डराने वाले हैं। राजधानी में लोगों की सुरक्षा भगवान भरोसे छोड़ दी गई है। दिल्ली में हर स्तर पर बीजेपी के पास पूरी ताकत है, फिर भी दिल्ली इतनी असुरक्षित क्यों है ?

-**अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली**

जनता के लिए हानिकारक

ये डील नहीं, ढील है। भाजपा की उल्टी गणित से जनता फिर पूछ रही है : ज़ीरो बड़ा या अठारह, इस देश में कोई भी डील जो 70 फीसदी कृषि आधारित जनता के लिए हानिकारक है वो कभी लाभकारी साबित नहीं हो सकती है।

- **अखिलेश यादव, सांसद, सपा**

करंट अफेयर

जिल बाइडन के पूर्व पति पर पत्नी की हत्या का आरोप

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की पत्नी जिल बाइडन के पूर्व पति पर दिसंबर के अंत में डेलावेयर स्थित घर में अपनी पत्नी की हत्या करने का आरोप लगाया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विलमिंगटन निवासी विलियम स्टीवेन्सन (77) का जिल बाइडन से वैवाहिक रिश्ता 1970 से 1975 तक चला था। डेलावेयर के अटॉर्नी जनरल की प्रवक्ता कैरोलिन हैरिसन ने फोन पर बातचीत में पुष्टि की कि स्टीवेन्सन, जिल बाइडन के पूर्व पति हैं। पूर्व राष्ट्रपति और भूतपूर्व प्रथम महिला के कार्यालय के प्रवक्ता द्वारा ईमेल के माध्यम से दिए गए जवाब के अनुसार, जिल बाइडन ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हत्या के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार किए जाने के बाद पांच लाख अमेरिकी डॉलर की जमानत राशि जमा करने में विफल रहने के कारण स्टीवेन्सन जेल में ही है। उन पर 28 दिसंबर को 64 वर्षीय लिंडा स्टीवेन्सन की हत्या का आरोप है। विज्ञप्ति के अनुसार, रात 11 बजे के बाद घरेलू विवाद की सूचना पर पुलिस को घर बुलाया गया और उन्होंने बैठक कक्ष में एक महिला को बेहोश पाया। लिंडा स्टीवेन्सन के शोक संदेश के मुताबिक, वह व्यवसाय करती थी और उन्हें परिवार-उन्मुख मां और दादी बताया गया है।

ऑफ बीट

आधा अरब क्षुद्रग्रह सूर्य की परिक्रमा कर रहे

क्षुद्रग्रह हमारे सौर मंडल के निर्माण के बाद बचे चट्टानों के टुकड़े हैं। चार मीटर से अधिक व्यास वाले लगभग आधा अरब क्षुद्रग्रह सूर्य की परिक्रमा करते रहते हैं, जो हमारे सौर मंडल से लगभग 30 किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से गुजरते हैं – लगभग पृथ्वी के समान गति से। ज्यादातर मामलों में, सबसे छोटे क्षुद्रग्रह पृथ्वी के वायुमंडल से टकराने पर काफी हद तक टूट जाते हैं, और सतह तक भी नहीं आ पाते हैं। जब एक छोटा क्षुद्रग्रह (या उल्कापिंड, क्षुद्रग्रह से छोटी वस्तु) पृथ्वी के वायुमंडल से टकराता है, तो यह एक चमकीला 'आग का गोला' बन जाता है – एक शूटिंग स्टार या उल्का का एक बहुत लंबे समय तक चलने वाला और उजला संस्करण। यदि वस्तु का कोई बचा हुआ टुकड़ा जमीन से टकराता है, तो उसे उल्कापिंड कहा जाता है। अधिकांश वस्तु वायुमंडल में जल जाती है। प्रति वर्ष एक बार, औसतन, चार मीटर का क्षुद्रग्रह पृथ्वी की सतह से टकराता है। यदि आपने उस सतह क्षेत्र को दोगुना कर दिया, तो आपको प्रति वर्ष दो मिलेंगे। पृथ्वी की त्रिज्या 6,400 किमी है। दोगुने सतह क्षेत्रफल वाले एक गोले की त्रिज्या 9,000 किमी है। तो, प्रति वर्ष लगभग एक बार, चार मीटर का क्षुद्रग्रह पृथ्वी की सतह के 2,600 किमी के भीतर आएगा – 9,000 किमी और 6,400 किमी के बीच का अंतर।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

लीबिया के तानाशाह गद्दाफी के बेटे की गोली मारकर हत्या

ट्राइपोलि। लीबिया के पूर्व नेता मुअम्मर गद्दाफी के बेटे सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी की उनके घर पर अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी है। सैफ अल-इस्लाम के कार्यालय द्वारा मंगलवार को जारी एक बयान के मुताबिक, उनके घर में घुसे चार अज्ञात बंदूकधारियों के साथ हुई 'सीधी मुठभेड़' के दौरान वे मारे गए। अल अरबिया के मुताबिक, गद्दाफी परिवार ने बताया कि यह हत्या उस वक्त हुई, जब सैफ अल-इस्लाम अपने बगीचे में मौजूद थे, हमलावरों ने उन पर गोलियां चलाईं और तुरंत मौके से फरार हो गए। मुअम्मर गद्दाफी के उत्तराधिकारी माने जाने वाले सैफ अल-इस्लाम ने एक दशक तक कैद और गुमनामी में रहने के बाद राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की कोशिश की थी। हालांकि, वे किसी आधिकारिक पद पर नहीं थे, लेकिन अपने पिता के चार दशक लंबे शासन के दौरान उन्हें देश का सबसे ताकतवर शख्स माना जाता था।

पहली बार किसी सीएम ने दी सुप्रीम कोर्ट में दलील

एसआईआर पर ममता ने कहा- 'मी लार्ड, हमें निशाना बनाया जा रहा'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) पर सुनवाई हुई। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। खास बात है कि सुनवाई के दौरान बनर्जी खुद कोर्ट रूम में मौजूद रहीं। इस दौरान उन्होंने वकीलों के अलावा खुद भी अपनी बात रखी। बनर्जी ने कोर्ट में कहा कि में पश्चिम बंगाल को निशाना बनाया जा रहा है। बनर्जी ने तर्क देते हुए कहा कि जब असम और अन्य उत्तरी राज्य, जहां चुनाव होने वाले हैं, वहां एसआईआर नहीं कराया जा रहा, तो फिर सिर्फ पश्चिम बंगाल में ही यह प्रक्रिया क्यों अपनाई जा रही है? मामले में सुनवाई करते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि हम सोमवार को सुनवाई करेंगे । चुनाव आयोग बनर्जी की याचिका पर जवाब दे। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से जवाब देने को कहा है। सोमवार को अगली सुनवाई होगी।

खास बातें

- सीजेआई बोले- हम सोमवार को करेंगे सुनवाई
- ममता ने चुनाव आयोग को 'व्हाट्सएप आयोग' कहा

ममता ने दिया तर्क

बनर्जी ने एसआईआर पर सवाल उठाते हुए कहा कि शादी के बाद कोई लड़की अपने ससुराल गई है। उसके सरनेम में बदलाव हो गया तो उनको भी नोटिस भेजा गया है। बनर्जी ने कहा कि हमें न्याय नहीं मिल रहा । हमने 6 लेटर चुनाव आयोग को लिखा लेकिन कोई जवाब नहीं दिया। कहा कि मैं न्याय के लिए कहां जाऊं? बनर्जी ने आधार कार्ड का भी ज़िक किया। इस पर सीजेआई ने बनर्जी को संबोधित करते हुए कहा कि आधार कार्ड के बारे में हम फिलहाल कुछ नहीं बोल सकते। क्योंकि कोर्ट ने इस पर लंबी सुनवाई की है। नाम में गलती या स्पेलिंग को लेकर जो आपकी शिकायत है, उस पर हम चुनाव आयोग से पूछेंगे। बनर्जी ने चुनाव आयोग को 'व्हाट्सएप आयोग' कहा और कहा कि चुनाव आयोग व्हाट्सएप के माध्यम से अनौपचारिक आदेश जारी कर रहा था।

पहली बार ये मौका

बता दें कि यह ऐतिहासिक मौका था। एक किसी राज्य की मुख्यमंत्री देश की सबसे बड़ी अदालत में देश के मुख्य न्यायाधीश से चुनाव आयोग की शिकायत कर रही थीं। एसआईआर पर बनर्जी के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से जवाब देने को कहा है। सोमवार को अगली सुनवाई होगी।

32 लाख मतदाता सूचीबद्ध नहीं- बंगाल सरकार

मामले में सीएम ममता बनर्जी का पक्ष रखने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने न्यायालय से याचिकाकर्ता के संक्षिप्त नोट पर विचार करने का आग्रह किया और बताया कि इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए केवल चार दिन शेष हैं। उन्होंने कहा कि 32 लाख मतदाता सूचीबद्ध नहीं हैं, 1.36 करोड़ नाम तार्किक विसंगति सूची में हैं, और 63 लाख मामलों की सुनवाई अभी लंबित है। उन्होंने यह भी बताया कि 8,300 सूक्ष्म पर्यवेक्षकों को नियुक्त किया गया है, जो संविधान के तहत परिकल्पित श्रेणी नहीं है। दीवान ने आगे कहा कि निवास प्रमाण पत्र, आधार और ओबीसी प्रमाण पत्र सहित कई स्वीकृत दस्तावेजों को अस्वीकार किया जा रहा है, जिससे लोगों को चार से पांच घंटे तक कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है।

केंद्र और एनबीईएमएस को मिला सुप्रीम नोटिस

नीट पीजी कटऑफ पर्सेंटाइल मामला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नीट-पीजी 2025 के क्वालिफाइंग कट-ऑफ पर्सेंटाइल में किए गए संशोधन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक जनहित याचिका पर सुनवाई की। इस याचिका पर सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार और नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज को नोटिस भेजकर उनसे जवाब मांगा है। जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने इस मामले की अगली सुनवाई की तारीख 6 फरवरी निर्धारित की है। एनबीईएमएस की ओर से ऐसा इसलिए किया गया था ताकि कम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी भी स्नातकोत्तर मेडिकल सीट के लिए काउंसलिंग के तीसरे राउंड में शामिल हो सकें।

याचिका में क्या दी गई दलील?

अब कई दिनों के बाद सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका सामाजिक कार्यकर्ता हरिशरण देवगन, डॉ. सौरव कुमार, डॉ. लक्ष्य मित्तल और डॉ. आकाश सोनी ने दाखिल की थी। याचिका में तर्क दिया गया कि स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा में न्यूनतम योग्यता मानकों में कमी मनमाना, असंवैधानिक और संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 का उल्लंघन है।

लॉरेंस गैंग के शुभम लोंकर के साथ मिलकर रची साजिश

रोहित शेट्टी फायरिंग केस में कामयाबी 4 गिरफ्तार, आरोपियों की हुई पहचान

एजेंसी ▶▶| मुंबई

मुंबई के जुहू स्थित फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के घर पर 1 फरवरी 2026 को हुई फायरिंग के मामले में मुंबई पुलिस और क्राइम ब्रांच को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने इस सनसनीखेज वारदात के मुख्य शूटर की पहचान कर ली है और उसकी गिरफ्तारी के लिए कई टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। इस घटना के बाद से रोहित शेट्टी की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। जानकारी के मुताबिक, फायरिंग की जिम्मेदारी बिश्नोई गैंग से जुड़े लोगों ने ली है। पहले रोहित शेट्टी के घर पर केवल दो पुलिसकर्मी तैनात थे, लेकिन हमले के बाद उनकी निजी सुरक्षा और घर के आसपास सुरक्षा और भी कड़ी

कर दी गई है। अब तक इस केस में एक दर्जन से ज्यादा लोगों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। पुलिस ने इस केस में अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें आदित्य ज्ञानेश्वर गायकी (19), सिद्धार्थ दीपक येनपुरे (20), समर्थ शिवशरण पोमाजी (18) और स्वप्निल बंडू सकट (23) शामिल हैं।

अल्ट्रा-मॉडर्न हथियार से की गई फायरिंग

क्राइम ब्रांच की जांच में खुलासा हुआ है कि शूटर ने फायरिंग के लिए अल्ट्रा-मॉडर्न कंट्री मेड हथियार का इस्तेमाल किया था। इस दौरान 7.62mm की कुल पांच गोलियां चलाई गईं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि ये गोलियां 7.62×51एमएम थीं या 7.62×39एमएम, क्योंकि इस तरह की गोलियां आमतौर पर राइफल और मशीनगन में इस्तेमाल होती हैं और तेज रफ्तार व गहरी मार के लिए जानी जाती हैं।

उधमपुर में सेना का बड़ा एक्शन

ग्रेनेड से गुफा उड़ाकर जैश के दो आतंकी का एनकाउंटर

एजेंसी ▶▶| उधमपुर

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में बुधवार को सुरक्षाबलों ने जैश-ए-मोहम्मद के दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया। दोनों आतंकवादी गुफा में छिपे हुए थे। सेना ने गुफा को ग्रेनेड से विस्फोट कर उड़ा दिया। एनकाउंटर का वीडियो भी सामने आया है। इसके बाद एक आतंकवादी का शव गुफा के बाहर था, जबकि दूसरे आतंकी का शव गुफा के अंदर काफी गहराई में मिला। इस ऑपरेशन में जैस का टॉप कमांडर रुबानी उर्फ अबू माविया भी मारा गया। वो इलाके में कई साल से सक्रिय था। मुठभेड़ मंगलवार को शाम 4 बजे शुरू

हुई थी। सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के पास से एम4 कार्बाइन, एके-47 असॉल्ट राइफल और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया है। उधर, किश्तवाड़ के ही चतरू इलाके में बुधवार शाम को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच एनकाउंटर हुआ। इसमें भी एक आतंकी को सेना ने मार गिराया।

ऑपरेशन का नाम था 'किया'

व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सीआईएफ डेल्टा, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ का यह जॉइंट आपरेशन था। इसके तहत इलाके की घेराबंदी की गई। इसे ऑपरेशन 'किया' नाम दिया गया। मुठभेड़ मंगलवार को शाम 4 बजे शुरू हुई। आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग की। करीब एक घंटे तक चली मुठभेड़ के दौरान एक आतंकी को गोली लगी, लेकिन वह अपने साथी के साथ गुफा के अंदर जाकर छिप गया। मंगलवार शाम करीब 7:30 बजे आतंकियों ने अंधेरे का फायदा उठाकर गुफा से बाहर निकलने की कोशिश की। इस दौरान फिर से फायरिंग हुई और तेज धमाकों की आवाज सुनी गई। इसके बाद अतिरिक्त सुरक्षाबलों को इलाके में भेजा गया और घेराबंदी और कड़ी कर दी गई। सुरक्षा बलों ने बुधवार को आतंकियों पर यूबीजीएलएस (अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर) का इस्तेमाल किया।

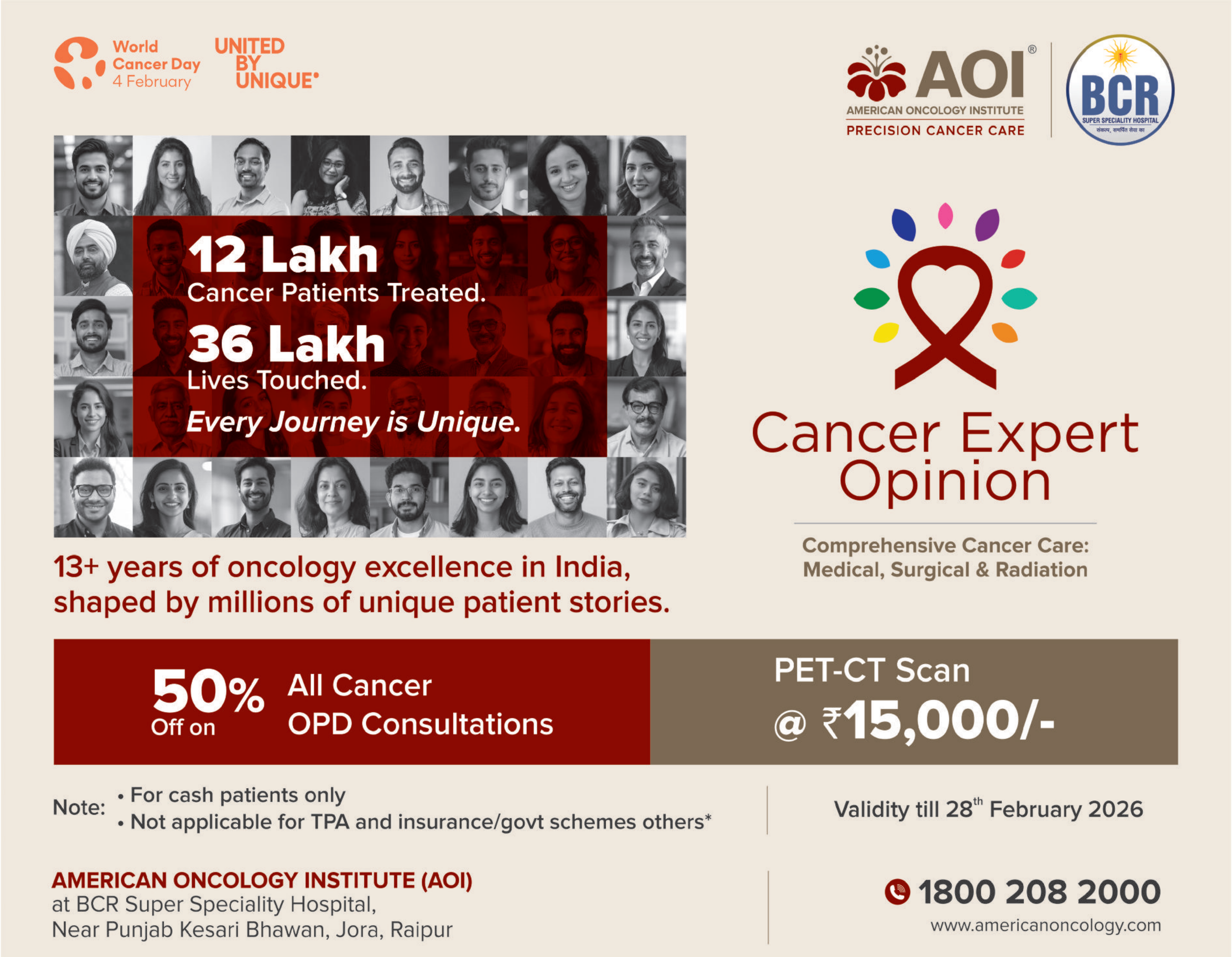

जब सताए साइटिका का दर्द

कमर के निचले हिस्से से पैरों तक जाने वाली नस जब दबने लगती है तो साइटिका का असहनीय दर्द होता है। इस समस्या से बचने और इसके उपचार के बारे में कई कारगर उपाय आयुर्वेद में बताए गए हैं।

आयुर्वेद

डॉ. संजना शर्मा

आयुर्वेदिक विशेषज्ञ, दिल्ली

साइटिका ऐसी समस्या है, जो व्यक्ति की रोजमर्रा की गतिविधियों को भी प्रभावित करता है। व्यक्ति को कमर के निचले हिस्से से नीचे पैरों तक असहनीय दर्द रहता है। बैठने पर पैरों में सुन्नपन आने लगता है। लेटने पर दर्द ज्यादा महसूस होता है। लेकिन जब व्यक्ति चलता है, तो शरीर गर्म होने लगता है और धीरे-धीरे साइटिका का दर्द कम होने लगता है।

रोग का कारण: हमारी रीढ़ की हड्डी कई छोटी-छोटी कशेरूकाओं से बनी होती है। कमर के हिस्से में एल-4, एल-5, एस-1, एस-2, एस-3 कशेरूकाएं होती हैं। इनके बीच एक नरम डिस्क होती है, जो झटकों से बचाने का काम करती है। साथ ही इनके बीच से बहुत पतली नसें निकलती हैं, जो आगे जाकर आपस में मिल जाती हैं और साइटिका नर्व बनाती हैं। यह नर्व हमारे कूल्हों से शुरू होकर दोनों पैरों में नीचे तक जाती है। आयुर्वेद में साइटिका को गृध्रसी रोग कहा जाता है और इसे वातजन्य रोगों की श्रेणी में रखा गया है। यह समस्या मुख्य रूप से बढ़े हुए वात दोष और दूषित कफ दोष के कारण उत्पन्न होती है। शरीर में वात दोष बढ़ने के कारण रीढ़ की नसें कमजोर होने लगती हैं, उनमें ऐंठन या दवाब बढ़ जाता है और गृध्रसी रोग उत्पन्न होता है। शरीर में बढ़ा हुआ वात डिस्क के अंदर मौजूद छल्लों के बीच के फ्लूड को सुखा देता है। यह फ्लूड लगभग 80 प्रतिशत पानी और 20 प्रतिशत प्रोटीन, कैल्शियम से बना होता है। फ्लूड सूखने के कारण छल्ले आपस में टकराने लगते हैं। उनके बीच की जगह खत्म हो जाती है और किसी न किसी नस पर दबाव पड़ने लगता है। जब नस दबती है, तो पूरे पैर में दर्द शुरू हो जाता है।

इन्हें है अधिक रिस्क: जिन लोगों के शरीर में वात यानी वायु अधिक बनती है या जिनकी नसें और मांसपेशियां कमजोर होती हैं, उन्हें साइटिका और कमर दर्द की समस्या ज्यादा होती है। इसके अलावा कुछ और कारण भी जिम्मेदार हैं।

- बहुत ज्यादा एक्सरसाइज करना या फिर शारीरिक गतिविधियां बिल्कुल न करना।
- बहुत देर तक खड़े रहना या लंबे समय तक एक ही जगह बैठे रहना।
- भारी वजन उठाने या गिरने की वजह से डिस्क का खिसकना या फिर डिस्क का अपनी सीध से बाहर निकल जाना।
- डिस्क दबने से कशेरूकाओं के बीच का गैप कम हो जाना या ज्यादा बढ़ जाना।
- वात बढ़ाने वाले आहार (जैसे-बींस, अंकुरित अनाज, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ, सूखा और ठंडा भोजन या फिर कड़वे और कसैले रस वाले पदार्थ) का सेवन अधिक करना।

क्या है उपचार: सबसे जरूरी है शरीर से अतिरिक्त वात को बाहर निकालना। आयुर्वेद में इसके समाधान के कुछ उपाय बताए गए हैं-

- रोजाना एक चम्म्च मेथी के दाने (रात में भिगोए या लड्डू बनाकर) का सेवन करें। मेथी दाने वात दोष को संतुलित करने में मदद करते हैं, नसों को मजबूती देते हैं और कमर दर्द, साइटिका और जोड़ों के दर्द में धीरे-धीरे आराम पहुंचाते हैं।
- कुचले लहसुन की कलियों को दूध में उबालें और गुनगुना होने पर थोड़ा शहद मिलाकर पिएं। रोज रात सोने से 1 घंटा पहले कम से कम 20 दिन तक पिएं। लहसुन में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो साइटिका नर्व की सूजन को कम करते हैं।
- लिक्विड शिलाजीत की 3-4 बूंदें दूध में मिलाकर 15 दिन तक पिएं। शिलाजीत हड्डियों और नसों को मजबूत करता है।
- सुबह खाली पेट एक गिलास गुनगुने पानी में आधा चम्मच घर की पिसी हल्दी मिलाकर धीरे-धीरे छोटे-छोटे घूंट लेकर पिएं।
- बड़ी इलायची, दालचीनी, लौंग, गुड़ से बना काढ़ा वात और कफ दोष को संतुलित करता है। हड्डियों को मजबूत करता है और नसों को खोलता है। खाली पेट सेवन करना फायदेमंद है।
- भीगी-दरदरी पिसी उड़द दाल को भून लें। कद्दूकस किया हुआ सूखा नारियल, इलायची पावडर, पिसा गुड़ मिलाकर लड्डू बनाएं। खाली पेट या दिन में 1-2 लड्डू खाएं। उड़द की दाल नसों और मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करने में मददगार है। सूखा नारियल हड्डियों और जोड़ों के लिए बेहद लाभकारी है।
- भुने-दरदरा पिसे तिल और कद्दूकस किए गुड़ में थोड़ा-सा पकाकर बने लड्डू वात संतुलन के लिए बहुत ही लाभकारी हैं।
- हल्दी को सुखाकर पीस लें। 1 चम्मच हल्दी पावडर और 1 चम्मच तिल का तेल मिलाकर पेस्ट बनाएं और दर्द वाली जगह पर हल्के हाथ से दिन में दो बार मालिश करें। हल्दी नसों की मरम्मत में मदद करती है।

रखें ध्यान: साइटिका के दर्द से बचने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना फायदेमंद है। जैसे-रोज व्यायाम करें। सही पॉश्चर में बैठें। एक जगह देर तक न बैठें या खड़े न रहें। शरीर में पानी की कमी न होने दें। यथासंभव वातवर्धक खाद्य पदार्थों के सेवन से परहेज करें जैसे- दही, फूलगोभी, भिंडी, ठंडी, तली-भुनी और मसालेदार चीजें, खट्टी चीजें। *

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

हालांकि कई स्थानों पर अभी सर्दी पड़ रही है। लेकिन जल्द ही आने वाले दिनों के मौसम में बदलाव होने लगेगा। बदलते हुए मौसम वाले इस महीने के लिए आपको अपना हेल्थ और फिटनेस रूटीन रीस्टार्ट करने की जरूरत होती है। ऐसा करना क्यों जरूरी है और इसे शेड्यूल करते समय किन बातों का ध्यान रखें, यहां डिटेल में बता रहे हैं।

ऐसे बनाएं बदलते मौसम का हेल्थ-फिटनेस शेड्यूल

हेल्थ सजेशन

रेखा देशराज

साल का दूसरा अंग्रेजी महीना फरवरी केवल कैलेंडर का एक पन्ना नहीं होता बल्कि जीवनशैली को रीसेट करने का मौका भी होता है। दरअसल, इस महीने में देश के ज्यादातर हिस्से में मौसम सर्वाधिक अनुकूल होता है। न बहुत सर्दी होती है और न बहुत गर्मी होती है, सिवाय हिमालयन रेंज के प्रदेशों को छोड़कर। इसलिए यह महीना फिटनेस की आदतें बनाने और उन्हें मजबूत करने का महीना भी माना जाता है। अगर आने वाले एक माह को सही ढंग से प्लान किया जाए, तो पूरे साल सेहत की नींव मजबूत रह सकती है। इसलिए आइए जानें कि इस महीने में किस तरह अपनी हेल्थ-फिटनेस रूटीन को रीस्टार्ट करके सही डायरेक्शन में लाना चाहिए।

तय करें फिटनेस टार्गेट

सबसे पहले तो यह तय कर लें कि आने वाले दिनों में फिटनेस के लिए क्या जरूरी लक्ष्य रखें, ताकि हेल्थ संबंधी अधिकतम फायदा उठाया जा सके। फिटनेस के मुख्य लक्ष्य कुछ इस प्रकार हो सकते हैं-

- शरीर की जकड़न को खत्म करना।
- स्टेमिना बढ़ाना और बरकरार रखना।
- सर्दियों में बढ़े वजन को नियंत्रित करना।
- इम्यूनिटी मजबूत करना।
- गर्मी के लिए शरीर को तैयार करना।

इसलिए रीस्टार्ट करना है लाभकारी

बदलते हुए मौसम के दिनों में अपने हेल्थ-फिटनेस को रीस्टार्ट करना इसलिए जरूरी है क्योंकि सर्दियों में शरीर सुस्त हो जाता है। खान-पान भारी रहता है और गतिविधियां कम या बिल्कुल कम रहती हैं। लेकिन मिड फरवरी से शरीर उस सुस्ती से बाहर निकलने लगता है। धूप में हल्की गमाईश आ जाती है। सुबह जल्दी रोशनी दिखती है और दिन में अधिक वर्कआउट करने पर तो पसीना भी आने लगता है। ऐसे में एक्सरसाइज शुरू करना तुलनात्मक रूप से न सिर्फ आसान बल्कि ज्यादा फायदेमंद भी होता है। लेकिन यह ध्यान रखें कि इस महीने में एकदम से एक्सरसाइज का टफ रूटीन न अपनाएं। बजाय इसके इस महीने में धीरे-धीरे फिर से एक्सरसाइज की आदत डालें और जैसे-जैसे दिन बीतें उसे तेज करते चलें। ऐसा करने से यह महीना, साल का शानदार फिटनेस मंथ बनकर उभरता है। दरअसल फरवरी का महत्व इसलिए है कि इसमें शुरुआत करना आसान और एक्सरसाइज में सुधार के साथ निरंतरता कायम करना बेहतर रहता है। लेकिन रीस्टार्ट के समय कभी बहुत ज्यादा समय तक जिम न करें। इससे फायदे की जगह नुकसान हो सकता है। इस महीने में एक्सरसाइज के छोटे-छोटे लक्ष्य तय करें और कोशिश करें कि उनमें नियमितता रहे। अगर हर दिन 30 मिनट भी दिए जाएं तो बहुत उपयोगी रहेगा।

एक्सरसाइज रूटीन हो ऐसा

इस मंथ के लिए आप अपना एक्सरसाइज रूटीन कुछ इस तरह का बना सकते हैं-

- मॉर्निंग वॉक करें, जिसमें हल्की जॉगिंग भी शामिल हो। इसके लिए 30-40 मिनट तक तेज-तेज चलें और सप्ताह में तीन दिन पांच से लेकर दस मिनट तक इस वॉकिंग में तेज जॉगिंग को भी जोड़ें।
- इस मौसम में एक्सरसाइज के लिए सबसे आदर्श जगह खुले पार्क, छत या धूप वाली कोई बेहतर जगह होती है। इससे हार्ट हेल्थ बेहतर होता है। फैट बर्न होता है और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के लिए भी शरीर तैयार होता है। एक हफ्ते की मॉर्निंग वॉक और जॉगिंग के बाद अगले हफ्ते तीन दिन स्ट्रेंथ ट्रेनिंग भी करनी चाहिए।
- घर पर किए जाने वाले बेसिक अभ्यास में 15-15 स्क्वेट तीन बार। 10-10 पुशअप्स, तीन बार। प्लेंक, 30-30 सेकेंड तीन बार। इस स्ट्रेंथ ट्रेनिंग से मसल्स मजबूत होती हैं। अगर इस ट्रेनिंग के साथ-साथ इसमें योग और स्ट्रेचिंग को भी मिला लें, हर दिन सिर्फ 20 मिनट तो समझिए और भी फायदेमंद होगा। योग और स्ट्रेचिंग के लिए हर दिन सूर्य नमस्कार 8 से 12 राउंड के अलावा भुजंगासन, ताड़ासन, वज्रासन, पवनमुक्त आसन, फायदेमंद होते हैं। इनसे शरीर का लचीलापन बढ़ता है और जोड़ों की अकड़न खत्म होती है।
- ब्रीदिंग एक्सरसाइज करना न भूलें। इसके लिए 10 मिनट अनुलोम-विलोम करें और 5 मिनट कपालभाती करें। इससे फेफड़े मजबूत होते हैं और इम्यूनिटी बेहतर होती है।

सीजन के अनुसार डाइट प्लान

हेल्दी-फिट रहने के लिए केवल एक्सरसाइज करना पर्याप्त नहीं होता है। इसके लिए न्यूट्रीशस डाइट प्लान फॉलो करना भी जरूरी होता है। इसके लिए फरवरी के महीने में शरीर को हैवी से लाइट डाइट की तरफ शिफ्ट करना चाहिए। इन दिनों के लिए डाइट प्लान कुछ इस तरह से बनाएं-

- मौसमी सब्जियां जैसे गाजर, चुकंदर, पत्तागोभी और पालक को अपनी नियमित डाइट में शामिल करें।
- फलों में संतरा, अमरूद और पपीता का सेवन करना बहुत लाभकारी है।
- इस महीने में प्रोटीन के लिए दाल, दही, पनीर को जरूर शामिल करें। अगर नॉनवेज खाते हैं तो अंडा भी खा सकते हैं।
- इस बदलते मौसम में शरीर के लिए साबुत अनाज खाना भी फायदेमंद होता है। खासकर ओट्स, ब्राउन राइस और बाजरा जरूर खाना चाहिए।
- अच्छी डाइट के साथ यह जानना भी जरूरी है कि इन दिनों क्या चीजें न खाएं या कम खाएं? तली-भुनी चीजें, ज्यादा मीठा, पैकेज्ड स्नैक्स और देर रात खाने से बचना चाहिए।

याद रखें, सीजन के अनुसार डाइट में सुधार करना, फिटनेस रीस्टार्ट का सबसे कारगर स्टेप होता है।

इस माह वजन कैसे घटाएं

सर्दियों के मौसम में अधिक भोजन करने और वर्कआउट में कमी से अकसर लोगों का वजन बढ़ जाता है। फरवरी में आमतौर पर इसे कम करने की प्रक्रिया शुरू होती है। क्योंकि फरवरी के लास्ट में बदन से पसीना निकालना आसान होता है, फरवरी में दिसंबर और जनवरी महीनों के मुकाबले मूवमेंट करना सहजता से संभव होता है। लेकिन ये सब फायदे तभी मिल सकते हैं, जब आप भूख नियंत्रित करें और खाने के तीन जरूरी नियमों का पालन करें। मसलन, रात का खाना शाम 6 से 7 बजे तक हर हाल में खा लें। रोज कम से कम 8 से 10 हजार कदम चलें। मीठे पेय जितना संभव हो बंद कर दें और शरीर के साथ-साथ मानसिक फिटनेस के लिए हर दिन पांच मिनट ध्यान जरूर लगाएं। साथ ही सुबह के समय धूप का सेवन करें और अपने स्क्रीन टाइम को घटाएं।

आसान है हेल्थ मेंटेन करना

वैज्ञानिक दृष्टि से फरवरी माह के बदलते मौसम में आप अपनी फिटनेस दुरुस्त कर सकते हैं। क्योंकि इस माह के मिड से लास्ट आते-आते देश के ज्यादातर हिस्सों में आमतौर पर तापमान 15 से 25 डिग्री के बीच रहने लगता है, जो शारीरिक गतिविधियों के लिए आदर्श तापमान होता है। कई रिसर्च बताती हैं कि मध्यम तापमान में व्यायाम करने से हार्ट रेट स्थिर रहता है और चोट का जोखिम भी कम होता है। इसलिए सर्दियों के मुकाबले गुलाबी सर्दी वाले इस महीने में हेल्थ और फिटनेस को मेंटेन रखना आसान होता है। *

हेल्थ के लिए अधिक लाभकारी पेड़ पर लगने वाली सब्जियां

डाइट

राजकुमार 'दिनकर'

हालांकि सभी सब्जियों और फलों में अलग-अलग स्वास्थ्यवर्धक गुण होते हैं। लेकिन वनस्पति वैज्ञानिकों के अनुसार पेड़ पर लगने वाली सब्जियां चूंकि कम पानी, ज्यादा धूप और गहरी जड़ों से खूब सारे खनिज खींचने की क्षमता रखती हैं, इसलिए इन सब्जियों में खनिज तत्व, एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइबर की मात्रा, जमीन के भीतर या उसकी सतह पर लगने वाली सब्जियों से काफी ज्यादा होती है। ऐसी ही कुछ सब्जियों के बारे में जानिए।

सहजन: सहजन या मोरिंगा, जिसकी फलियां पेड़ पर लगती हैं, में विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन बी6, कैल्शियम, पोटेशियम की काफी ज्यादा मात्रा पाई जाती है। सहजन की पत्तियों को सुपरफूड माना जाता है, क्योंकि इससे ब्लड शुगर कंट्रोल होती है। शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है। थायरॉइड और एनीमिया में फायदा होता है।

कटहल: कटहल को प्लांट बेस्ड मीट भी कहते हैं। इसमें प्रोटीन, पोटेशियम और फाइबर की भरपूर मात्रा होती है। कच्चा कटहल पाचन के लिए अच्छा होता है, क्योंकि इसमें शुगर बहुत कम होती है, जबकि इसका बीज आयरन से भरपूर होता है। एनीमिया से ग्रस्त लोगों के लिए यह बीज बहुत फायदेमंद होता है। कटहल में पेट भरा रखने वाला फाइबर भी काफी मात्रा में होता है, जिससे हमारा वजन नियंत्रित रहता है।

केले का फूल: बनाना ब्लॉसम यानी केले के फूल को सबसे अच्छा हार्मोनल बैलेंसर माना जाता है। यह महिलाओं के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होता है। इसमें आयरन, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं। इसके सेवन से डायबिटीज, पाचन और पीसीओडी को नियंत्रण में रखने में मदद मिलती है।

कंदाल: कंदाल यानी ब्रेड फ्रूट, ऊर्जा और फाइबर का भंडार होती है। इसमें उच्च स्तर का स्टार्च होता है, जो तुरंत ऊर्जा देता है। इसमें अच्छी क्वालिटी का फाइबर मिलता है, जिससे कोलन की सफाई होती है। यह ग्लूटेन फ्री होता है। *

इन दिनों मौसम में तेजी से बदलाव हो रहा है। किसी समय तेज ठंडी तो किसी समय तापमान सामान्य हो जाता है। ऐसे में बीमार होने से बचने के लिए आप कुछ योगासनों का रोज अभ्यास कर सकते हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

बदलते मौसम के रोगों से बचाएंगे ये योगासन

योगोपचार

संध्या रानी

हालांकि कुछ राज्यों में सर्दी का प्रकोप बना हुआ है लेकिन कई स्थानों पर मौसम बदलने लगा है। ठिठुरन कम होने लगी है। ऐसे में लापरवाही बरतना आपको बीमार कर सकता है। इसलिए शरीर को गर्म रखना जरूरी है। इसके लिए योग से बेहतर कोई दूसरा सरल कारगर माध्यम नहीं है। कुछ आसन आपके दिमाग के साथ-साथ शरीर को भी पूरे दिन फ्रेश और गर्म रख सकते हैं। हालांकि इस मौसम में आलस और थकान भी बनी रहती है। इसलिए बदलते मौसम के साथ अपने खान-पान पर भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। जो शरीर को गर्म रखने में सहायक हो। शरीर को गर्म रखने के लिए अपनी दिनचर्या में कुछ योगासन को शामिल करके अपने शरीर को गर्म रख सकते हैं और ठंड से भी राहत पा सकते हैं। इतना ही नहीं यह शरीर को लचीला बनाने के साथ सक्रिय भी बनाता है। यहां कुछ योगासन बताए जा रहे हैं, जिनको करने से आप स्वस्थ ही नहीं, बल्कि ठंड से भी राहत पा सकते हैं।

सूर्य नमस्कार: सूर्य नमस्कार कई आसनों का एक साथ लाभ देता है। इसके बारह स्टेप्स होते हैं, जो हमारे पूरे शरीर को एक्टिव रखने में मदद करते हैं। इस आसन को करने से आप पूरे दिन ऊर्जावान रहते हैं। इतना ही नहीं इस आसन को करने से तुरंत गर्मी आती है और हमारी मांसपेशियों का तनाव भी दूर होता है। इसलिए ठंड से बचने के लिए इस योगासन को जरूर करना चाहिए। इसे करने से सभी अंगों का एक्सरसाइज हो जाती है। लेकिन एक बात का अवश्य ध्यान रखें कि अपनी क्षमता के अनुसार ही धीरे-धीरे इसका अभ्यास बढ़ाएं।

भुजंगासन: यह आसन पेट के बल लेट कर किया जाता है। यह आपके फेफड़े को खोलता है। इसे करने से कमर दर्द में राहत मिलती है। यह आसन न सिर्फ रीढ़ की हड्डी के लिए फायदेमंद होता है, बल्कि आपके शरीर के तापमान को भी बनाए रखने में सहायक होता है।

हलासन: यह आसन रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है और पाचन की समस्याओं को सुधारता है। इसके अलावा मधुमेह, ब्लड प्रेशर और तनाव को दूर करने में सहायक होता है। इसके साथ ही यह पेट की चर्बी को घटाने में, अंगों की कार्यक्षमता बढ़ाने में और मानसिक शांति के लिए सबसे बेहतर आसन माना जाता है। हार्निया, हाई ब्लडप्रेशर, पीठ, गर्दन में गंभीर चोट या गर्भावस्था के दौरान इस आसन को नहीं करना चाहिए।

ताड़ासन: इसे करने के लिए सीधे खड़े हो जाएं और अपने शरीर को ऊपर की ओर खींचें। इससे खून का बहाव तेज होता है और अकड़न दूर होती है। जिन्हें हार्निया की शिकायत हो, वे इस आसन को न करें।

कपालभाति प्राणायाम: किसी भी आसन में बैठ जाएं। अपनी आंखों को बंद कर लें और चेहरे को ढीला छोड़ दें। अब दाएं नाक के छिद्र को दाएं अंगूठे से बंद कर बाएं नाक से सामान्य सांस अंदर लेकर उसी नाक से हल्के झटके के साथ सांस को बाहर निकालें। यह अभ्यास बीस बार कीजिए। फिर यही अभ्यास बाएं नाक के छिद्र से भी करें। फिर अंत में यह क्रिया दोनों नाकों से करें।

ध्यान: किसी आरामदायक आसन में बैठ जाएं और अपने सिर और गले को सीधा कर लें। अपने हाथों को घुटने पर रख लें। आंखों को ढीला कर और चेहरे को हल्का बनाकर ढीला छोड़ दें। अब अपने सांस पर मन को एकाग्र करने का प्रयास करें। इसे दस से पंद्रह मिनट प्रतिदिन करने का अभ्यास करें।

यहां बताए गए आसनों का अभ्यास योग प्रशिक्षक से सीखकर ही करें। *

(योग आचार्य (डॉ.) कौशल कुमार से बातचीत पर आधारित)

प्रथम पृष्ठ का शेष

मोबाइल गेम्स की...

उनके बहुत ज़्यादा गेम खेलने पर आपत्ति जताते थे। कोरियन 'टास्क-बेस्ड' गेम वह होते है जिसमें खिलाड़ी को लक्ष्य दिए जाते हैं और उसी से गेम आगे बढ़ता है। पुलिस उपायुक्त निमिष पाटिल ने बताया कि जांच में पता चला कि लड़कियां कोरियन सामग्री से बहुत अधिक प्रभावित थीं और अपने मोबाइल फोन पर काफी समय बिताती थीं। उन्होंने कहा, परिवारवालों ने पिछले कुछ दिनों से उनके मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी, जिससे वे परेशान थीं और संभवतः इसी वजह से उन्होंने यह कदम उठाया। सहायक पुलिस आयुक्त ने बताया कि पुलिस को मंगलवार देर रात दो बजकर 15 मिनट पर सूचना मिली कि साहिबाबाद इलाके में टीला मोड़ थना क्षेत्र में 'भारत सिटी' के एक टावर में नौवीं मंजिल के फ्लैट की बालकनी से तीन लड़कियों ने छलांग लगा दी है। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि स्थानीय निवासी चेतन कुमार की तीनों बेटियां निशिका (16), प्राची (14) और पाखी (12), भूतल पर गिरी थीं और बुरी तरह से घायल थीं। उन्हें एम्बुलेंस से लोनी के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। **नहाने से खाने तक सब साथ-साथ-** पुलिस के मुताबिक, बहनें कोविड-19 के दौरान ऑनलाइन गेम की आदी हो गई थीं और अक्सर लगातार कोरियन गेम खेला करती थीं। सहायक पुलिस आयुक्त ने कहा, तीनों सब कुछ एक साथ करती थीं- नहाने से लेकर खाने तक और सोने से लेकर स्कूल जाने तक। पुलिस उपायुक्त पाटिल ने बताया कि लड़कियां पिछले दो वर्ष से स्कूल नहीं जा रही थीं। उन्होंने कहा कि पहले भी पढ़ाई में उनका प्रदर्शन संतोषजनक नहीं था। उन्होंने कहा कि अभी यह साफ नहीं है कि मोबाइल फोन और गेमिंग की लत उन्हें कब से थी और जांच शुरुआती दौर में है, लेकिन यह साफ है कि लड़कियां मोबाइल फोन के इस्तेमाल की बहुत अधिक आदी थीं। **डायरी में लिखी यह बातें-** छानबीन के दौरान, पुलिस को लड़कियों की एक डायरी मिली है जिसमें घटना से जुड़ी सामग्री है। अंदर मिले एक नोट में लिखा है, इस डायरी में लिखी हर बात पढ़ लेना, सब यहीं है। इसके साथ रोते हुए चेहरे का इमोजी बना था और लिखा था, 'माफ करना पापा, मुझे सच में बहुत अफसोस है। लड़कियों के पिता चेतन कुमार ने कहा कि उनकी बेटियां बार-बार कोरिया जाने की बात कहती थीं। कुमार ने कहा कि उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि उन्हें बिल्कुल भी इस बात की जानकारी नहीं थी कि उस गेम में इस तरह के लक्ष्य दिए जाते हैं, जो बच्चों को खतरनाक कदम उठाने के लिए उकसा सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया—00 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर सख्त नियम (2024–25 से लागू प्रक्रिया) 00 प्लेटफॉर्म्स को जिम्मेदार ठहराने की तैयारी 00 मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता **जापान**— 00 कई शहरों में स्कूल के बाद मोबाइल-गेमिंग समय तय
00 "डिजिटल वेलबीइंग" को पारिवारिक नीति का हिस्सा बनाया गया 00 माता-पिता के लिए गाइडलाइन
दक्षिण कोरिया— 00 पहले से ही गेमिंग कर्फ्यू 00 अब उससे आगे बढ़कर स्क्रीन एडिक्शन ट्रीटमेंट सेंटर 00 मोबाइल लत को मानसिक स्वास्थ्य समस्या माना गया

10 जिलों में ...

या गंभीर खतरे को जल्दी खत्म करना होता है। एसओजी एक खास तरह की प्रशिक्षित टीम होती है, जिसे ऐसे खतरनाक कामों के लिए तैयार किया जाता है।
नवा रायपुर में वृहद बहुमंजिला भवन - नवा रायपुर अटल नगर में शासकीय विभागों तथा निगम मंडल के कार्यालयों के लिए नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण द्वारा एक वृहद बहुमंजिला भवन बनाने का निर्णय लिया गया है और यहां विभागों को स्पेस आबंटित किया जाएगा, ताकि भूमि का पूर्ण उपयोग किया जा सके। **नीति में हो सकेगा संशोधन भी-** कैबिनेट ने इस नीति में भविष्य में आवश्यक संशोधन करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग को अधिकृत किया है। इस नीति से आईटी ढांचे में लागत में कमी, संचालन में दक्षता, बेहतर साइबर सुरक्षा, आपदा के समय सेवाओं की निरंतरता तथा नागरिक सेवाओं की 24 घंटे 7 दिन उपलब्धता सुनिश्चित होगी। साथ ही नागरिकों के डेटा की सुरक्षा, पारदर्शिता और ट्रैकिंग व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी। **मोबाइल टावर योजना नेटवर्क विहीन क्षेत्रों के लिए-** छत्तीसगढ़ राज्य में डिजिटल अवसंरचना को विस्तार देने के लिए मोबाइल टावर योजना का अनुमोदन किया गया है। भौगोलिक विषमता और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल कनेक्टिविटी सीमित होने से शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन बाधित हो रहा है। इस योजना से मोबाइल टावर स्थापना हेतु चयनित सेवा प्रदाताओं को अनुमति और प्रशासनिक स्वीकृतियों की प्रक्रिया को सरल और समयबद्ध किया जाएगा। **नेटवर्क विस्तार से होगा ये फायदा-** मोबाइल टावर योजना के अंतर्गत चयनित मोबाइल नेटवर्क विहीन बसाहटों में टावर की स्थापना की जाएगी। डिजिटल कनेक्टिविटी से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी, ई गवर्नेंस सेवाओं का विस्तार होगा, सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। योजना से सुरक्षा व्यवस्था में भी सुधार होगा विशेष कर वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में संचार सुविधा उपलब्ध होने से प्रशासनिक कार्य में पारदर्शिता और दक्षता आएगी। मोबाइल टावर योजना के लागू होने से सार्वजनिक वितरण प्रणाली, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, आपातकालीन सेवाएं डायल 112 जैसी योजनाओं की पहुंच दूरस्थ इलाकों के नागरिकों तक सुगमता से होगी।

घूस लेते पकड़े...

कौशिक से रिश्वत की मांग की थी। खरीदी केंद्र प्रभारी की शिकायत के बाद एसीबी की टीम ने जाल बिछा कर दोनों को रिश्वत लेते रंगे हांथो पकड़ा। डीएसपी एसीबी बिलासपुर अजितेश सिंह ने बताया कि धान उपार्जन केंद्र चोरभट्ठी के प्रभारी धीरेन्द्र कुमार कौशिक द्वारा एसीबी इकाई बिलासपुर में इस आशय की शिकायत की गई थी कि उसके धान उपार्जन केंद्र में नायब तहसीलदार श्रीमती करुणा आहेर और उच्चभट्ठी पटवारी आयुष कुमार ध्रुव ने पूर्व में निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान धान खरीदी कार्य में अव्यवस्था की बात कहकर पंचनामा तैयार किया गया और बड़े अधिकारियों को रिपोर्ट न भेजने के एवज में 35 हजार रुपए रिश्वत की मांग की गई। उपार्जन केंद्र प्रभारी धीरेन्द्र कुमार कौशिक ने रिश्वत देने की बजाए दोनों को पकड़वाने की योजना बनाई। मामले की शिकायत उसने एसीबी में की। सत्यापन कराने पर एसीबी ने शिकायत सही पाई और ट्रैप की योजना तैयार की गई।

चांदी तीन लाख...

अनुसार, चांदी 14,300 रुपए, या 5.03 प्रतिशत बढ़कर 2,98,300 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। पिछली सत्र में चांदी 2,84,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी तेजी से बढ़ा और 7,400 रुपए या 4.69 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,65,100 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया, जबकि मंगलवार को यह 1,57,700 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। **अमेरिका-ईरान के बीच तनाव -** एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक - जिंस, सौमिल गांधी ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से सुरक्षित निवेश की नई खरीदारी के कारण बुधवार को सोने और चांदी में तेजी आई। गांधी ने कहा, यह टकराव इस सप्ताह के आखिर में होने वाली अमेरिका-ईरान परमाणु वार्ता को लेकर उम्मीदों को कमजोर करता है और अमेरिका और ईरान के बीच और ज़्यादा टकराव की संभावना के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं, जिससे सोने पर जोखिम प्रीमियम बढ़ सकता है और सुरक्षित निवेश के विकल्प के रूप में बहुमूल्य धातुओं की मांग बढ़ सकती है।

बीच हवा में...

खराबी के कारण कोलकाता की ओर जाने देने का अनुरोध किया। **आग पर काबू पा लिया-** मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि विमान ने पूरी आपातकालीन स्थिति में यहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा और इंजन में लगी आग पर अपराह्न 1.51 बजे तक काबू पा लिया गया। इसमें कहा गया है कि उड़ान के दौरान ही विमान में लगी आग पर काबू पा लिया गया था। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों के घायल होने की सूचना नहीं है। हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने बताया कि आधुनिक मल्टी-इंजन जेट विमानों को केवल एक इंजन के संचालन के साथ सुरक्षित रूप से उड़ान भरने और उतरने के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि इन विमानों में आग की पहचान करने और उसे बुझाने की अत्याधुनिक प्रणालियां भी लगी हैं।

50 हजार किसान...

गया है। ऐसे किसान, जिन्हें 28, 29 एवं 30 जनवरी को टोकन प्राप्त हुआ था, परंतु किसी कारणवश वे निर्धारित तिथि पर धान विक्रय नहीं कर पाए थे। ऐसे किसानों की संख्या करीब 50,087 है।राज्य सरकार ने किसानों द्वारा लगातार धान खरीदी की अवधि बढ़ाए जाने की मांग किए जाने पर जिलेवार धान नहीं बेवच पाने वाले किसानों की संख्या की जानकारी मंगाई। 31 जनवरी को धान खरीदी की अंतिम तारीख थी। खरीदी के लिए 10 जनवरी के बाद से किसानों का टोकन काटना बंद कर दिया गया था। जिन किसानों का टोकन 31 जनवरी की तारीख का कटा था, उनमें से अधिकतर का धान 28 और 29 तारीख को किए जाने का एलान किया गया था। ऐसे किसान जिन्होंने 10 तक टोकन नहीं कटाया था, उनको टोकन ऑनलाइन के बजाय सोसायटियों में आवंदन देकर लेने कहा गया था। ऐसे किसानों को धान का भौतिक सत्यापन कराने के बाद ही टोकन जारी किए जाना था। धान खरीदी की अवधि खत्म होने के बाद ऐसे हजारों किसानों को टोकन जारी नहीं किया जा सका। समितियों और जिला प्रशासन की गलती के कारण ऐसे किसानों को धान बेचने से वंचित होना पड़ा।

विपक्ष की महिला...

में कुछ किताबों का जिक्र करते हुए पंडित जवाहरलाल नेहरू और कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधा और इस मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण भी सदन की कार्यवाही एक बार स्थगित करनी पड़ी। पूर्वाह्न 11 बजे सदन की बैठक शुरू होते ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल शुरू कराया। इस दौरान, विपक्ष के सदस्य हंगामा करने लगे। अध्यक्ष बिरला ने विपक्षी सदस्यों से प्रश्नकाल चलने देने का आग्रह करते हुए कहा, सदन के अंदर मर्यादित आचरण और व्यवहार करना सभी सदस्यों की जिम्मेदारी है। शोर-शराबा नहीं थमने पर उन्होंने पांच मिनट बाद ही बैठक दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी। सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई तो वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर वक्तव्य पढ़ा। बिरला ने इस दौरान आसन के समीप और सत्तापक्ष की पंक्तियों के सामने आकर नारेबाजी कर रहे विपक्षी सदस्यों के प्रति नाराजगी जताते हुए कहा, इस देश में अलग- अलग समय आप सरकार में रहे हैं। उसके बावजूद आप सदन की परंपराओं और मर्यादाओं को तोड़ रहे हैं।कांग्रेस सदस्यों के हाथों में पूर्व सेना प्रमुख और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की तस्वीर वाले पोस्टर थे, वहीं राहुल गांधी सदन में एक किताब हाथ में लिए हुए दिखे। लोकसभा अध्यक्ष ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा, 'आप चुनकर आते हैं। सदन के अंदर और बाहर विरोध का तरीका होता है। लेकिन आप इतने वरिष्ठ नेता हैं, आपने लंबे समय तक शासन किया है। बोलने की अनुमति देना या नहीं देना नियम प्रक्रिया से निर्धारित होता है।राहुल ने मंगलवार को बिरला को पत्र लिखकर उन पर सरकार के इशारे पर नेता प्रतिपक्ष को सदन में बोलने नहीं देने का आरोप लगाया था। हंगामा नहीं थमने पर बिरला ने कुछ देर बाद ही सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। बैठक फिर से शुरू हुई तो पीठासीन सभापति कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव संबंधी चर्चा शुरू कराई। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के सांसद जीएम हरीश बालयोगी ने विपक्ष के हंगामे के बीच ही चर्चा में भाग लिया, जिसके बाद भाजपा सांसद निशिकांत दुबे का नाम पुकारा गया। दुबे ने कुछ किताबों का जिक्र करते हुए प्रथम प्रधानमंत्री और नेहरू-गांधी परिवार पर निशाना साधा और उन पर भ्रष्टाचार में लिप्त रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी एक अप्रकाशित पुस्तक की बात कर रहे हैं, लेकिन वह गांधी-नेहरू परिवार की सच्चाई सामने लाने के लिए कई किताबें लाए हैं। पीठासीन सभापति तेन्नेटी ने किसी पुस्तक या पत्र का उल्लेख नहीं करने संबंधी नियम का हवाला देते हुए अध्यक्ष ओम बिरला के निर्देश का उल्लेख किया और दुबे को सदन में किताबें नहीं दिखाने को कहा। उन्होंने नियम 349 का हवाला दिया जो सदस्यों को ऐसी कोई पुस्तक, अखबार या पत्र को पढ़ने से रोकता है जिसका सदन के कामकाज से लेनादेना नहीं है। हालांकि, भाजपा सांसद किताबों को दिखाते हुए उनके लेखकों और उनमें लिखी सामग्री के बारे में टिप्पणी करते रहे। दुबे के बयानों को लेकर विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया और कुछ सदस्यों को आसन के सामने कागज उछालते हुए भी देखा गया। हंगामा बढ़ने पर पीठासीन सभापति ने कार्यवाही शाम पांच बजे तक स्थगित कर दी। पांच बजे सदन की बैठक फिर से शुरू हुई तो पीठासीन सभापति संध्या राय ने धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेने के लिए भाजपा सांसद पीपी चौधरी का नाम पुकारा। हालांकि, विपक्षी सदस्यों के शोर-शराबे के बीच उन्होंने तत्काल बैठक को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया। विपक्ष के सांसद बैनर और पोस्टर दिखा रहे थे। मंगलवार को सदन की अवमानना करने और महासचिव तथा लोकसभा अधिकारियों की मेजों के पास आकर कागज उछालकर आसन की गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए कांग्रेस के सात और एक माकपा सांसद को संसद के वर्तमान सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया।

संसद में बोली...

सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा था। राय ने कहा कि अब मोदी सरकार के पास एक ठोस नीति और मजबूत नेतृत्व है, जिसके चलते 'कतई बर्दाश्त नहीं नीति' के तहत नक्सलवाद को जल्द खत्म किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने 'वोट बैंक की राजनीति' के चलते नक्सलवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा, पिछली सरकारों और कुछ राजनीतिक दलों ने हिंसा फैलाने वाली ताकतों से समझौता किया, जो राष्ट्रीय हितों के खिलाफ काम कर रही थीं। **गृह राज्यमंत्री ने पेश किया आंकड़ा-** गृह राज्य मंत्री ने आंकड़े पेश करते हुए कहा कि वर्ष 2010 में नक्सली हिंसा की घटनाओं में 1,005 लोगों की मौत हुई थी, जो 2025 में घटकर 100 रह गई, यानी लोगों की मौत में करीब 90 प्रतिशत की कमी आई है। इसी तरह 2010 में नक्सली हिंसा की 1,936 घटनाएं दर्ज की गई थीं, जो 2025 में घटकर 234 रह गईं, यानी 88 प्रतिशत की गिरावट आई। उन्होंने कहा कि जून 2019 से अब तक 33 शीर्ष नक्सली नेता मारे गए हैं, जिनमें 16 केंद्रीय समिति सदस्य (सीसीएम) और पोलित ब्यूरो सदस्य (पीबीएम) शामिल हैं।

पूर्व सीएम भूपेश...

के साथ सहयोग किया। हालांकि राय ने आरोप लगाया कि बघेल सरकार ने केंद्र सरकार के साथ अपेक्षित स्तर का सहयोग नहीं किया। उन्होंने कहा, मैं किसी सरकार का नाम नहीं लूंगा, लेकिन जिस सरकार का आपने नाम लिया, उसने उतना सहयोग नहीं किया जितना करना चाहिए था। गृह राज्य मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने नक्सल विरोधी अभियान का नेतृत्व करने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा, /"सुरक्षा बलों का मनोबल गिराकर नक्सलवाद से नहीं लड़ा जा सकता।

कार्यालय जिला कौशल विकास प्राधिकरण बीजापुर जिला-बीजापुर (छ.ग.)
Email ID-cssdm-bijapur.cg@gov.in

क्रमांक/DSDA/नि./2025-26 2501 बीजापुर, दिनांक 29/01/2026

// निविदा //

जिला बीजापुर अंतर्गत जिला बीजापुर में गारमेंट फैक्ट्री हेतु, जिला खनिज न्यास निधि के प्राप्त मद से बटन मशीन एवं बटन होल मशीन एवं हीट ट्रान्सफर लेबल मशीन क्रय करने "निविदा" दिनांक 26/02/2026 अपरान्ह 04:00 बजे तक निर्धारित प्रपत्रों में आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकारी हेतु जिले के वेबसाइट http://bijapur.gov.in अथवा कार्यालय के सूचना पटल का अवलोकन किया जा सकता है।

कलेक्टर सह अध्यक्ष
जिला कौशल विकास प्राधिकरण
जिला- बीजापुर (छ.ग.)

स. 46775

कार्यालय कलेक्टर (महिला एवं बाल विकास) जिला-गरियाबंद (छ.ग.)
E-mail:-dpowcdgariaband@gmail.com

क्र./3551/मबावि/सीधी भर्ती/2025-26 गरियाबंद, दिनांक 30/01/2026

-: विज्ञापन :-

संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग इन्द्रावती भवन नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.) का पत्र क्रमांक/15579/मबावि/स्था-03/2025-26 अटल नगर दिनांक 06.01.2026 के द्वारा सहायक ग्रेड-03 के सीधी भर्ती की अनुमति प्रदान किये जाने के फलस्वरूप कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला-गरियाबंद (छ.ग.) में सहायक ग्रेड-03 के नियमित के रिक्त पद की पूर्ति सीधी भर्ती द्वारा किये जाने हेतु निर्धारित योग्यताधारी अभ्यर्थियों से ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 01.02.2026 से दिनांक 15.02.2026 सायं 5:00 बजे तक आमंत्रित किया जाता है।

ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाने हेतु जिला गरियाबंद के वेबसाईट https://gariaband.gov.in/ में लिंक दिनांक 01.02.2026 से उपलब्ध रहेगी। विज्ञापन की विस्तृत विवरण जिले के वेबसाईट https://gariaband.gov.in/ में अपलोड है या कार्यालयीन समय पर कार्यालय के सूचना पटल पर देखा जा सकता है।

(कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित)

जिला कार्यक्रम अधिकारी
महिला एवं बाल विकास
जिला-गरियाबंद (छ.ग.)

जी. 252606439/1

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय
अम्बिकापुर सरगुजा छ.ग.

क्रमांक / स्टोर/2026/477 अम्बिकापुर दिनांक - 3/2/26

// दावा आपत्ति सूचना //

राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.) की ओर से निम्न चिकित्सकीय उपकरण सापंत्तिक प्रकृति (Proprietary Character) होने के कारण रिएजेंट्स, कन्ज्यूमेबल एवं कंट्रोल क्रय करने हेतु दावा आपत्ति सूचना आमंत्रित की जा रही है। प्रपत्र एवं अन्य जानकारी महाविद्यालय के वेबसाईट https://www.gmcambikapur.co.in में अवलोकन कर प्राप्त किये जा सकते हैं।

S.No.	Name of Equipment	Make	Model	Name of Department
1	C.T.Scan Machine	Wipro GE Healthcare PVT LTD	REVLUTONEVO	Radiology
2	X-Ray Machine	Agfa Healthcare PVT LTD	DXD100+	Radiology
3	Dialysis Machine	B Braun Medical PVT LTD	Dialog+HDF	Medicine

दावा आपत्ति जमा करने की अंतिम तिथि- 07/03/2026, समय-संध्या 5.30 बजे तक
स्थान :- राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय
अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ.ग.

जी. 252606461/2

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER
CHHATTISGARH RURAL ROAD DEVELOPMENT AGENCY PROJECT CIRCLE, DURG, DISTT.: DURG (C.G.)

E-Procurement Tender Notice

NIT No.73,74,75,76/SE/TECH./CGRRDA/2026 Dated 03/02/2026

Superintending Engineer, Project Circle Durg on behalf of Governor of Chhattisgarh invites package wise bids in electronic tendering system for Zonal Work (Repair & Maintenance) under PMGSY & MMGSVY & Defect Liability under PMGSY and sanctioned for below mentioned district of the state as per B.O.Q. from the eligible contractors/Firms registered with unified registration system (e-registration) for the works mentioned below. Date of release of Invitation for Bids through e-procurement:

S. No	NIT No.	Work Name	Amount (Rs. in Lakhs)	Districts	Rate invited
01	73 (1st Call)	Zonal Work (Patch Repair Works under MMGSVY)	58.26	Durga	Percentage Rate SOR 22.02.2018 issued by CE, CGRRDA Raipur
02	74 (4th Call)	Zonal Work (Repair & Maintenance) under PMGSY	150.00	Durg, Bemetara, Rajnandgaon, KCG, MMAC, Kabirdham	Percentage Rate SOR 22.02.2018 issued by CE, CGRRDA Raipur
03	75 (4th Call)	Zonal Work (Repair & Maintenance) under MMGSVY	125.00	Balod, Bemetara, Rajnandgaon, KCG, MMAC	Percentage Rate SOR 22.02.2018 issued by CE, CGRRDA Raipur
04	76 (6th Call)	Defect Liability under PMGSY	46.29	Rajnandgaon	Percentage Rate SOR 22.02.2018 issued by CE, CGRRDA Raipur

Availability of Bid Documents and mode of submission: The bid document is available online and should be submitted online in https://eproc.cgstate.gov.in. The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.

Detailed N.I.T. and other Details can be viewed on our website https://eproc.cgstate.gov.in. on or after 07.02.2026. In future any related corrigendum would be seen in the notice section of the website.

Superintending Engineer
Chhattisgarh Rural Road
Development Agency Project Circle,
Durg, Dist. Durg (C.G.)
E-mail: sepmgsy.rpc@nic.in

S-46778

कार्यालय अधिष्ठाता
स्व. श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति,
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)
Bendrachuwa, Raigarh, Chhattisgarh,ph-07762-220741
E-mail: gmcraigarh.2013@gmail.com

क्रमांक/ चिकि.महा./ क्रय / 2025-26/1434 रायगढ़ दिनांक 03.02.26

// खुली निविदा सूचना //

स्व. श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.) के अधीनस्थ केन्द्रीय ग्रंथालय के लिए Books क्रय किये जाने के संबंध में दर अनुबंध (Rate Contract) करने हेतु गुड ऑफिस कमेटी (G.O.C.) रजिस्टर्ड इच्छुक फर्म/प्रदायकर्ता फर्म / पब्लिसर / अधिकृत विक्रेता कम्पनी एवं फर्मों से खुली निविदा आमंत्रित है।

निविदा प्रारंभ तिथि	दिनांक 05/02/2026 समय 10:00 AM से
दस्तावेजों की हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक 19/02/2026 समय 03:00 PM के पूर्व
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 19/02/2026 समय 04:00 PM

टीप: निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के वेबसाइट www.gmcraigarh.edu.in का अवलोकन कर सकते है।

अधिष्ठाता
स्व. श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति,
शास. चिकित्सा महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

जी. 252606443/1

प्ररूप-एक (नियम -11 देखिये)
रा.प्र.क्र.202201050400044

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, कोरबा

अधिसूचना

क्र./573/भू-अर्जन /2025 कोरबा, दिनांक 09/01/2026

भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर तथा पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 4 सहपठित नियतम 7 के अंतर्गत

नीचे अनुसूची में उल्लेखित भूमि का अर्जन लोक प्रयोजन हेतु राज्य सरकार द्वारा आशयित है, अर्थात:-

जिला	तहसील	ग्राम/नगर	क्षेत्रफल	लोक प्रयोजन का विवरण
कोरबा	हरदीबाजार	बोईदा	2.206 हे.	बोईदा मुख्य मार्ग से नायकपारा तिलैयापारा फुटहामुड़ा मार्ग लंबाई 2.76 कि.मी. निर्माण हेतु अर्जन

उपरोक्त उल्लेखित भूमि के अर्जन हेतु सामाजिक समाघात निर्धारण के अध्ययन हेतु जन सुनवाई दिनांक 12/02/26 को समय 11:00 बजे से स्थान ग्रा.पंचा. बोईदा पर नियत की गई है। प्रस्तावित भूमि अर्जन का अन्य विवरण निम्नानुसार है:-

01. लोक प्रयोजन का संक्षित विवरण -बोईदा मुख्य मार्ग से नायकपारा तिलैयापारा फुटहामुड़ा मार्ग लंबाई 2.76 कि.मी. निर्माण हेतु अर्जन
02. प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या -44 परिवार
03. अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या -44 परिवार
04. प्रभावित क्षेत्र में निजी मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या -16
05. प्रभावित क्षेत्र में शासकीय मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या -01 सार्वजनिक मंच देवस्थान
06. क्या प्रस्तावित अर्जन न्यूनतम है? -हॉ
07. क्या संभव ब्रिकल्पों और इसकी साध्यता पर विचार कर लिया गया है? -हॉ
08. परियोजना की कुल लागत -रूपये 506.39 लाख
09. परियोजना से होने वाले लाभ -आवागमन हेतु बारहमासी सड़क
10. प्रस्तावित सामाजिक समाघात की प्रतिपूर्ति के लिये उपाय तथा उस पर होने वाला संभावित व्यय -प्रस्तावित सामाजिक समाघात की प्रतिपूर्ति के लिए संभावित उपाय किये जा रहे हैं तथा उस पर होने वाद संभावित व्यय का प्रावधान किया गया है।
11. परियोजना द्वारा प्रभावित होने वाले अन्य घटक- निरंक

उपरोक्त भूमि अर्जन के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी/ सुझाव देना हो, तो विहित तिथि/समय एवं स्थान पर दी जा सकेगी।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
एवं भू-अर्जन अधिकारी अनुविभाग
पाली, जिला- कोरबा (छ.ग.)

(कुणाल दुदावत)
कलेक्टर, जिला- कोरबा एवं
पदेन उप सचिव छत्तीसगढ़ शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी. 252606455/1

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर
जोन क्रमांक-06
(नवीन अंतर्राज्यीय बस स्टैण्ड तृतीय तल, जलगृह मार्ग रावणभाठा रायपुर
(E-Mail ID. rmzone6@gmail.com)

ई निविदा संशोधन सूचना

इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा क्रमांक 1455 दिनांक 27.01.2026 के द्वारा ऑनलाईन निविदा जारी किया गया है। जिसमें जारी निविदा त्रुटि को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है:-

(1) Uplod NIT के पेज नम्बर 02 में कंडिका क्रमांक 09 में Tender Form Fee Rs. 2000 Scan copy of (DD) त्रुटि हो गया है। जिससे NIT में पेज नम्बर 02 में दर्शित अनुसार Tender Form Fee Rs. 5000 Scan copy of (DD) माना जावे।
(2) Uplod NIT में शपथ पत्र Uplod किया गया है। जिसमें त्रुटि होने के कारण संशोधित शपथ पत्र Uplod NIT किया जाता है।
निविदा से संबंधित अन्य जानकारियां यथावत रहेगी।

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक-06
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय अधष्ठिाता पं. जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.)

तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना

पत्र क्र.2183/निविदा/2025-26 रायपुर, दिनांक 03/02/2026

अधिष्ठाता, पं. जे.एन.एम. स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.) मे एम.बीबीएस अध्ययनरत् छात्र-छात्राओं (लगभग 125 विद्यार्थियों, 04 शिक्षकों एवं 04 सहयोगी स्टॉफ) को वर्ष 2025-2026 में "अध्ययन भ्रमण अंतर्गत आपदा प्रबंधन ट्रेंनिंग कार्य के लिये पंचमढ़ी, मध्यप्रदेश भ्रमण हेतु, विद्यार्थियों के लिए यात्रा-शिविरों (Travel Camp's) के आयोजन से संबंधित अनुभवी तथा प्रतिष्ठित संस्थाओं से निविदा आमंत्रित है। अधिक जानकारी एवं निविदा प्रपत्र महाविद्यालय के वेबसाईट www.ptjnmcraipur.in से डाउनलोड कर प्राप्त किया जा सकता है। प्रथम व द्वितीय निविदा मे जिनके निविदा प्रस्ताव अमान्य कर दिए गए थे वे आवेदन शुल्क व EMD शुल्क का Demand Draft वापस प्राप्त कर पुन: नया निविदा प्रस्ताव जमा कर सकते है।

निविदा जमा की अंतिम तिथि 12.02.2026 समय अपरान्ह 03:00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि 12.02.2026 समय सायं 4:00 बजे
स्थान : अधिष्ठाता कार्यालय, पं.ज.ने. स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)
G-252606050/4

अधिष्ठाता
पं.ज.ने. स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

जी. 252606453/3

GOVERNMENT OF CHHATTISGARH WATER RESOURCES DEPARTMENT OFFICE OF THE EXECUTICE ENGINEER E/M MINIMATA BANGO DIVISION MACHADOLI H.Q. KATGHORA (C.G.)

CORRIGENDUM NO. 2

IN NIT No.: 05/SAC/2025-26, dated : 14.01.2026, System tender No. 183823 whose G-252606102 following amendments are made-

S. No.	Previously	Amendments
1	Clauses 4.1.1.a(a) Lift/Pressurized Water Conveyance & Civil Works: Design, supply, installation, testing, and commissioning of rising mains, gravity/distribution network consisting of MS/DI/HDPE/PVC pipes, remote operated automated Zonal Management Units Handling Flow & Pressure Control Arrangements, Isolation Valves, Air Valves, Surge Protections Systems comprising of Bladder Vessel and Surge Suppression Valves, filtration systems, Outlet Management Systems with Remote Flow & Pressure Control Arrangements controlling up to 5 Ha and Irrigating Farmer Outlet up to 1 Ha with min. 20 m Pressure, capacity building and training for beneficiary farmers forming part of a Lift Irrigation Scheme covering a command area not less than 2,100 ha.	Clauses 4.1.1.a(a) Lift/Pressurized Water Conveyance & Civil Works: Design, supply, installation, testing, and commissioning of rising mains, gravity/distribution network consisting of MS/DI/HDPE/PVC pipes, remote operated automated Zonal Management Units Handling Flow & Pressure Control Arrangements, Isolation Valves, Air Valves, Surge Protections Systems comprising of Bladder Vessel and Surge Suppression Valves, filtration systems, Outlet Management Systems with Remote Flow & Pressure Control Arrangements controlling up to 5 Ha and Irrigating Farmer Outlet up to 1 Ha with min. 20 m Pressure, capacity building and training for beneficiary farmers forming part of a Lift Irrigation Scheme covering a command area not less than 2,466 ha.
2	Clauses 4.1.1.a(b) Electro-Mechanical & Electrical Works: Design, supply, erection, testing, and commissioning of pumping machinery, motors, VFD/soft starters, MCC/PMCC panels, HT/LT switchgear, cabling, and earthing, forming part of a Lift Irrigation Scheme with a command area not less than 2,100 ha.	Clauses 4.1.1.a(b) Electro-Mechanical & Electrical Works: Design, supply, erection, testing, and commissioning of pumping machinery, motors, VFD/soft starters, MCC/PMCC panels, HT/LT switchgear, cabling, and earthing, forming part of a Lift Irrigation Scheme with a command area not less than 2,466 ha.
3	Clauses 4.1.1.a(c) Automation/SCADA & Instrumentation: Design, supply, installation, testing, and commissioning of flow, level, and pressure instrumentation; PLC/RTU systems ; telemetry/communication network; HMI/SCADA applications; control centre setup; and zonal management units, field integration and automation up to 5 Ha including trial run and performance demonstration as per the contract KPIs, for a Lift Irrigation Scheme of command area not less than 2,100 ha.	Clauses 4.1.1.a(c) Automation/SCADA & Instrumentation: Design, supply, installation, testing, and commissioning of flow, level, and pressure instrumentation; PLC/RTU systems; telemetry/ communication network; HMI/SCADA applications; control centre setup; and zonal management units, field integration and automation up to 5 Ha including trial run and performance demonstration as per the contract KPIs, for a Lift Irrigation Scheme of command area not less than 2,466 ha.
4	Clauses 4.1.1.a(d) Operation and Maintenance: The contractor must have completed Operation and Maintenance (O&M) for a minimum continuous period of two (2) years, of the same Project covering pumping operations, automation /SCADA system upkeep, and irrigation delivery within the defined command area.	Clauses 4.1.1.a(d) Operation and Maintenance: The contractor must have completed Operation and Maintenance (O&M) for a minimum continuous period of One (1) years, of the same Project covering pumping operations, automation/ SCADA system upkeep, and irrigation delivery within the defined command area.
5	Online tenders are invited up to 05.02.2026 17:30 Hour	Online tenders are invited up to 10.02.2026 17:30 Hour
6	Bid open date and time 06.02.2026 at 11:30 hours	Bid open date and time 11.02.2026 at 11:30 hours

All other and conditions of NIT will remain unchanged.

EXECUTIVE ENGINEER
E/M MINIMATA BANGO DIVISION MACHADOLI
H.Q. KATGHORA, DIST-KORBA, (C.G.)

G-252606459/4

छत्तीसगढ़ शासन
विधि और विधायी कार्य विभाग
मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर जिला-रायपुर, (छ.ग.)

क्रमांक..146/21-अ/स्था./ छ.ग./2026, नवा रायपुर, दिनांक 20/01/2026

विज्ञापन

छत्तीसगढ़ शासन, विधि और विधायी कार्य विभाग, मंत्रालय, के अंतर्गत तृतीय श्रेणी के (सहायक ग्रेड-3) भर्ती परीक्षा 2025
संभावित तिथि 06.09.2026
रिक्त पदों का विवरण

क्र	पद का नाम	वर्गीकरण	कुल रिक्तियों की वर्गवार संख्या				कुल रिक्तियों की वर्गवार संख्या में से महिलाओं के लिए आरक्षित पद				कुल रिक्तियों की वर्गवार संख्या में से भूतपूर्व सैनिकों के लिए वर्गवार आरक्षित पद				कुल रिक्तियों में से दिव्यांगजन के लिए आरक्षित पद	योग	वेतन मेट्रिक्स
			अ.ना	अ.जा.	अ.ज.जा	अ.पि.व.	अ.ना	अ.जा.	अ.ज.जा	अ.पि.व.	अ.ना	अ.जा.	अ.ज.जा	अ.पि.व.			वेतन मेट्रिक्स लेवल-4 (5200-20200 +1900)
1	सहायक ग्रेड-03	तृतीय	4	1	3	2	1	-	-	-	-	-	-	-	-	10	

1. विज्ञापित पदों की संख्या में परिवर्तन हो सकता है। 2. विस्तृत विज्ञापन, परीक्षा पाठ्यक्रम तथा परीक्षा हेतु ऑनलाईन आवेदन की विधि, परीक्षा शुल्क भुगतान की विधि परीक्षा संचालन संबंधी अन्य जानकारी व्यापम की वेबसाइट vyapamcg.cgstate.gov.in पर देखा जा सकता है। 3. उपरोक्त विज्ञापित पदों पर भरे जाने वाली चयन प्रक्रियायें माननीय उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली के एस.एल.पी. (सी) क्रमांक 19668/2022 के अंतिम आदेश के अध्यधीन होगी।

(दिलीप कुमार सेन)
अवर सचिव
छत्तीसगढ़ शासन
विधि और विधायी कार्य विभाग

जी. 252606464/2

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, वैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी
डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंती विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

खुलता नहीं, इसलिए कारों के दरवाज़ों पर छिपे हैंडल पर चीन ने लगाया बैन

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

आजकल की मॉडर्न और महंगी कारों में आपने एक बेहद स्टाइलिश फीचर देखा होगा, दरवाजे के हैंडल जो बॉडी के अंदर छिपे रहते हैं और टच करने पर बाहर आते हैं। यह फीचर टेस्ला ने शुरू किया था और देखते ही देखते यह स्टेटस सिंबल बन गया। लेकिन अब यह फीचर जानलेवा साबित हो सकता है। इसी खतरे को देखते हुए चीन ने एक बड़ा फैसला लेते हुए इन फैंसी हैंडल्स वाली कारों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके साथ ही चीन ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है।

चीन के इस सख्त फैसले के पीछे वजह सुरक्षा है। रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में चीन में शाओमी की इलेक्ट्रिक कारों समेत कई वाहनों के एक्सीडेंट हुए। इन हादसों में देखा गया कि पावर फेल होने या तकनीकी खराबी के कारण दरवाजे लॉक हो गए और बाहर से हैंडल न होने की वजह से मदद करने वाले लोग दरवाजा खोल ही नहीं पाए।

नतीजा तमाम लोगों की कार के अंदर ही मौत हो गई। चीन के उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा। नए नियमों के मुताबिक अब कारों के दरवाजों के अंदर और बाहर, दोनों तरफ मैकेनिकल रिलीज बटन होना अनिवार्य होगा, ताकि पावर फेल होने पर भी दरवाजा खोला जा सके। दरवाजों में हैंडल पकड़ने के लिए कम से कम 6 सेंटीमीटर लंबा, 2 सेंटीमीटर चौड़ा और 2.5 सेंटीमीटर गहरा गैप होना चाहिए। यह नियम 1 जनवरी, 2027 से लागू होगा। जो गाड़ियां अभी मार्केट में आने वाली हैं, उन्हें अपने डिजाइन को बदलने के लिए दो साल का वक्त दिया गया है।

प्रतिबंध लगाने वाला चीन पहला देश बना

अमेरिका में भी टेस्ला पर लटकी तलवार

सिर्फ चीन ही नहीं, अमेरिका और यूरोप भी इस फीचर से परेशान हैं। अमेरिका की सुरक्षा एजेंसी एनएचटीएसए पहले से ही टेस्ला के इलेक्ट्रॉनिक हैंडल्स की जांच कर रही है। अमेरिका में ऐसी शिकायतें मिलीं कि टेस्ला (मॉडल वाई) की पावर अचानक बंद हो गई और अंदर बैठे बच्चे बाहर नहीं निकल पाए। 9 में से 4 मामलों में लोगों को जान बचाने के लिए कार की खिड़की तोड़नी पड़ी। कंपनियों का तर्क है कि इमरजेंसी के लिए मैनुअल में तरीका बताया गया है, लेकिन जांचकर्ताओं का कहना है कि मुसीबत के वक्त मैनुअल कोई नहीं पढ़ता और यह तरीका बहुत पेचीदा होता है।

भारत की कारों पर भी ऐसे हैंडल देखे गए

भारत में भी कुछ ब्रैंड की कारों पर इस तरह के हैंडल देखने को मिलते हैं। चीन का ये फ़ैसला ऐसे समय में सामने आया है जब दुनिया भर में सुरक्षा निगरानी संस्थाओं ने इलेक्ट्रिक वाहनों की गहन जांच शुरू की है। नए नियम केवल चीनी बाजार में बेचे जाने वाले मॉडलों पर लागू होंगे। लेकिन वैश्विक कार उद्योग में चीन की बड़ी उपस्थिति का मतलब है कि इस क़दम का दुनिया भर में असर पड़ने की संभावना है।

नई दिल्ली। इस महीने की शुरुआत से लागू हुए अतिरिक्त उत्पाद शुल्क के कारण सिगरेट की कीमतों में हुई बढ़ोतरी से इसके अवैध व्यापार में उछाल आ सकता है और कर संग्रह पर दबाव पड़ सकता है।

HMS शिव साईटिका तेल
शिव सायटिका सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है

सीला मलहम®
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देखें ....
HMS देखकर खरीदें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- एक अनुभवी कम्पलीट मोटर वाइंडर की आवश्यकता है जो 1 HP से 100 HP तक के मोटर की रिवाइंडिंग कर सके। सम्पर्क करें- सोनी इलेक्ट्रीकल्स, बिल्हा 7000292989 (39848)

आवश्यकता है- थोक साड़ी दुकान में काम करने हेतु सेल्समैन एवं हेल्पर लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 98937 06085 (39857)

आवश्यकता है- (M/F) मैनेजर, एकाउंटेंट, सुपरवाइजर, सेल्समैन, हेल्पर चाहिए (समय 10 से 8) सैलरी 9000 से 25000 सम्पर्क करें- Farmers Pride, नेचर सिटी गेट से 200 मीटर आगे सकरी रोड, उसलापुर 9179294949 (39850)

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में माल निकालने, जमाने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता वेतन 8000 सम्पर्क करें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 7430000011 (39858)

आवश्यकता है- लड़के लड़कियां कम्प्यूटर ऑपरेटर, ऑफिस कार्य, कटर, फिटर, वेल्डर, गार्ड, इलेक्ट्रीशियन हेल्पर चपरासी स्टोर कीपर, सुपरवाईजर पॉवर प्लांट हेतु 5वीं से ग्रेजुएट वेतन योग्यतानुसार मेडिकल रहना फ्री पता- सीपत 9589582768 (39851)

आवश्यकता है- साड़ी दुकान में सेल्सबॉय (वेतन 15000+ 1%. सीखे हुए बॉय) हेल्पर (10000) (बाय 8500) सीखी हुई लड़कियां (वेतन 7500) बिना सीखी लड़कियां हेल्पर (6500) (18-30 वर्ष) वाले सम्पर्क करें- 9691342085 (39849)

आवश्यकता है- नर्सरी से 12वी तक पढ़ाने हेतु टीचर्स एवं सफाई कर्मचारी की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 9 से 2बजे, संस्कार स्कूल, स्वास्थ्य केन्द्र के सामने, बाजार के पास, उसलापुर 9098546135, 7000737657 (39855)

आवश्यकता है- रियल एस्टेट में मार्केटिंग के लिए अनुभवी लड़कियों की आवश्यकता है लोकेशन मंगला चौक बिलासपुर रिज्यूम इस नम्बर पर व्हाट्सएप करें- 8435997777 (39852)

आवश्यकता है ड्राइवर
की आवयश्कता है जिसको कार चलाना एवं 407/ माजदा चलाना आता हो, जिसके पास ड्राइविंग लाइसेन्स हो एवं किसी भी प्रकार का नशे की आदत ना हो।
आवेदक अपने बायोडाटा के साथ निम्न पते पर सम्पर्क करें
जे.डी. फूड प्रोडक्ट्स प्रा. लि.
सेक्टर सी-7, सिरगिट्टी इंडस्ट्रीयल एरिया, शिवम् मोटर्स के पीछे, बिलासपुर
9993096225, 9993520540

आवश्यकता है- नल, सेनेटरी पाइप फिटिंग दुकान में अनुभवी फील्ड सेल्समैन, अनुभवी सुपरवाइजर, दुकान में कार्य हेतु लड़को की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। सम्पर्क करें- गीता ट्रेडर्स रायपुर रोड तिफरा 9752317779, 9179017779 (39856)

आवश्यकता है- होटल में कार्य करने हेतु मिस्त्री, हेल्पर एवं रोटी बनाने तथा बर्तन धोने हेतु बाई की तत्काल आवश्यकता है सम्पर्क करें- फुड जोन ईदगाह रोड बिलासपुर 9039791624 (39840)

आवश्यकता है- यश बिग बाजार में काम करने के लिए लड़के लड़कियों की आवश्यकता है। आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- स्टेट बैंक के सामने राजकिशोर नगर बिलासपुर 9300329794, 9131876031 (39847)

आवश्यकता है- मेन्स वियर में काम करने हेतु सेल्समैन चाहिए (कॉलिंग समय सुबह 11:30 से शाम 7बजे) नोट- केवल अनुभव लड़के ही सम्पर्क करें- यूनिक फैशन, शिव टॉकीज चौक बिलासपुर 9303159900, 9630110824 (39839)

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार इच्छुक व्यक्ति तुरन्त सम्पर्क करें- बादशाह सेफ्टी सर्विसेज, दुकान नम्बर 35, जवाली नाला मध्य नगरी चौक, बिलासपुर 7415293153 (39843)

आवश्यकता है- होटल, रेस्टोरेंट में काम करने हेतु मिस्त्री खाना नमकीन, हेल्फर, वेटर, रोटी बनाने वाले की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार रहने खाने की व्यवस्था सम्पर्क करें- अशोक नगर बिलासपुर 9907748408, 9300810110 (39831)

आवश्यकता है- गुप्ता इलेक्ट्रीक ऑटो में 4 सेल्स स्टाफ की आवश्यकता है ग्रैजुएट, अनुभवी व्यक्ति आवेदन करें वेतन 8000 से 15000 योग्यता अनुसार पता स्टारबक्स के सामने व्यापार विहार, बिलासपुर 8319690994, 7000467487 (39845)

आवश्यकता है- अनुभवी प्रशिक्षित (रिसेप्शन/ कम्प्यूटर) स्टाफ की आवश्यकता है सम्पर्क करें- अर्पण शुगर क्लीनिक, होमगार्ड ऑफिस के सामने, कुदुदण्ड बिलासपुर 9827492030, 8435360206 (39844)

आवश्यकता है- 14 चक्का डाला बॉडी चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन 30000 हैवी ड्राइविंग लाइसेन्स आधार कार्ड के साथ सम्पर्क करें- 9685758881, 7000056718 (39835)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल्स दुकान में कार्य हेतु लड़कों एव रिपेयरिंग साईड कार्य, वायरिंग, फिटिंग हेतु आवश्यकता है रहने की सुविधा सम्पर्क करें- अरूण इलेक्ट्रीकल्स चन्द्रा पार्क के सामने बृहस्पति बाजार बिलासपुर 7869102080 (39842)

आवश्यकता है- कैंटीन और नाश्ता सेन्टर में घर जैसा खाना और नाश्ता बनाने वाले पुरुष एवं महिला की अतिशीघ्र आवश्यकता है सम्पर्क करें- मंगला बिलासपुर 9755655055 (39853)

आवश्यकता है- नर्सिंग होम में कार्य करने के लिए बीएससी नर्सिंग स्टाफ, ट्रेण्ड नर्स की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जय अम्बे नर्सिंग होम, रिंग रोड नं.-2, महाराणा प्रताप चौक, बिलासपुर 9981970853 (39838)

आवश्यकता है- बिलासपुर, मंगला, तेलीपारा, पुराना बस स्टैण्ड सरकंडा कोनी सिरगिट्टी परसदा, तिफरा हेतु सुरक्षा गार्ड चाहिए वेतन 9000 से 10000 आवास मुफ्त सम्पूर्ण बायोडाटा के साथ सम्पर्क करें-9589316942, 9993336942 (39837)

आवश्यकता है- वेल्डर, हेल्पर की फायर फाइटिंग प्रोजेक्ट के एमएस पाईप लाइन के कार्य हेतु वेल्डर, हेल्पर की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- एमएस सर्विसेस बिलासपुर 9399343522, 9977064997 (39823)

आवश्यकता है- Ocean कम्पनी में ऑफिस हेतु लड़के लड़कियां चाहिए, योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट उम्र 18-28, आय 10500 से 18000+ रहना, खाना सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 9644433021, 07752337082 (39825)

आवश्यकता है- ऑफिस में कार्य हेतु अविवाहित लडको की उम्र 18-28, 10वी, 12वी पास जो आगरा में काम कर सके वेतन 12000+ कमीशन+ बोनस रहना फ्री शीघ्र सम्पर्क करें- इंटरव्यू परशुराम चौक चाम्पा 9359941800, 9244274370 (526)

आवश्यकता है- एजेन्सी कार्य हेतु छोटा हाथी ड्राइवर एवं आटो चलाने हेतु आटो चालक की आवश्यकता है सम्पर्क करें- महावीर एजेन्सी, MIG-45 नेहरु नगर रोड सांई मन्दिर के पास बिलासपुर 9893056083, 9755885780 (39829)

आवश्यकता है- थोक कपड़ा रेडीमेड दुकान में काम करने हेतु लड़कों, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री साई होजियरी, गली नम्बर-5, कश्यप कॉलोनी, बिलासपुर 9691432300 (39824)

आवश्यकता है- सेल्समैन, सेल्सगर्ल 4पद, फोल्डर 4पद, बिलिंग डिपार्टमेंट (पुरुष) 1पद, टेलर (पुरुष) 1पद की। वेतन योग्यता अनुसार अनुभवी को प्राथमिकता बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- शैल वस्त्रालय मेन रोड मसानगंज बिलासपुर 9238107105 (39821)

आवश्यकता है- किताब दुकान में महिला/ पुरुष (दो शिफ्ट सुबह 10 से 3:30 एवं 3:30 बजे से रात्रि 9बजे) हेतु कर्मचारी चाहिए पता- विवेक बुक डिपो, गुरुद्वारा के सामने दयालबंद बिलासपुर 9893378899 (39828)

आवश्यकता है- ई-रिक्शा ड्राइवर, रिसेप्शनिस्ट (फीमेल) जिसको टेलीकालिंग की जानकारी हो, मार्केटिंग का काम करने हेतु युवक, युवती सम्पर्क करें- अग्रसेन चौक बिलासपुर 6263077177, 7805884040 (39834)

आवश्यकता है- हाईवा (10 चक्का) चलाने हेतु अनुभवी दो ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार हैवी लाइसेन्स वाले ही सम्पर्क करें- ग्राम देवरी कला, थाना सकरी बिलासपुर 9907981801 (39822)

हमारा अशियाना
META PROPERTIES
3BHK VILLA & PLOTS AVAILABLE
VIP CITY, Saddu, Vidhan Sabha, Raipur, C.G.
812 000 8290

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए स्टाफ लड़के और लड़की की जरूरत है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्रीशंकर इंटरप्राइजेज इलेक्ट्रॉनिक्स फर्नीचर शोरूम तेलीपारा बिलासपुर 9691169665 (509)

आवश्यकता है- टेलीकॉलिंग हेतु युवतियों एवं महिलाओं की आवश्यकता है योग्यता 8वीं,10वीं से ग्रेजुएशन वेतन 5000+ कमीशन सम्पर्क करें- विनोबा नगर बिलासपुर एवं व्यापार विहार बिलासपुर 9039234207 (508)

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में माल निकालने जमाने हेतु लड़कियों, पैकिंग हेतु लड़को की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सलुजा मेडिकल एजेंसी मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा (510)

आवश्यकता है- कृष्णा फुट वेयर होल सेल दुकान में कार्य करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की शीघ्र आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- पुराना बस स्टैण्ड के पास बिलासपुर 9907925025, 7987210064 (39836)

आवश्यकता है- ढाबा में काम करने केलिए वेटर हेल्पर तन्दूर मास्टर, कैप्टन की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- रायपुर रोड बिलासपुर 7000942962 9098976666 (39819)

आवश्यकता है- शीघ्र आवश्यकता है जो बाहर रहकर कार्य करसके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के चाहिए आयु 18से 30वर्ष वेतन 9000+कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना खाना फ्री+गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- 8085189675, 8962000161 (528)

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड वेतन 13000 सुपरवाइजर वेतन 15000 फील्ड अधिकारी वेतन 15000 आवास मुफ्त योग्यता अनुसार वेतन सम्पर्क करें-अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय- 06, जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7747000016, 7746000016, 7746000019 (348)

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ से बाहर ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है योग्यता, 10वी, 12वी, स्नातक, वेतन -12000+ कमिशन (रहना फ्री) ट्रेनिंग के बाद कमाए 20-25 हजार नोट नशेड़ी फ़ोन न करें मो. 9982589693 (527)

बेचना है

बेचना है- गोकुल धाम में 2BHK मकान एवं डायवर्टेड प्लाट गोकुल धाम, नारायणी होम्स एवं लोखण्डी में बेचना है रोड, नाली, पानी, बिजली सर्वसुविधायुक्त, बुकिंग प्रारंभ पता- राजपूत कन्ट्रक्शन बिलासपुर 8815964187, 9993864783 (39576)

बेचना है- रामा लाइफ सिटी सकरी, फेस 3, में 2035 वर्गफुट, सरकंडा राजीव विहार गली नं.-2 में 2400 वर्गफुट, यदुनन्दन नगर बाजार चौक के पास 2400 वर्गफुट प्लॉट सम्पर्क करे 7000957476, 9179210106 (39846)

बेचना है- लोखण्डी मेन रोड से लगे व्यावसायिक, आवासीय सर्वसुविधायुक्त प्लाट, मकान उपलब्ध है सम्पर्क करें-एस.के. कंस्ट्रक्शन नारायणी हॉस्पीटल के बगल वंदना ट्रेडर्स के ऊपर मंगला चौक बिलासपुर 9098649603, 7987295995 (39605)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

बेचना है- मटियारी बेलतरा मुख्य मार्ग पर सेलर एवं खैरा डंगनिया के मध्य मुख्य मार्ग पर 100 फुट का फ्रंट कुल रकबा 60 डिसमिल का प्लाट बेचना है। सम्पर्क करें- 9755044382, 9179507993 (39859)

बेचना है- डीपीएस स्कूल एवं बस स्टैण्ड बिलासपुर से 1.5 km दूर, जीएसटी आफिस से लगा, 80फुट चौड़ी घुरु अमेरी रोड पर स्थित वीनस अपार्टमेंट में सर्वसुविधायुक्त 2/3BHK फ्लैट्स उपलब्ध, सम्पर्क- 9300612345 (39854)

बेचना है- श्यामा विहार कालोनी बोदरी परसदा नया बस स्टैण्ड के पास 22×50= 1100 वर्गफीट डायवर्टेड प्लाट प्राईम लोकेशन में तत्काल बेचना है सम्पर्क करें- 8839278711 (39798)

बेचना है- विकसित T&C एप्रूव्ड आवासीय कॉलोनी आर.के. रेसीडेन्सी तिफरा में स्वतंत्र 3BHK मकान 80 लाख में बेचना है, 1900/1350 प्लाट/ बिल्टअप एरिया। सम्पर्क करें- 9300635493 (39752)

किराया

किराया- दुकान और प्रथम तल, द्वितीय तल बिल्डिंग लोकेशन भैया जी होटल के बाजू में शिव टाकीज चौक, बिलासपुर में किराये से देना है सम्पर्क करें- 9425219796 (39830)

किराया- कोरबा बुधवारी बाजार के पास नेहरू नगर HIG4 स्किन केयर क्लीनिक के ऊपर प्रथम तल 1700 वर्गफुट गैरेज, लेटबाथ सुविधा युक्त व्यावसायिक उपयोग हेतु किराये पर देना है सम्पर्क करें- 9826389894 (39826)

किराया- बिलासपुर मुंगेली नाका सर्किट हाऊस के सामने वर्मा टावर में प्रथम तल में फ्लैट दो बैडरूम, किचन, लेटबाथ, सर्वसुविधायुक्त, शासकीय कर्मचारी, छात्रों को किराये से देना है सम्पर्क करें- 9826389894 (39827)

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंग को 8-9 इंच लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस। 8515825081 9083218330
गुप्त रोगी स्वयं मिलें
शादी से घबराहट गुप्त रोग ■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी ■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता ■ लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन ■ लिंग में टेढ़ापन ■ वीर्य में शुक्राणु की कमी ■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी ■ पेशाब में धातु जाना ■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक 9098889899
इसे जरूर पढ़िये और समझिये
सुविख्यात चिकित्सक डॉ. एस. सी. अग्रवाल (एम.डी.) डॉ. वी. के. अग्रवाल बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या) निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659, 93039-48500 96177-89223, 93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

फायनेंस

फायनेंस- विनायिका फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस, पर्सनल, कृषि महिला समूह, मकान, दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधारकार्ड, पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज) (30% छूट) संपर्क:- 7587708423 (511)

अब आप पायेंगे अपना एक सच्चा हमसफर
हरिभूमि वैवाहिकी (प्रति रविवार)
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश में आपका वैवाहिकी विज्ञापन प्रकाशित किया जायेगा।

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

कोपा डेल रे : बार्सिलोना लगातार चौथी बार सेमीफाइनल में, अल्बासेटे को हराया

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

लामिन यामल और रोनाल्ड अरौजो ने प्रत्येक हाफ में एक-एक गोल किया, जिससे बार्सिलोना ने दूसरी श्रेणी की टीम अल्बासेटे को 2-1 से हराकर कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। अल्बासेटे ने राउंड ऑफ 16 में रियाल मैड्रिड को हराकर सबको चौंका दिया था।

बार्सिलोना के सामने भी उसने अच्छी चुनौती पेश की। बार्सिलोना की सभी टूर्नामेंटों में खेले गए पिछले 17 मैचों में यह 16वीं जीत है। वह लगातार चौथी बार कोपा सेमीफाइनल में पहुंचा है। उसने पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड को हराकर खिताब जीता था। बार्सिलोना स्पेनिश लीग में शीर्ष पर है और रियाल मैड्रिड से एक अंक आगे है। कोपा का सेमीफाइनल दो चरणों में खेला जाएगा। फाइनल अप्रैल में सेविला में होगा।

इंग्लिश लीग कपः आर्सेनल ने चेल्सी को हराया, फाइनल में एंट्री

एजेंसी ▶▶| लंदन

आर्सेनल ने इस सत्र में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चेल्सी को हराकर इंग्लिश लीग कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। काई हावर्ट्ज ने खेले गए सेमीफाइनल के दूसरे चरण में अपने पूर्व क्लब के खिलाफ स्टॉपेज टाइम में गोल किया, जिससे आर्सेनल ने चेल्सी को 1-0 से हराया। इस तरह से उसने कुल मिलाकर 4-2 के अंतर से जीत हासिल की। आर्सेनल की टीम ने 2020 से कोई ट्रॉफी नहीं जीती है लेकिन इस सत्र में उसने अब तक बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। उसकी टीम प्रीमियर लीग में छह अंकों की बढ़त के साथ 2004 के बाद पहली बार इंग्लिश चैंपियन बनने की दौड़ में है और लगातार आठ जीत के बाद चैंपियंस लीग तालिका में भी शीर्ष पर है। इसके अलावा आर्सेनल एफए कप के चौथे दौर में भी पहुंच गया है। इंग्लिश लीग कप के फाइनल में आर्सेनल का मुकाबला 22 मार्च को मैनचेस्टर सिटी या न्यूकैसल से होगा। मैनचेस्टर सिटी की टीम सेमीफाइनल के पहले चरण के बाद 2-0 से आगे है।

अंडर 19 वर्ल्ड कप: सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया, अब इंग्लैंड से भिड़ंत

रिकॉर्ड 10वीं बार फाइनल में भारत, अफगानिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड चेज, आरोन ने जड़ा शतक

एजेंसी ▶▶| हरारे

आरोन जॉर्ज की शतकीय पारी के साथ भारत ने अंडर 19 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल-2 में अफगानिस्तान के विरुद्ध 7 विकेट से जीत हासिल की। इसी के साथ टीम इंडिया ने 10वीं बार खिताबी मुकाबले में जगह बना ली है, जहां उसका सामना 6 फरवरी को इंग्लैंड से होगा। बुधवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनते हुए अफगानिस्तान ने 4 विकेट खोकर 310 रन बनाए। आरोन जॉर्ज 104 गेंदों में 2 छक्कों और 15 चौकों के साथ 115 रन बनाए।

शिनोजादा और नियाजी ने खेली शतकीय पारी

अफगानिस्तान टीम को उस्मान सादात और खालिद अहमदजई की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने पहले विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी की। अहमदजई 31 रन बनाकर पवेलियन लौटे।सादात ने फैसल शिनोजादा के साथ दूसरे विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 117 के स्कोर तक पहुंचाया। सादात ने 39 रन टीम के खाते में जोड़े।शिनोजादा 93 गेंदों में 15 चौकों के साथ 110 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि उजैरउल्लाह नियाजी ने 86 गेंदों में 2 छक्कों और 12 चौकों के साथ 101 रन की नाबाद पारी खेली। भारत की तरफ से दीपेश देवेंद्रन और कनिष्क चौहान ने 2-2 विकेट अपने नाम किए।

वैभव ने अंडर 19 वर्ल्ड कप में तीसरी बार लगाया अर्धशतक

वैभव ने अंडर 19 वर्ल्ड कप में तीसरी बार अर्धशतक लगाया और यह उनका इस इवेंट में दूसरा सर्वोच्च स्कोर रहा। उन्होंने इससे पहले बांग्लादेश के सामने 72 और जिम्बाब्वे के खिलाफ 52 रन की पारी खेली थी। इन मुकाबलों के अलावा पाकिस्तान (30), न्यूजीलैंड (40) के खिलाफ भी उन्हें अच्छी शुरुआत मिली थी लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल पाए थे। अफगानिस्तान के सामने 33 गेंदों में 68 रन की पारी के जरिए वैभव अंडर 19 वर्ल्ड कप में भारत की ओर से सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने।

सूर्यवंशी और जॉर्ज ने की 90 रन की साझेदारी

विशाल स्कोर का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 41.1 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। वैभव सूर्यवंशी ने आरोन जॉर्ज के साथ 9.3 ओवरों में 90 रन की साझेदारी की। वैभव 33 गेंदों में 68 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उनकी इस पारी में 4 छक्के और 9 चौके शामिल थे। इसके बाद जॉर्ज ने कप्तान आयुष म्हात्रे के साथ दूसरे विकेट के लिए 114 रन जुटाकर टीम को 200 के पार पहुंचाया। कप्तान म्हात्रे 59 गेंदों में 4 छक्कों और 5 चौकों के साथ 62 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद जॉर्ज ने विहान मल्होत्रा के साथ तीसरे विकेट के लिए 96 रन जुटाकर भारत को जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया।
जॉर्ज 104 गेंदों में 2 छक्कों और 15 चौकों के साथ 115 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद विहान मल्होत्रा ने 47 गेंदों में 38 रन की नाबाद पारी खेलते हुए भारत को आसान जीत दिलाई। अफगानिस्तान की तरफ से नूरिस्तानी उमरजई ने सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए, जबकि वहीदुल्लाह जादरान ने 1 विकेट चटकाया।

टी20 वर्ल्ड कप वार्म-अपः भारत ने साउथ अफ्रीका को 30 रन से हराया, ईशान की तूफानी फिफ्टी

एजेंसी ▶▶| नवी मुंबई

इशान किशन की अगुआई में बल्लेबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप के अभ्यास मैच में बुधवार को दक्षिण अफ्रीका को 30 रन से हरा दिया। भारत के 241 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 45), रियान रिकेल्टन (44), एडेन मारक्रम (38), जेसन स्मिथ (35) और मार्को यानसेन (31) की पारियों के बावजूद सात विकेट पर 210 रन ही बना सकी। भारत की ओर से अभिषेक शर्मा ने 32 रन देकर दो विकेट चटकाए। इशान ने इससे पहले 20 गेंद में सात छक्कों और दो चौकों से 53 रन की पारी खेलने के अलावा अभिषेक शर्मा (24) के साथ पहले विकेट के लिए 80 रन की साझेदारी की, जिससे भारत ने पांच विकेट पर 240 रन बनाए। चोट के बाद वापसी कर रहे तिलक वर्मा ने भी 19 गेंद में तीन छक्कों और इतने ही चौकों से 45 रन की पारी खेली। अक्षर पटेल (नाबाद 35), कप्तान सूर्यकुमार यादव (30) और हार्दिक पंड्या (30) ने भी उपयोगी योगदान दिया।

साउथ अफ्रीकी टीम ने 100 के स्कोर पर गंवाए 5 विकेट

इसके जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम 7 विकेट खोकर 210 रन ही बना सकी। मेहमान टीम ने पहले ओवर की अंतिम गेंद पर जॉर्ज लिंडे (0) का विकेट खो दिया था। यहां से कप्तान एडेन मार्करम (38) ने रायन रिकेल्टन (44) के साथ दूसरे विकेट के लिए 30 गेंदों में 66 रन की साझेदारी करते हुए पारी को संभाला, लेकिन इस जोड़ी के टूटते ही टीम बिखर गई। आलम ये रहा कि मेहमान टीम ने 100 के स्कोर तक अपने 5 विकेट खो दिए थे। इसके बाद जेसन स्मिथ ने 23 गेंदों में 35 रन की पारी खेलकर टीम को संभालने की कोशिश की। इनके अलावा, मार्को जेनसन ने 16 गेंदों में 31 रन बनाए। ट्रिस्टन स्टब्स 21 गेंदों में 4 छक्कों और 1 चौके के साथ 45 रन बनाकर नाबाद रहे, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। भारत की तरफ से अभिषेक शर्मा ने सर्वाधिक 2 विकेट निकाले। अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल ने 1-1 विकेट हासिल किया।

14 फरवरी को आइजोल अंतरराष्ट्रीय हाफ मैराथन

आइजोल। दूसरी आइजोल अंतरराष्ट्रीय हाफ मैराथन (एआईएचएम) 14 फरवरी को आयोजित की जाएगी। मिजोरम के खेल मंत्री लालनघिंगलोवा हमार ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष हाफ मैराथन में देश भर के प्रमुख खिलाड़ी भाग लेंगे। इस दौड़ की शुरुआत राजीव गांधी स्टेडियम से होगी और इसका समापन भी वहीं पर होगा। पहली आइजोल अंतरराष्ट्रीय हाफ मैराथन का आयोजन पिछले साल अप्रैल में किया गया था।

* **पोखरा।** भारत की अंडर-17 महिला टीम ने सैफ अंडर-19 महिला चैंपियनशिप के अपने अंतिम राउंड-रॉबिन मैच में भूटान को 8-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया, जिसमें उसका सामना बांग्लादेश से होगा।

राशिफल

मेष शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। आय वृद्धि के साधन विकसित होंगे।

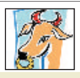
वृष व्यर्थ के क्रोध से बचें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मिथुन अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ रहेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

कर्क आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। खानपान के प्रति सचेत रहें। मन में निराशा एवं

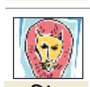
सिंह शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

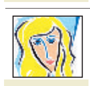
कन्या क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे। स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है। व्यर्थ के ववादों से बचने का प्रयास करें।

तुला पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृश्चिक घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

धनु पिता का साथ रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आएंगे। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मकर परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन सम्भव है। लंबे समय से रुके हुए काम बनने की उम्मीद है।

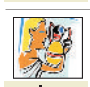
कुंभ परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। वाहन के रख-रखाव एवं वस्त्रों पर खर्च बढ़ सकते हैं। शिक्षा में सुधार होगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी।

मीन वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। मित्र के सहयोग से आय वृद्धि के स्रोत विकसित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। परिवार में अशांति रहेगी।

विश्व कप टीम से नजरअंदाज स्टीव स्मिथ खेलेंगे पीएसएल

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

शानदार फॉर्म के बावजूद ऑस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप टीम से बाहर किए गए अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में खेलने का फैसला किया है और इसके लिए उन्होंने नई फ्रेंचाइजी सियालकोट स्टैलियन्ज के साथ करार किया है। एशेज में शानदार प्रदर्शन करने और सिडनी सिक्सर्स के साथ बिग बैश लीग (बीबीएल) में बेहतरीन सत्र के बावजूद स्मिथ को टी20 विश्व कप के लिए नजरअंदाज कर दिया गया, जो सात फरवरी से भारत और श्रीलंका में आयोजित किया जाएगा।

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION CO. LTD.
(A Government of Chhattisgarh Undertaking) CIN- U40108CT2003SGC0158200 GSTIN-22AADCC5773E1ZX
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER (SUB-STATION) DIVISION Address:- Tifra, Bilaspur (C.G.) 495001
Website- www.cspc.co.in e-mail:- eesstrans.bilaspur@cspc.co.in Ph. No. 07752-493537 Fax No. 07752-493537

No. 11-53/Pur/T-01/Vehicle/1978 Bilaspur, Dated: 03/02/2026

NOTICE INVITING TENDER

Sealed tenders are invited from the vehicle owner/ Travel agency for providing vehicle camper (Pick-up-1.0 to 1.5 ton capacity) for 132KV S/s Chakarbhata head quarter of 132KV S/s group for a period of 3 years on hire under EE (S/s) Dn. CSPTCL Bilaspur. Description are given below:-

Sl. No.	Tender No.	Name of item	Estimated Cost (Rs.)	Earnest Money (Rs.)
01	No. 11-53/Pur/T-01/Vehicle/1978Dtd . 03/02/2026	Providing vehicle camper (Pick-up-1.0 to 1.5 ton capacity) for 132KV S/s Chakarbhata head quarter of 132KV S/s group for a period of 3 years on hire under EE (S/s) Dn. CSPTCL Bilaspur.	₹ 20,00,000.00	₹ 20,000.00
Last Date & Time of Sale of Tender: -			23/02/2026	15:00 Hrs
Last Date & Time of Submission of Tender:-			24/02/2026	15:00 Hrs
Date & Time of Opening of Tender :-			24/02/2026	15:30 Hrs

Terms & conditions:- The tender document can be obtained from the **O/o the EE (S/s) Dn. CSPTCL, Bilaspur** on payment of Rs.1,180.00 (non refundable) in the form of DD in favour of RAO, CSPTCL, Bilaspur (C.G.), payable at Bilaspur CG accompanied with firms application on its letter head. For all other details of NIT and terms & conditions, please visit our website www.cspc.co.in (go through CSPTCL tender notice-Sub-station O&M Bilaspur).
Sd/-
Executive Engineer
(S/s) Dn. CSPTCL Bilaspur
SAVE ELECTRICITY

कार्यालय नगर पालिक निगम, बिलासपुर (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

क्र./36/न.पा.नि./जोन क्र.01/2026 सकरी, दिनांक 04/02/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	रिमार्क
185076	सामुदायिक भवन के पास टिन शेड निर्माण कार्य, अहाता निर्माण कार्य एवं किचन शेड में छत ढलाई कार्य, वार्ड क्र. 03 उस्लापुर (अमेरी) न.पा.नि., बिलासपुर।	20.00	26. 02. 2026	1st Call

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से दिनांक 05/02/2026 सायंकाल में 05:31 बजे के पश्चात् प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता, जोन क्र.01 सकरी
नगर पालिक निगम, बिलासपुर (छ.ग.)
Green City, Clean City, Dream City.

सं. 27-7/2018-एलआईबी.
भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय
पुस्तकालय अनुभाग

भर्ती

सूचित किया जाता है कि संस्कृति मंत्रालय ने मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संगठन राजा राममोहन रॉय पुस्तकालय प्रतिष्ठान, कोलकाता में प्रतिनियुक्ति (अल्पकालिक अनुबंध सहित) के आधार पर महानिदेशक के पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। विस्तृत विज्ञापन मंत्रालय की वेबसाइट (https://culture.gov.in/) पर देखा जा सकता है।

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि एम्प्लॉयमेन्ट न्यूज /रोजगार समाचार में इस विज्ञापन के प्रकाशन की तिथि से 60 दिन है।

CBC 09101/11/0035/2526

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
विद्युत कार्य हेतु निविदा सूचना

निविदा संख्या क्र.: 05-सीईई-सी-एसईसीआर-2026, दिनांक 29.01.2026. **कार्य का नामः** "दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर एवं नागपुर मंडल में (1) 2x25 केवी, 50 हर्ट्ज ए.सी., सिंगल फेज ओएचई कार्य द्वारा डीएलबीएस-दुर्ग के बीच चौथी लाइन का विद्युतीकरण (क्रॉस-ओवर, लूप लाइन, साइडिंग्स आदि लगभग 17 टीकेएम सहित, मौजूदा डायमंड क्रॉसिंग का उन्मूलन तथा चौथी लाइन के संबंध में यार्ड का संशोधन)। (2) 1x25 केवी, 50 हर्ट्ज ए.सी. सिंगल फेज ओएचई कार्य द्वारा राजनांदगांव गुड्स शेड/ एफसीआई साइडिंग लाइन का विद्युतीकरण, जिसमें 02 क्रॉस-ओवर शामिल हैं (2.8 आरकेएम/ 4.5 टीकेएम)। (3) चौथी लाइन निर्माण कार्य के संबंध में दाधापारा, बिल्हा, दगोरी, निपनिया, भाटापारा, हथबंध, भिलाई, भिलाई पावर हाउस, भिलाई नगर, राजनांदगांव, बाकल, मुसरा, जटकन्हार, डोंगरगढ़ के स्टेशन यार्डों में नए डीसी ट्रैक सर्किट हेतु ओएचई बान्ड की व्यवस्था।" **निविदा मूल्यः** ₹ 13,64,06,022.18 (₹ तेरह करोड़ चौसठ लाख छः हजार बाईस एवं अठारह पैसे मात्र)। **बयाना राशिः** ₹ 8,32,000/-. (₹ आठ लाख बत्तीस हजार मात्र)।

निविदा बंद होने की तिथि व समयः 23.02.2026 को **15.30** बजे। **निविदा खुलने की तिथि व समयः 23.02.2026** को **15.45** बजे। **कार्य पूर्णता की अवधिः** स्वीकृति पत्र जारी होने की तारीख से 12 (बारह) माह।

वेबसाइट का विवरण तथा नोटिस बोर्ड का स्थानः उपर दिए गए कार्य के लिए विस्तृत जानकारी/ ई-निविदा दस्तावेज पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु ई-निविदा कागजात, जो हमारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है, उसे डाउनलोड कर/ देख सकते है।

सहायक कार्य विद्युत अभियंता (निर्माण)
सीपीआर/10/657 /रायपुर
South East Central Railway @secrail

शब्द पहेली - 6129

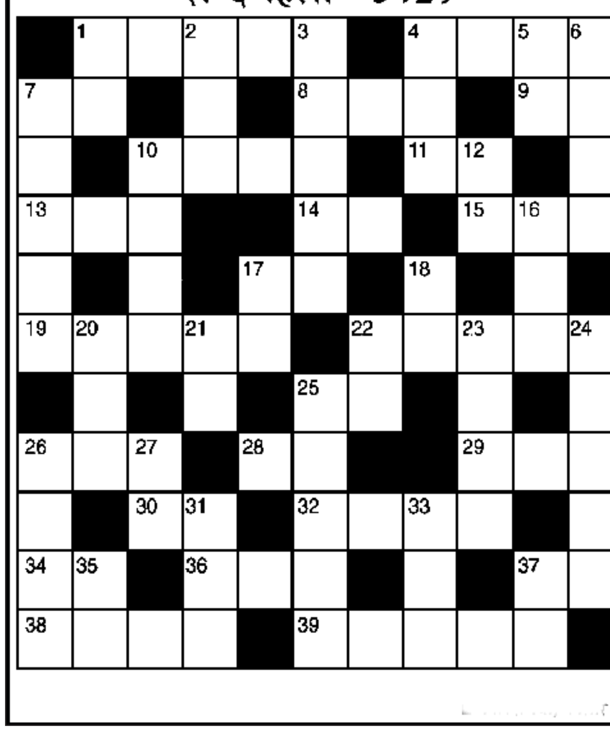

बाएँ से दाए
1. पावर हाऊस -5
4. दिमागी, कल्पित-4
7. हृदय-2
8. खोदना-3
9. प्रचार वाक्य, स्लोगन-2
10. नुकीला-4
11. कलिका-2
13. प्यारा, लाडला-3
14. विशिष्ट, विशेष-2
15. खर्च, उपभोग-3
17. नौका-2
19. नाम करण-2,3
22. चमकीला-5
25. महोदय (अंग्रेजी-2)
26. रनिवास, जनवासा-3
28. संध्या, सांझ-2
29. दलना, महीन करना-3
30. जस, सम्मान -2
32. कारागृह-4
34. आलाप, लय, सुर-2
36. पागल स्त्री-3
37. इंकार, मना-2
38. सराबोर, सना हुआ -4
39. वेश्या, तवायफ-5

ऊपर से नीचे
1. चूहे का घर-2
2. नेता-3
3. सार-संभार-2,3
4. आदर्श, कसौटी-3
5. छाती-2
6. अचरज भरा कार्य-4
7. हृदय को ठेस लगना-5
10. अनवरत वर्षा-4
12. जूं का अंडा-2
16. ओट, घूंघट-3
17. मां के पिता-2
18. दुख, कष्ट-2
20. राष्टीय पक्षी-3
21. पत्र, लैटर-2
22. गुप्तचर, दूत-2
23. कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24. रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25. समयुगीन, समवर्ती-5
26. बंद, स्ट्राइक-4
27. सुरा, शराब-2
31. वचन, प्रतिज्ञा-3
33. बंदर-3
35. नथनी, नथिया-2
37. शहद-2

शब्द पहेली- 6128 का हल

ग	र	म	म	सा	ला	■	क	दा	चा	र
ती	खा	■	हा	■	था	क	र	■	र	वा
वि	■	अ	ज	ग	र	■	म	ल	■	य
धी	मा	प	न	■	■	म	■	की	म	त
ही	■	ल	■	श	ता	न	ब	■	जा	■
न	म	क	दा	नी	■	मा	न	सि	क	ता
■	क	■	म	च	ल	ना	■	या	■	र
अ	र	ज	■	र	■	■	ऐ	श	व	त
ह	■	स	द	■	न	रो	त	म	■	म्य
म	न	■	ग्र	स	म	■	बा	■	टा	पू
क	र	त	ल	■	श	रा	र	त	पू	र्ण

सूडोकु नवताल - 6139

★★★★☆ कठिन

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6138 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

मुझे लड़की बना दो... एम्स में हर साल आ रहे 300 नए मरीज

नई दिल्ली। समाज में ट्रांसजेंडरों के साथ व्यवहार जग-जाहिर है, उन्हें अलग तरह से ट्रीट किया जाता है क्योंकि उनका शरीर तो अलग जेंडर प्रदर्शित करता है लेकिन उनकी सोच दूसरे जेंडर की तरह व्यवहार करती है। एम्स के डॉक्टरों की मानें तो ट्रांसजेंडर या नॉन-बाइनरी व्यक्ति भी किसी अन्य बच्चे की तरह ही जन्म लेते हैं। जैसे लड़के-लड़के के रूप में और लड़कियां-लड़की के रूप में पैदा होती हैं, वैसे ही ये बच्चे भी शारीरिक रूप से सामान्य होते हैं लेकिन धीरे-धीरे उन्हें यह एहसास होता है कि उनकी जेंडर पहचान उनके जन्म के समय निर्धारित लिंग से मेल नहीं खाती. उन्हें लगता है कि उन्हें अलग तरह से लड़का या लड़की होना चाहिए था, और इसी सोच के साथ वे एम्स नई दिल्ली के ट्रांसजेंडर क्लीनिक में आते हैं, जहां उनका इलाज किया जा रहा है।

ऐसे किया जाता है इलाज

एंडोक्राइनोलॉजी की भूमिका को समझाते हुए प्रो. खडगावत ने बताया कि जेंडर से जुड़ी शारीरिक विशेषताएं काफी हद तक हार्मोन पर निर्भर करती हैं। जब कोई ट्रांसजेंडर व्यक्ति हमारे पास आता है, तो उसका पहले हार्मोनल इलाज किया जाता है। जैसे जन्म के समय महिला माने गए किसी व्यक्ति को पुरुष के रूप में ट्रांजिशन करना हो तो हम महिला हार्मोन को कम करते हैं और बाहर से पुरुष हार्मोन देते हैं। इन हार्मोनल उपचारों से धीरे-धीरे शारीरिक बदलाव आते हैं। उन्होंने आगे बताया कि फीमेल-टू-मेल ट्रांजिशन में चेहरे पर दाढ़ी-मूंछ उगने लगती है और आवाज भारी होती जाती है, जबकि मेल-टू-फीमेल ट्रांजिशन में स्तनों का विकास होता है और शरीर की बनावट में बदलाव आने लगता है।

क्या सर्जरी और काउंसलगि की भी पड़ती है जरूरत?

जेंडर बदलाव की इस प्रक्रिया में सिर्फ एंडोक्राइनोलॉजी ही नहीं बल्कि साइकेट्री और सर्जरी की भी विशेष भूमिका होता है। एम्स दिल्ली में साइकेट्री विभाग के प्रमुख प्रो. प्रताप सरन ने बताया कि क्लिनिक तीन चरणों में मूल्यांकन करता है। उन्होंने कहा, 'पहले हम यह तय करते हैं कि जेंडर असंगति मौजूद है या नहीं. दूसरे चरण में कम से कम एक साल तक व्यक्ति को मॉनिटर किया जाता है ताकि उनकी जेंडर पहचान में निरंतरता सुनिश्चित हो सके. इस अवलोकन अवधि में रियल-लाइफ या सामाजिक ट्रांजिशन भी शामिल होता है।

किन अंगों की सर्जरी संभव होती है?

वहीं सर्जरी को लेकर एम्स दिल्ली के बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग के प्रो. मनीष सिंघल ने बताया कि जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी मरीज की जरूरतों के अनुसार कई चरणों में की जाती है। इनमें स्तन सर्जरी से लेकर जटिल जननांग पुनर्निर्माण, जिसमें पेनिस रिकंस्ट्रक्शन भी शामिल है, जैसी प्रक्रियाएं हो सकती हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि ये सर्जरी आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत कवर की जाती हैं, जिससे मरीजों पर आर्थिक बोझ काफी कम हो जाता है। एम्स के डॉक्टरों का कहना है कि हर साल बड़ी संख्या में नए पंजीकरण और फॉलो-अप मरीजों की मौजूदगी यह दर्शाती है कि ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए दीर्घकालिक और निरंतर स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरत है।

इंसानों की आंतों में होता है दूसरा दिमाग, यहीं से आता है आपका अंतर्ज्ञान

क्या आप जानते हैं जब आप टेंशन में होते हैं, डरे हुए, एक्साइटिड, खुश या फिर घबराए हुए होते हो तो इसे सबसे पहले आप अपनी आंत में महसूस करते हैं। जी हां... आपने बिल्कुल सही पढ़ा. आपकी आंत वो जगह है जहां भावनाएं और यादें बनाई और जमा की जाती हैं। इन वजहों से आंत शरीर का दूसरा 'दिमाग' कहलाता है।

इन कारणों से आंत है 'दूसरा दिमाग'

जानकार बताते हैं कि इंसानों के लिए स्वस्थ, सुचारू रूप से काम करने वाली आंत का होना बेहद अहम है। आंत का स्वास्थ्य सीधे आपके शरीर में विभिन्न अन्य प्रक्रियाओं से जुड़ा होता है।

90 फीसदी बीमारियों के लिए एक अनहेल्दी आंत / कोलन जिम्मेदार है, जिसमें क्लिनिकल डिप्रेशन और कैंसर भी शामिल है। मस्तिष्क में न्यूरॉन्स की तुलना में अधिक न्यूरॉन्स आंत की दीवार को लाइनिंग करते हैं। इसलिए आंत को दूसरा दिमाग कहा जाता है। साथ ही आपको जानकर हैरानी होगी कि आपका अंतर्ज्ञान आंत से आता है।

यह सवालों को सुलझा नहीं सकता, लेकिन...

तमाम रिसर्च बताते हैं कि हमारे पेट को नियंत्रित करने वाले एंटरिक तंत्रिका तंत्र को अक्सर शरीर का 'दूसरा मस्तिष्क' कहा जाता है। हालांकि, यह सवालों को सुलझा नहीं सकता, लेकिन यह व्यापक नेटवर्क मस्तिष्क के समान ही रसायनों और कोशिकाओं का उपयोग करके हमें पाचन में मदद करता है। साथ ही जब कुछ गड़बड़ होती है तो मस्तिष्क को सचेत करता है।

कई बातें हैं समान

क्या आप जानते हैं की मनुष्य की आंतों को 'दूसरा दिमाग' कहा जाता है। जी हां, आपको जानकर हैरानी होगी मगर हम सबके दिमाग और आंतों में कई ऐसी बाते हैं, जो समान हैं और दोनों एक दूसरे से बहुत ज्यादा प्रभावित होते हैं। दरअसल हमारे दिमाग की ही तरह हमारे आंतों में भी ढेर सारी तंत्रिका कोशिकाएं (नर्व सेल्स) होती हैं। इनकी जटिलता और काम के आधार पर ही वैज्ञानिक आंतों को 'दूसरा दिमाग' कहते हैं।

ग्रीन या ब्राउन ही क्यों होती है बियर की बोतल?

भारत में बियर पीने का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। साथ ही बियर की वैरायटी भी लगातार बढ़ रही है। हमारे देश भारत में तकरीबन 100 से ज्यादा तरह की बियर बनाई जाती है, लेकिन आपने अक्सर देखा होगा कि बियर की बोतलें अलग-अलग रंगों में नहीं आती, बल्कि यह बोतलें ज्यादातर ग्रीन या ब्राउन कलर की होती हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि बियर की बोतलें ज्यादातर ग्रीन या ब्राउन कलर में ही क्यों आती हैं?

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com